फाल्गुन माह, कृष्ण पक्ष, 21 वर्ष, अंक 61, पृष्ठ 8, मूल्य 3.00

अखंड भारत संदेश

www.akhandbharatsandesh.net

प्रयागराज से प्रकाशित

नगर संस्करण प्रयागराज | शनिवार 26 मार्च 2022

विश्व निर्माण एवं मानव विकास को दुतगति प्रदान करने हेतु क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान आश्रम की अनुपम भेंट

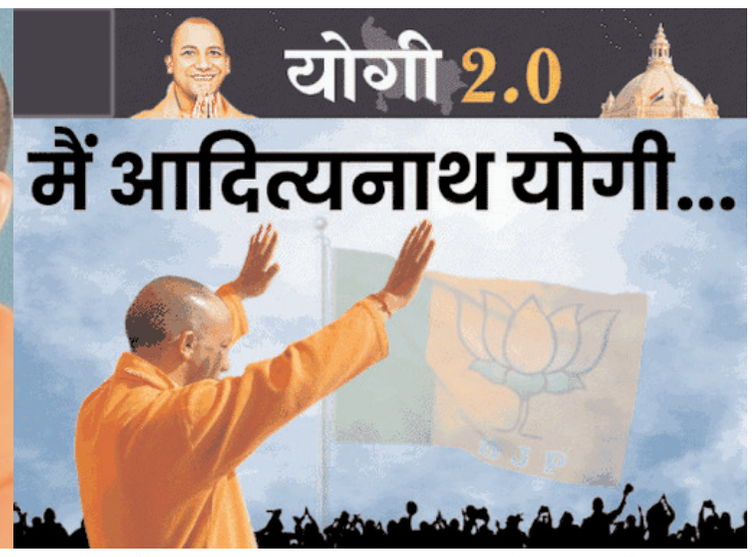

विजयपथ के बाद...फिर कर्मपथ पर योगी...

2 डिप्टी सीएम, 18 कैबिनेट, 12 स्वतंत्र प्रभार और 20 राज्य मंत्री, दानिश आजाद अकेले मुस्लिम चेहरा

केशव मौर्य और बृजेश पाठक ने ली डिप्टी सीएम पद की शपथ, स्वतंत्र देव सिंह और बेबी मौर्य सहित 52 मंत्री बने

लखनऊः योगी आदित्यनाथ ने दूसरी बार मुख्यमंत्री पद की शपथ ली है। योगी के साथ 2 उप मुख्यमंत्री, 16 मंत्री, 14 राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) और 20 राज्यमंत्री भी शपथ ले रहे हैं। केशव मौर्य को सिराथू सीट से हारने के बाद भी उप मुख्यमंत्री बनाया गया है। वहीं, लखनऊ कैंट से चुनाव जीते ब्रजेश पाठक को भी उप मुख्यमंत्री बनाया गया है। योगी के पहले कार्यकाल में ब्रजेश पाठक कानून मंत्री थे। मंत्रिमंडल में पांच महिलाएं भी हैं। गुलाब देवी, बेबी रानी मौर्य, प्रतिभा शुक्ला, विजय लक्ष्मी गौतम, रजनी तिवारी योगी की सहयोगी बनी हैं।

मोदी सरकार की तर्ज पर प्रोफेशनल टचः योगी मंत्रिमंडल में अधिकतम संख्या 60 है। इस बार का मंत्रिमंडल बड़ा रखा गया है। 2024 के लोकसभा चुनाव से पहले जरूरत के मुताबिक जातीय समीकरण को दोबारा सेट करने की भी हालांकि जगह छोड़ी गई है। इस बार योगी कैबिनेट को केंद्र की मोदी सरकार की तर्ज पर प्रोफेशनल टच दिया गया है। ऐसे विधायकों के नाम मंत्री पद के लिए फाइनल किए गए, जिनके पास जातिगत समीकरण और प्रोफेशनल काबिलियत है। इसके लिए हाईकमान स्तर पर बायोडेटा की स्क्रीनिंग की गई है। एक कारण ये भी रहा है कि रिजल्ट आने के बाद शपथ ग्रहण में 15 दिन का वक्त लग गया। यह पूरी एक्सरसाइज 2024 में यूपी की लोकसभा सीटों को फतेह करने के मकसद से की गई है।

चौंकाने वाली है कैबिनेटः बृजेश पाठक को डिप्टी सीएम बनाकर ब्राह्मणों को साधा जा रहा है, जबकि केशव मौर्य को हार के बावजूद डिप्टी सीएम बनाया गया है। कारण यह है कि उनके ही नेतृत्व

में 2017 में बीजेपी ने प्रचंड जीत हासिल की। वह ओबीसी के बड़े नेता भी हैं। इसलिए, सोशल इंजीनियरिंग के तहत भी उनको लाना तय है।

पूर्व नौकरशाह भी साथः योगी की नई कैबिनेट में इस बार चौंकाने वाले तरीके से नए चेहरों को मौका दिया गया है। नई कैबिनेट में गुजरात मॉडल की झलक है। मोदी ने इस बार पेशेवरों को मंत्री बनाने की भी सलाह दी थी, ताकि 2024 का चुनाव पूरी तैयारी से लड़ सकें। पीएम ने कहा है कि ये यूपी की फ्यूचर कैबिनेट हो, जो अगले 15 साल तक काम कर सके। इन बातों को देखते हुए आईपीएस की नौकरी छोड़कर चुनाव लड़ने पर वाले असीम अरुण को मंत्री बनाया गया है। इसके अलावा, अरविंद कुमार शर्मा को भी मौका मिला है। पीएम मोदी के करीबी अरविंद आईएएस की नौकरी छोड़कर यूपी की राजनीति में सक्रिय हुए। वे इस समय भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष हैं।

सहयोगी दलों को भी साथ लियाः भाजपा ने सहयोगी दल अपना दल से दो

योगी कैबिनेट से कई मंत्रियों की छुट्टी

देश के सबसे बड़े सूबे में योगीराज पार्ट-2 का आगाज हो गया। पिछले 37 साल में ये पहली बार है जब, पांच साल का कार्यकाल पूरा करने के बाद कोई दोबारा मुख्यमंत्री पद संभालने जा रहा है। इस बार भाजपा की जीत के साथ ही योगी के नाम कई रिकॉर्ड दर्ज हुए, लेकिन चुनौतियां भी बढ़ गईं। योगी आदित्यनाथ की कैबिनेट से कई पुराने दिग्गज नेताओं का पत्ता साफ हो गया है। पहली सरकार में डिप्टी सीएम रहे डॉ. दिनेश शर्मा, मोहसिन रजा, आशुतोष टंडन से लेकर बिजली मंत्री श्रीकांत शर्मा तक के नाम शामिल हैं। वहीं, कई पुराने नामों को फिर से कैबिनेट में मौका मिला है। इनमें केशव प्रसाद मौर्य, ब्रजेश पाठक, सूर्य प्रताप शाही, सुरेश खन्ना जैसे बड़े नाम शामिल हैं।

नाम तय किए गए हैं। इसमें पहला नाम अनुप्रिया के पति आशीष पटेल का है। मौजूदा समय में अपना दल-एस यूपी विधानसभा में तीसरी सबसे बड़ी पार्टी बनकर सामने में आई है। वहीं, निषाद पार्टी के अध्यक्ष डॉ. संजय निषाद भी कैबिनेट मंत्री बने हैं।

योगी सरकार के लिए बड़ी चुनौतियां...

यूपी में अगले पांच साल तक अब योगी आदित्यनाथ की सरकार होगी। विधानसभा चुनाव में भाजपा को प्रचंड जीत तो मिली, लेकिन कुछ चुनौतियां भी हैं। कई ऐसे मुद्दें हैं जो आने वाले समय में योगी सरकार की मुश्किलें बढ़ा सकते हैं। छुट्टा जानवरों से लेकर सरकारी भर्ती तक का मुद्दा इसमें शामिल है।

छुट्टा जानवर से निजात दिलवानाः 2017 में सरकार बनते ही योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश के सभी अवैध स्लॉटर हाउस को बंद करने आदेश दिया। सरकार की सख्ती का असर भी दिखा और देखते ही देखते सभी बड़े स्लॉटर हाउसों पर ताला पड़ गया। हालांकि, इसकी वजह से सड़कों पर गो-वंश छुट्टा घूमने लगे। सरकार के पास इनके पालन-पोषण के लिए कोई उचित प्लान नहीं था। गांवों में किसानों की फसलें चौपट होने लगीं। शहरों में सांड के चलते सड़क हादसे होने लगे। भूख और प्यास से बौखलाए कई छुट्टा पशु लोगों पर हमला करने लगे। विपक्ष ने चुनाव में इसे मुद्दा बनाया। इसी वजह से सीएम योगी से लेकर डिप्टी सीएम और सभी मंत्रियों को सार्वजनिक मंच से कहना पड़ा कि अबकी सरकार में आएंगे तो इसका उचित प्रबंध करेंगे।

इकलौते मुस्लिम मंत्रीः मोहसिन की जगह दानिश आजाद को मिली जगह

लखनऊः दानिश आजाद... योगी आदित्यनाथ की सरकार में इकलौते मुस्लिम मंत्री हैं। युवा चेहरा और बुलंद आवाज। छह साल तक भाजपा से जुड़े छात्र संगठन यानी अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) के कार्यकर्ता रहे। दानिश उन चेहरों में हैं, जो पार्टी के लिए मेहनत करते रहे हैं। 2017 में इसका पहला इनाम भी उन्हें मिला। तब दानिश को उर्दू भाषा समिति का सदस्य बनाया गया। 2022 के चुनाव से ठीक पहले उन्हें भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा का महामंत्री बनाया गया। दानिश को मोहसिन रजा की जगह मंत्री बनाया गया है। दानिश आजाद अंसारी मूल रूप से बलिया के बसंतपुर के रहने वाले हैं। उम्र 32 साल है। 2006 में लखनऊ यूनिवर्सिटी से बी.कॉम की पढ़ाई पूरी की। इसके बाद यहीं से मास्टर ऑफ क्वालिटी मैनेजमेंट फिर मास्टर ऑफ पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन की पढ़ाई की है। जनवरी 2011 में भाजपा के छात्र संगठन अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) से जुड़ गए। यहीं से दानिश के आजाद ख्यालात लखनऊ विश्वविद्यालय में गूंजने लगे।

योगी कैबिनेट में नौ फीसदी महिलाएं, पांच महिलाओं को जगह मिली

लखनऊः मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की कैबिनेट में इस बार भी पांच महिलाओं को शामिल किया गया है। कुल 52 मंत्रियों ने मंत्री पद की शपथ ली। इस लिहाज से महिलाओं का आंकड़ा देखा जाए तो ये केवल नौ फीसदी होता है। मंत्रिमंडल से ज्यादातर पुराने चेहरे गायब हैं।

बेबी रानी मौर्य (कैबिनेट मंत्री) : उत्तराखंड की राज्यपाल रह चुकी बेबी रानी मौर्य को खास यूपी चुनाव के लिए वापस लाया गया था। बेबी रानी पश्चिमी और ब्रज क्षेत्र की बड़ी जाटव नेता मानी जाती हैं। आगरा ग्रामीण से जीतकर विधानसभा पहुंची। वह आगरा की मेयर और राष्ट्रीय महिला आयोग की सदस्य भी रहीं। 1990 में भाजपा से जुड़ने वाली मौर्य ने संगठन में कई अहम पदों की जिम्मेदारी संभाली।

गुलाब देवी 'राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)' : पश्चिमी यूपी में सत्ता विरोधी लहर के बावजूद जीतकर विधानसभा पहुंची गुलाब देवी को फिर से योगी कैबिनेट में जगह मिली है। गुलाब देवी योगी मंत्रिमंडल में पहले भी मंत्री रहीं। वह संभल जिले की आरक्षित सीट चंदौसी से विधायक हैं। उन्होंने सपा की विमलेश कुमारी को हराया था।

प्रतिभा शुक्ला (राज्य मंत्री): कानपुर देहात के अकबरपुर-रनिया से विधायक चुनी गईं प्रतिभा को राज्यमंत्री का पद मिला है। प्रतिभा शुक्ला 2017 में पहली बार विधायक बनीं थीं। भाजपा के साथ महिलाओं को जोड़ने में भी प्रतिभा की अहम भूमिका रही है। 61 साल की प्रतिभा परास्नातक हैं। उनके पास 4.64 करोड़ रुपये की संपत्ति है।

रजनी तिवारी (राज्य मंत्री): रजनी तिवारी हरदोई जिले की शाहाबाद विधानसभा सीट से लगातार दूसरी बार विधायक चुनी गई हैं। 47 साल की रजनी ने इस बार समाजवादी पार्टी के मोहम्मद आसिफ को हराया है। रजनी के पास कुल 2.82 करोड़ रुपये की संपत्ति है।

विजय लक्ष्मी गौतम (राज्य मंत्री): 59 साल की विजय लक्ष्मी गौतम सलेमपुर विधानसभा क्षेत्र से इस बार विधायक चुनी गई हैं। पहली बार में ही उन्हें योगी सरकार में राज्यमंत्री बना दिया गया। 1992 से राजनीति शुरू करने वाली विजय लक्ष्मी गौतम भाजपा महिला मोर्चा की देवरिया नगर की अध्यक्ष रही हैं। इसके अलावा भाजपा की नगर उपाध्यक्ष, जिला महिला मोर्चा की दो बार अध्यक्ष, भाजपा जिला मंत्री, भाजपा गोरखपुर क्षेत्र की मंत्री और भाजपा के प्रदेश कार्यसमिति सदस्य रही हैं।

पंजाबः विधायकों को अब सिर्फ एक कार्यकाल की मिलेगी पेंशन

चंडीगढ़ः पंजाब में आम आदमी पार्टी की सरकार ने बड़ा फैसला लिया है। सीएम भगवंत मान ने वर्तमान व पूर्व विधायकों की पेंशन पर कटौती का एलान किया है। विधायकों के परिवारों को दिए जाने वाले भत्तों में भी कटौती की जाएगी। वहीं अब पंजाब के विधायकों और पूर्व विधायकों को केवल एक कार्यकाल के लिए पेंशन मिलेगी, चाहे वे कितनी भी बार जीत चुके हों। बता दें कि पंजाब की आर्थिक स्थिति बदहाल है। पंजाब पर लगभग तीन लाख करोड़ रुपये का कर्ज है। इसका जिक्र सीएम भगवंत मान ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात

के दौरान भी कर चुके हैं। उन्होंने पीएम को राज्य की दयनीय वित्तीय हालत की जानकारी दी और कहा कि पिछली सरकार पंजाब पर तीन लाख करोड़ रुपये का कर्ज छोड़ गई है। भगवंत मान केंद्र सरकार से दो साल तक सलाना 50 हजार करोड़ रुपये का वित्तीय पैकेज देने की मांग कर चुके हैं।

पांच साल में होगी 80 करोड़ रुपये की बचतः छह बार विधायक रहीं पूर्व सीएम राजिंदर कौर भट्ठल, लाल सिंह, सरवन सिंह फिल्लौर को हर महीने तीन लाख 25 हजार रुपये मिलते हैं। रवि इंदर सिंह, बलविंदर सिंह को हर महीने दो लाख 75 हजार रुपये की राशि मिलती है। वहीं 10 बार के विधायक की पेंशन छह लाख 62 हजार प्रतिमाह है। अब सभी पूर्व व मौजूदा विधायकों को सिर्फ 75 हजार रुपये पेंशन मिलेगी। मान सरकार पांच साल में 80 करोड़ रुपये की बचत करेगी और यह राशि जन कल्याणकारी कार्यों में खर्च की जाएगी।

प्रकाश सिंह बादल पहले ही छोड़ चुके हैं अपनी पेंशनः पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री और शिरोमणि अकाली दल के संरक्षक प्रकाश सिंह बादल ने पूर्व विधायक के तौर पर मिलने वाली पेंशन को पहले ही छोड़ दी है।

दिल्लीः डिप्टी सीएम ने पेश किया आउटकम बजट

तीन करोड़ महिलाओं को मिली बस में निशुल्क यात्रा की सुविधा

नई दिल्लीः दिल्ली के उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने शुक्रवार को विधानसभा में आउटकम बजट 2021-22 पेश किया। उन्होंने दावा विधानसभा को बताया कि 2021-22 में दिल्ली में तीन करोड़ से ज्यादा महिलाओं ने निशुल्क यात्रा की सुविधा का लाभ उठाया। दिल्ली में डीटीसी की 6,900 बसें हैं। आम आदमी पार्टी की सरकार ने 2019 में महिलाओं के लिए बस में निशुल्क यात्रा की योजना शुरू की थी। वित्त मंत्रालय भी संभाल रहे सिसोदिया ने कहा,

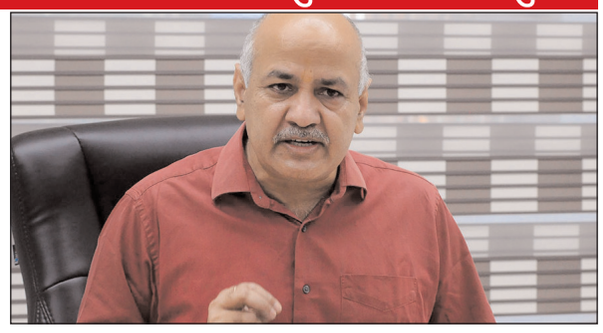

"पिछले साल तीन करोड़ से ज्यादा महिलाओं ने सरकारी बसों में निशुल्क यात्रा का लाभ लिया।" मनीष सिसोदिया ने कहा, "परिवहन विभाग में पिछले साल अगस्त से दिसंबर के बीच फेसलेस सेवा से पांच लाख से ज्यादा लोगों को लाभ मिला।

बीरभूम हिंसा पर संसद में रो पड़ीं रूपा गांगुली

नई दिल्लीः राज्यसभा में बीरभूम में हुए नरसंहार पर बोलते हुए भाजपा सांसद रूपा गांगुली के आंसू छलक उठे। रूपा ने कहा, 'हम पश्चिम बंगाल में राष्ट्रपति शासन की मांग करते हैं। वहां सामूहिक हत्याएं हो रही हैं, लोग वहां से भाग रहे हैं... बंगाल अब रहने लायक नहीं है।' इससे पहले बीरभूम हत्याकांड में महिलाओं और बच्चों के साथ हुए अमानवीय व्यवहार को लेकर रूपा गांगुली ने शून्यकाल में नोटिस दिया।

यूक्रेन पर हमले को लेकर जी-7 देशों ने पुतिन को घेरा

युद्ध के लिए जवाबदेह ठहराने के लिए नहीं छोड़ेंगे कोई कसर

ब्रसेल्सः रूस द्वारा यूक्रेन पर जारी आक्रमण को लेकर अमेरिका समेत कई देश पुतिन को घेरने में लगे हुए हैं। बेल्जियम की राजधानी ब्रसेल्स में शुक्रवार को जी-7 देशों की अहम बैठक हुई। जी-7 देशों के नेताओं ने कहा कि वे बेलारूस में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और लुकाशेंको शासन को यूक्रेन में उनकी आक्रामकता के लिए जिम्मेदार ठहराने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ेंगे। साथ ही जी-7 नेताओं ने अपने संयुक्त बयान में कहा कि इसके लिए हम अपने सहयोगियों और

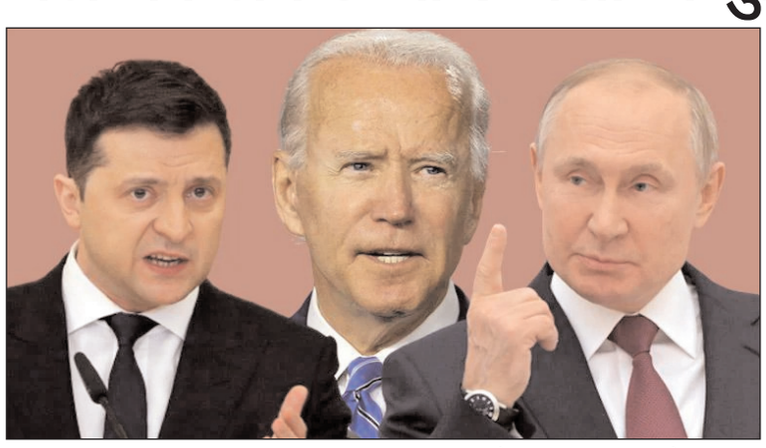

भागीदारों के साथ मिलकर काम करना जारी रखेंगे। यह संयुक्त बयान ब्रसेल्स में जी-7 नेताओं की बैठक के बाद आया है, जो ऐसे समय में आया है जब रूस और यूक्रेन के बीच जारी संघर्ष में आम नागरिकों की मौत तेजी से बढ़ रही है। रूसी आक्रमण को अनुचित, अकारण और अवैध बताते हुए जी-7 नेताओं ने कहा कि रूसी नेतृत्व 24 फरवरी 2022 को यूक्रेन के क्षेत्र में शुरू हुए सैन्य अभियानों को निर्लंबित करने के लिए अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय के आदेश का तुरंत पालन करने के लिए बाध्य है।

जी-7 देशों ने रूस पर गंभीर परिणामों को लागू करने का लिया संकल्पः संयुक्त बयान में रूस पर पहले से ही लगाए गए आर्थिक और वित्तीय उपायों को पूरी तरह से लागू करने सहित गंभीर परिणामों को लागू करने का भी संकल्प लिया गया है। इस बयान में रूसी लोगों को यह कहते हुए संबोधित किया गया।

बिहारः जाति जनगणना के मुद्दे पर विपक्षी दलों का हंगामा

पटनाः बिहार विधानसभा में जाति जनगणना के मुद्दे पर विपक्ष ने जम कर हंगामा किया और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर आरोप लगाए। सुबह 11 बजे कार्यवाही शुरू होने के कुछ देर बाद ही विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव के सूचीबद्ध प्रश्न के जरिए यह मुद्दा उठा। लेकिन वह सदन में मौजूद नहीं थे, जिस पर स्पीकर ने अगले सूचीबद्ध सवाल का रुख किया। राजद (राष्ट्रीय जनता दल) और वाम दलों के सदस्यों ने इसका विरोध किया और सरकार से तेजस्वी यादव के सवाल पर बयान

देने की मांग की। कुछ सदस्य विरोध प्रदर्शन करते हुए सदन के वेल तक पहुंच गए। तेजस्वी यादव के सवाल में राज्य-विशिष्ट जाति जनगणना और बजट आवंटन के लिए प्रस्तावित टाइमलाइन की जानकारी मांगी गई थी। विपक्ष के हंगामें की वजह से कार्यवाही को 11.30 बजे तक स्थगित कर दिया गया। जब दोबारा कार्यवाही शुरू हुई तो राजद और वाम दलों के विधायकों ने नारेबाजी करनी शुरू कर दी।

ऑफलाइन परीक्षा के विरोध में जमकर किया हंगामा , छात्रों ने किया आत्मदाह का प्रयास

विश्वविद्यालय में प्रदर्शन करते छात्र

प्रदर्शन के दौरान मौजूद पुलिस फोर्स

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। इलाहाबाद विश्वविद्यालय में ऑफलाइन परीक्षा के विरोध में छात्रों ने कुलपति दफ्तर पर हंगामा शुरू कर दिया है। छात्रों के आक्रोश को देखते हुए बड़ी संख्या में पुलिस फोर्स के साथ फायर ब्रिगेड की गाड़ियां मंगा ली गई है। आक्रोशित छात्रों ने पेट्रोल और डीजल शरीर पर उड़ेलकर आग लगाने का प्रयास किया, लेकिन मौके पर तैनात पुलिस ने उन्हें पकड़ लिया। साथ ही दमकल की गाड़ियों से पानी की बौछार मारकर छात्रों को तितर बितर कर दिया ,उग्र आंदोलन पर उतारू छात्रों को तितर बितर करने के लिए उनके ऊपर पानी की बौछार का प्रयोग किया जा रहा है। छात्र हाथ में पेट्रोल और डीजल भरे बोतल लेकर आत्मदाह करने की धमकी दे रहे थे। इसके बाद कुछ छात्रों ने शरीर पर तेल उड़ेलकर आग लगाने का प्रयास किया, लेकिन पुलिस ने उन्हें पकड़ लिया। छात्रों के ऊपर जमकर पानी की बौछार की गई। डीएम और एसपी पहुंचे परिसर में छात्रों के आंदोलन और बवाल को देखते हुए जिलाधिकारी और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक छात्रो के बीच पहुंच गए। एसएसपी ने छात्रों को आश्वासन दिया है कि वह शांति बनाए रखें। उनकी मांगों पर विश्वविद्यालय प्रशासन विचार कर रहा है। शाम तक उनके पक्ष में कुछ अच्छा निर्णय लिया जा सकता है। इसके बाद छात्र कुछ शांत हुए हैं, लेकिन छात्रों का एक गुट आंदोलन पर उतारू है।

नशीली दवा सुंघा कर कुशोरी को ले भागा युवक

सिरसा। प्रयागराज मेजा मेजा थाना क्षेत्र मे किशोरी को जबरिया नशीली दवा सुंघा कर भगा ले जाने का मामला प्रकाश में आया है। पीड़ित पिता ने मेजा पुलिस को तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। मेजा थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी एक व्यक्ति ने मेजा पुलिस को तहरीर देकर आरोप लगाया है कि वह रोजगार हेतु उरुवा बाजार मे रह रहा है। उसके साथ उसकी दो बेटियां 14 वर्ष व 9 वर्ष साथ में रह रही है। इसके पहले वह मेजारोड मे रहता था। मेजारोड मे उसके बगल मे मांडा थाना क्षेत्र के टंडहर गांव निवासी सत्यम तिवारी नामक युवक रहता था। वहीं पीड़ित ने आरोप लगाया कि उसकी न मौजूदगी में गुरुवार को सत्यम तिवारी उसके कमरे पर आया और नशीली दवा सुंघाकर उसकी बड़ी बेटी को उठा ले गया और छोटी लड़की भी बेहोश थी। पीड़ित जब घर पहुंचा तो होश आने पर उसकी छोटी बेटी ने आपबीती बताई। पीड़ित ने मेजा कोतवाली मे तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है।

विवि प्रशासन ने बदला फैसला, द्वितीय वर्ष के छात्र प्रमोट, तृतीय वर्ष की ऑनलाइन परीक्षा

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। इलाहाबाद विश्वविद्यालय (इविवि) में ऑफलाइन परीक्षाओं को लेकर भारी विरोध को देखते हुए इविवि प्रशासन ने अपना फैसला पलट दिया है। शुक्रवार को परिसर में हुए बवाल के बाद विश्वविद्यालय प्रशासन ने स्नातक द्वितीय वर्ष के छात्र-छात्राओं को तृतीय वर्ष में प्रमोट करने और तृतीय वर्ष की ऑनलाइन परीक्षा कराने का निर्णय लिया है। बवाल को रोकने के लिए डीएम और एसएसपी को सीधे हस्तक्षेप करना पड़ा।उच्च स्तरीय कमेटी की सिफारिश पर इविवि प्रशासन ने बृहस्पतिवार को निर्णय लिया था कि स्नातक द्वितीय एवं तृतीय वर्ष की ऑफलाइन परीक्षाएं मई के पहले सप्ताह में शुरू कराई जाएंगी। इस निर्णय से भड़के छात्र शुक्रवार सुबह कुलपति कार्यालय पर इकट्ठा हो गए और सामूहिक आत्मदाह की धमकी देते हुए खुद पर कैरोसिन ऑयल छिड़क लिया। किसी बड़ी घटना की आशंका से वहां हड़कंप मच गया और फायर ब्रिगेड की गाड़ियां बुला ली गईं। छात्रों पर पानी की बौछार की गई।

जिला प्रशासन के अनुरोध पर लिया गया निर्णय

मामले की गंभीरता को देखते हुए दोपहर दो बजे के आसपास डीएम संजय कुमार खत्री और एसएसपी अजय कुमार मौके पर पहुंच गए। उन्होंने छात्रों को समझाया कि शाम तक उनके हित में कोई निर्णय ले लिया जाएगा, तब तक शांति बनाए रखें। शाम को डीएम एवं और एसएसपी छात्र-छात्राओं के बीच दोबारा पहुंचे और इविवि प्रशासन के निर्णय से छात्रों को अवगत कराया। छात्रों ने निर्णय का स्वागत करते हुए धरना समाप्त कर दिया।जिला प्रशासन की ओर से पुनर्विचार किए जाने के अनुरोध पर कुलपति प्रो. संगीता श्रीवास्तव की अध्यक्षता में हुई बैठक में निर्णय लिया गया कि स्नातक द्वितीय वर्ष के सभी छात्र-छात्राओं को प्रमोट किया जाएगा और तृतीय वर्ष के छात्रों की ऑनलाइन मोड में परीक्षा ली जाएगी, जिसकी विस्तृत जानकारी बाद में दी जाएगी।

-डॉ. जया कपूर, पीआरओ, इविवि

चनैनी सुलभ शौचालय में कार्यरत महिला कर्मी का मानदेय का मामला थाने पहुंचा

करछना। विकास खंड के अंतर्गत चैनैनी ग्राम सभा में सुलभ शौचालय में साफ सफाई का काम करने वाली महिला के द्वारा समुह सखी से पैसा मांगने पर समुह सखी शुशील सिंह के पति लालबाबू सिंह के द्वारा अभद्रता के साथ मारपीट करने पर अमादा होने का मामला सामने आया है जिसकी शिकायत महिला ने करछना थाने पर की है बताया जा रहा है कि फातिमा बानो पत्नी नासिर अली महिला गांव की अति गरीब महिला है जिसको ग्राम प्रधान संघ महामंत्री धीतेश तिवारी के द्वारा गरीबी को देखते हुए उसे सुलभ शौचालय में साफ सफाई का कार्य दे दिया गया जिससे उसका गुजारा हो सके लेकिन पिछले माह में भी ग्राम प्रधान द्वारा महिला का मानदेय समुह सखी के खाते में डाल दिया गया था पिछले माह में भी पैसा देने में इसी तरह का बर्ताव किया गया था लेकिन महिला ने उस बार शिकायत नहीं की थी लेकिन आज महिला के साथ जिस तरीके से बरताव किया गया। उससे महिला परेशान होकर शिकायत ग्राम प्रधान से की जिसके बाद मामले को गंभीरता से लेते हुए ग्राम प्रधान चनैनी ने नाराजगी जाहिर करते हुए मामले में पीड़ित महिला को न्याय दिलाने की मांग की है।

विद्यार्थी जी के आदर्शो को आत्मसात करना पत्रकारों का नैतिक दायित्व : जादौन

अखंड भारत संदेस

प्रयागराज। क्रांतिकारी पत्रकार और जीवन मूल्यों की रक्षा के लिए शहीद हुए गणेश शंकर विद्यार्थी जी के आदर्शों को आत्मसात करना पत्रकारों का नैतिक दायित्व है उनकी लेखनी से प्रस्फुटित विचार आज भी प्रासंगिक हैं जो समाज को नई दिशा देने का काम करते हैं गणेश शंकर विद्यार्थी को याद करना जीवन मूल्यों की रक्षा के लिए एक उल्लेखनीय कार्य है जिसे प्रयागराज में भारतीय राष्ट्रीय पत्रकार महासंघ की महानगर इकाई ने मूर्त रूप देकर एक आदर्श स्थापित किया उपरोक्त विचार सत्य धीर सिंह जादौन महासचिव इलाहाबाद हाईकोर्ट बार एसोसिएशन उत्तर प्रदेश ने उस समय व्यक्त किए जब वे बतौर मुख्य अतिथि पत्रकारों को संबोधित कर रहे थे उन्होंने कहा कि आजादी की लड़ाई में अल्पायु में ही विद्यार्थी जी ने अपनी लेखनी से समाज को जागृत करने की महत्वपूर्ण भूमिका निभाई हम उनके प्रति कृतज्ञ हैं और पूरा भारत वर्ष उन्हें पूरी निष्ठा से याद करता है ।

भारतीय राष्ट्रीय पत्रकार महासंघ प्रयागराज की महानगर इकाई के शपथ ग्रहण समारोह के अवसर पर आयोजन की अध्यक्षता भारतीय राष्ट्रीय पत्रकार महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष मुनेश्वर मिश्र ने की और संचालन जिला अध्यक्ष रमाकांत त्रिपाठी ने किया विशिष्ट अतिथि वरिष्ठ अधिवक्ता भगवती प्रसाद सिंह एवं पूर्व न्यायाधीश कैप्टन डी पी एन सिंह ने भी पत्रकार हितों के अनेक मापदंडों पर सार्थक प्रकाश डाला शपथ ग्रहण समारोह के अवसर पर कुल 121 समाजसेवियों चिकित्सकों बुद्धिजीवियों लेखकों कवियों सहित 51 पत्रकारों को गणेश शंकर विद्यार्थी स्मृति सम्मान प्रदान किया गया अतिथियों और सम्मानित जनों को महासंघ की ओर से स्मृति चिन्ह अंगवस्त्रम एवं मोती की माला प्रधान करके अभिनंदन किया गया धूमनगंज जीटी रोड पर स्थित हनुमान वाटिका के भव्य सभागार में सैकड़ों अन्य गणमान्य लोगों के बीच यह ऐतिहासिक आयोजन संपन्न हुआ जिसमें महानगर इकाई के साथ-साथ जिला मंडल व प्रदेश के उन पदाधिकारियों ने भी महासंघ के संविधान के अनुसार निष्ठा पूर्वक अपने दायित्व का निर्वहन करने की शपथ ली जो

51 पत्रकारों सहित 121 समाजसेवी कवि लेखक किए गए सम्मानित, भारतीय राष्ट्रीय पत्रकार महासंघ ने अमर शहीद गणेश शंकर विद्यार्थी स्मृति पर्व मनाया

सम्मानित हुए पत्रकार एवं कवि लेखक

डॉ भगवान प्रशाद उपाध्याय सहित छ प्रखर संपादको को मिला संपादक रत्न सम्मान

प्रयागराज। स्वतंत्रता सेनानी,प्रखर वक्ता, यशस्वी संपादक श्री गणेश शंकर विद्यार्थी जी के बलिदान दिवस पर,भारत अमृत महोत्सव के अंतर्गत देश के छह प्रखर संपादकों को अभिव्यक्ति ई प्रकाशन की ओर से संपादक रत्न सम्मान 2022 से सम्मानित किया गया। डॉ.अनिल शर्मा 'अनिल' ने बताया कि विद्यार्थी जी की संपादकीय नीति के संवाहक,उनकी ही तरह राष्ट्रीय एकता और समरसता की नीति अपनाने और नवोदितों को प्रोत्साहित करने वाले देश के छह प्रखर संपादकों सर्वश्री विजय तन्हा, संपादक प्रेरणा, शाहजहांपुर। डॉ.पंकज भारद्वाज, संपादक पब्लिक इमोशन, बिजनौर। डॉ.सूर्यमणि रघुवंशी, संपादक चिंगारी, बिजनौर। डॉ.भगवान प्रसाद उपाध्याय, संपादक साहित्यांजलि प्रभा, प्रयागराज। बीजेन्द्र जैमिनी, संपादक जैमिनी अकादमी प्रकाशन, हरियाणा। शिवेश्वर दत्त पाण्डेय संपादक दि ग्राम टूडे प्रकाशन समूह,रुड़की को श्री गणेश शंकर विद्यार्थी स्मृति संपादक रत्न सम्मान 2022 से सम्मानित किया गया है। यह सम्मान कार्यक्रम आनलाइन सम्पन्न हुआ।

गत माह माघ मेले में अपरिहार्य कारणवश अनुपस्थित थे भव्य समारोह में कई ख्याति लब्ध कवियों ने भी अपनी रचनाओं से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध किया इस अवसर पर भारतीय राष्ट्रीय पत्रकार महासंघ की वार्षिक संवाददाता डायरी पत्रकार दैनिन्दिनी 2022 का लोकार्पण हुआ और दैनिक पवन प्रभात का अंक वितरित किया गया डॉ राजीव सिंह श्री प्रदीप तिवारी डॉ पीयूष दीक्षित श्री मनीष कुमार घोष सुरेश जगजीत यादव अनुज सिंह प्रेम नारायण केसरवानी धर्मेंद्र द्विवेदी नायाब बलियावी प्रमोद इलाहाबादी योगेंद्र मिश्र विश्वबंधु श्याम सुंदर सिंह पटेल अवनीश कुमार पवन कुलदीप शुक्ला कमल नारायण शुक्ला अरविंद मालवीय आलोक चतूवेर्दी गिरजा दुबे प्रदीप सिंह कमलेश सिंह शिवम मिश्रा बालकृष्ण मिश्र प्रवीण कुमार मिश्र शिवेश कुमार राय डॉक्टर राम जी प्रजापति डॉक्टर त्रिलोकी सिंह उमेश चंद्र श्रीवास्तव डॉ राम लखन चौरसिया पंडित राकेश मालवीय मुस्कान योगेंद्र कुमार मिश्र विश्वबंधु फरमूद इलाहाबादी नायाब बलियावी अनिल कुमार धुरिया जफरुल हसन अशोक तिवारी कमलेश सिंह आशीष मिश्र कमलेश कुमार पटेल शिव कैलाश भारतीय दीपक कुमार मौर्य कुंवर तौकीर अहमद अभिषेक केसरवानी डॉक्टर त्रिलोकी सिंह इम्तियाज अहमद गाजी सहित सैकड़ों कवि पत्रकार साहित्यकार लेखक समाजसेवी समारोह में उपस्थित रहे अतिथियों का स्वागत एवं आभार प्रदर्शन महानगर इकाई के अध्यक्ष शिवपूजन सिंह ने किया और समापन प्रेम नारायण केसरवानी के धन्यवाद ज्ञापन से हुआ।

लूट की तीन बाइक के साथ शातिर लुटेरे हुए गिरफ्तार

मेजा रोड। मेजा पुलिस ने लूट की तीन बाइक, पर्स, एटीएम कार्ड व पैन कार्ड के साथ दो लोगों को धर दबोचा। बता दें की कोतवाल मेजा तुषार दत्त त्यागी के नेतृत्व मे दरोगा जितेंद्र कुमार राजपूत चौकी प्रभारी कोहड़ार व दरोगा अतुल कुमार मिश्रा पुलिस टीम के साथ क्षेत्र में भ्रमणशील थे कि मुखबिर से सूचना मिली की कुछ लोग डाबर पुलिया पर कुछ बाईकों के साथ मौजूद हैं और डकैती की योजना बना रहे हैं। सूचना पर मेजा पुलिस ने मौके पर जाकर दो लोग पवन आदिवासी व उमेश आदिवासी निवासीगण लालतारा थाना खीरी को धर दबोचा। कोतवाल मेजा तुषार दत्त त्यागी ने बताया कि गिरफ्तार किए गए आरोपियों के कब्जे से लूट की एक मोटरसाइकिल, पर्स, एटीएम कार्ड, पैन कार्ड, पांच सौ रुपए व घटना मे प्रयुक्त दो मोटरसाइकिल बरामद किया गया। बरामदगी के आधार पर कार्रवाई की गई।

तीन अभियुक्तो को पुलिस ने तमंचा व गांजा के साथ किया गिरफ्तार

मऊआइमा। मऊआइमा के रामफल इनारी पुलिस चौकी फोर लेन पर चेकिंग के दौरान तीन बदमाशों को मय तमंचा और कारतूस एंव गांजा के साथ गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। मऊआइमा के रामफल इनारी पुलिस चौकी इंचार्ज कुलदीप कुमार यादव, कांटेबल अभिषेक गौतम, सज्जन कुमार, शैलेन्द्र यादव आदि ने फोर लेन पर चेकिंग के दौरान तीन संदिग्धों को आते हुए देख कर जब पीछा किए तो वह पुलिस को देख कर भागने लगे जिन्हें पुलिस ने दौडा कर तीनों को दबोच लिया। जामातलाशी में राज गौतम पुत्र धर्मवीर ग्राम शोभीपुर थाना मान्धाता प्रतापगढ़ के पास से एक अदद 315 बोर का तमंचा एक जीवित कारतूस बरामद हुआ। जबकि साथी अनुप पटेल पुत्र कृष्ण चन्द्र ग्राम परसरामपुर थाना मान्धाता के पास से एक किलो दो सौ ग्राम गांजा जबकि तीसरे अशोक कुमार निर्मल पुत्र जवाहरलाल ग्राम शोभीपुर मान्धाता प्रतापगढ़ के पास से एक किलो पचास ग्राम गांजा बरामद हुआ पुलिस ने गिरफ्तार कर तीनों अभियुक्तों को लिखा पढ़ी कर के जेल भेज दिया।

कॉलेज के लिए निकली बीए की छात्रा हुई लापता

प्रयागराज। घर से कालेज के लिए निकली बीए की छात्रा लापता हो गई। खुल्दाबाद से कॉलेज के लिए निकली बीए की एक छात्रा लापता हो गई है। उसके पिता ने पुलिस को बताया कि इस्लामिया डिग्री कॉलेज में उनकी बेटी बीए प्रथम वर्ष की छात्रा है। 21 मार्च को कॉलेज जाने के लिए निकली थी लेकिन उसके बाद से पता नहीं चला। 23 मार्च को उन्होंने खुल्दाबाद थाने में मुकदमा च बी एस दर्ज कराया। पुलिस को बताया कि उन्हें शक है कि मनोज नाम का युवक उसे बहला-फुसलाकर भगा ले गया है। पुलिस ने मनोज के पिता को हिरासत में लेकर पूछताछ की लेकिन वह भी जानकारी नहीं दे सका। इस केस के विवेचक का कहना है कि सर्विलांस की मदद से लोकेशन पता की जा रही है। छात्रा के पिता ने पुलिस को तहरीर दी है।

न्यूज झरोखा- होली पर्व

शपथग्रहण समारोह का लाइव प्रसारण देखने में जुटे करछना ब्लाक कर्मी

करछना। उत्तर प्रदेश सरकार के दुबारा मुख्य मंत्री पद केलिए योगी आदित्य नाथ सिंह के शपथग्रहण समारोह का टीवी प्रसारण देखने के लिए करछना ब्लाक के सभी कर्मी एवं प्रधान ब्लाक सभागार में एक साथ शपथग्रहण समारोह का टीवी प्रसारण देखने में जुटे रहें उस दौरान बिजली सप्लाई न होने के कारण ब्लाक जेनरेटर की ब्यवस्था किराये का मगा कर देखा ।विदित हो कि ब्लाक करछना में लगा सरकारी जेनरेटर वर्षो से खराब पडा है कूडे के ढेर में, इस मौके पर वीडीओ राम विलास राय, रामेश्वर सिंह एडीओ आई एस बी, विवेक कुमार मिश्रा, अल्प नारायण सिंह अध्यक्ष उत्तर प्रदेश लेखा परीक्षा एसोसिएशन ईकाई प्रयागराज, मनीष शुक्ला मनरेगा प्रभारी, सचिव कमल सिंह, सचिव, हरिओम चौधरी, मनीष यादव सचिव, अमित यादव सचिव, ब्लाक प्रमुख प्रतिनिधि कमलेश द्विवेदी, आदित्य पौडवाल सचिव सहित बडी संख्या में प्रधान व प्रतिनिधि मौजूद रहे ।

विश्व क्षय रोग दिवस पर क्षय रोगी लिए गए गोद

सहसों। विश्व क्षय रोग दिवस पर लाभार्थी क्षय रोगियों को पंचायत विभाग के पदस्थ अधिकारियों एवं सामाजिक संगठनों के लोगों ने लिया गोद लिए तथा पोषण आहार एवं प्रमाण पत्र भी दिया गया। इसी तरह विकासखंड सहसों में गुरुवार को विश्व क्षय रोग दिवस मनाया गया। इस अवसर पर खंड विकास अधिकारी बबिता गुप्ता गुप्ता ने क्षय रोगियों को गोद लिया। इनको 6 महीने के लिए गोद लिया गया है। सभी क्षय रोगियों को अपनी तरफ से प्रत्येक महीने मूंगफली व उनके खाने पीने की व्यवस्था भी करेंगे। इस अवसर पर क्षेत्र के समाजसेवी शिव नारायण सिंह गप्पू ने भी क्षय रोगी धर्मराज पटेल निवासी ग्राम पंचायत उमरी मय टटिहरा को गोद लेकर स्मरण पत्र प्रदान किया। ब्लॉक क्षेत्र के अंतर्गत सभी क्षय रोगियों को गोद लेकर उनको पोषण आहार किट देते हुए स्मरण पत्र भी दिया गया।

महिला मजदूर के साथ की गई बदसलूकी, पुलिस से लगाई गुहार

नैनी। कोतवाली क्षेत्र के ददरी गांव के समीप एक कारखाने में काम करने वाली महिला मजदूर के साथ वहीं के तीन युवकों ने उसके साथ बदसलूकी करते हुए जान से मार देने की धमकी दे डाले। महिला ने अपनी सुरक्षा को लेकर पुलिस से गुहार लगाई है। हालांकि कई तरह की चर्चाएं लोगों के बीच व्याप्त है पुलिस मामले की जांच पड़ताल करने में जुटी हुई है। बताया जाता है कि मिजार्पुर जिले की रहने वाली एक महिला 5 वर्षीय अपने बच्चे के साथ छिवकी रेलवे स्टेशन पर पेटीदार ठेकेदार के दादरी स्थित कारखाने में मजदूरी का काम करती है। बताते हैं कि होली के दिन उसके साथ पेटी ठेकेदार के यहां काम करने वाले तीन युवकों ने उसके साथ बदसलूकी करने लगे और विरोध करने पर उसे कारखाने से बाहर कर दिए। इतना ही नहीं कहीं शिकायत करने पर उसे जान से मार देने की धमकी दे डाले। वह नैनी कोतवाली पुलिस व जीआरपी छिवकी से सुरक्षा व्यवस्था को लेकर गुहार लगाई है। महिला के साथ घटित वारदात को लेकर लोगों के बीच कई तरह की चर्चाएं व्याप्त है। इस संबंध में छिवकी पुलिस चौकी प्रभारी संदीप कुमार यादव का कहना है कि 100 रूपए मजदूरी को लेकर विवाद हुआ था और दोनों पक्षों को थाने पर बुलाया गया था। जहां महिला का बयान भी दर्ज कराया गया है और मामले की जांच पड़ताल की जा रही है।

अखिल भारती कान्यकुब्ज वैश्य महासभा समाज का भव्य होली मिलन समारोह संपन्न

अखंड भारत संदेश

जारी। अखिल भारती कान्यकुब्ज वैश्य महासभा शाखा उत्तर प्रदेश भुर्जी भोजवाल के तत्वाधान में भव्य होली मिलन समारोह एवं शादी योग्य परिचय सम्मेलन का आयोजन भव्य रुप से जनपद प्रयागराज मे रखा गया । इस दौरान होली मिलन समारोह दिन गुरुवार को जारी बाजार निवासी विष्णु भोजवाल ने जनपद प्रयागराज मे होली मिलन समारोह राजर्शी मंडपम में अपने साथियों संग होली मिलन समारोह में सम्मिलित हुए और सभी जनप्रतिनिधियों के साथ होली मिलन का कार्यक्रम संपन्न हुआ इस मिलन समारोह के दौरान सभी लोग एक दूसरे को अबीर गुलाल लगाकर गले मिले और होली की शुभकामनाएं दी इसमें मुख्य अतिथि राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री कृष्ण दास गुप्ता उर्फ नाथू जी भोजवाल ,राष्ट्रीय उपाध्यक्ष दिनेश चंद गुप्ता उर्फ छेदीलाल , अवधेश चंद्र गुप्ता जिला अध्यक्ष , दिनेश चंद्र गुप्ता कटरा की अध्यक्षता में होली मिलन कार्यक्रम संपन्न हुआ जिसमें से मुख्य रूप से गंगा भोजवाल , विष्णु गुप्ता प्रांतीय संगठन मंत्री ,भोजवाल महेश बैग हाउस , कृष्णा गुप्ता, मुन्ना भैया जगमोहन जवाहरलाल रामचंद्र बाबा जी मनजीत गुप्ताअशोक झूसी, जितेंद्र गुप्ता ,विशाल गुप्ता, नंदलाल गुप्ता नंदू, संजय गुप्ता सचिव ,मुकेश चंद गुप्ता महिमा रेस्टोरेंट,आदि सैकड़ों की संख्या में लोग होली मिलन समारोह में सम्मिलित रहे।

करछना ब्लाक में जल जीवन मिशन कार्यक्रम में दिया गया प्रशिक्षण

अखंड भारत संदेश

प्रशिक्षण कार्यक्रम में उपस्थित पदाधिकारी व महिलाएं

करछना। विकास खण्ड परिसर में स्थित सभागार में जल जीवन मिशन कार्यक्रम ₹हर घर जल₹ योजनांतर्गत दो दिवसीय महिला प्रशिक्षण एवं जागरूकता कार्यक्रम का राम विलास राय खण्ड विकास अधिकारी द्वारा सरस्वती प्रतिमा पर माल्यार्पण और दीप प्रज्ज्वलित कर औपचारिक उद्घाटन किया गया।अधिशासी निदेशक राज्य पेयजल एवं स्वच्छता मिशन उत्तर प्रदेश लखनऊ के निदेर्शानुसार विकास खण्ड के सभागार में जल जीवन मिशन के बैनर तले लगभग दो सौ महिलाओं को कुशल राज्य स्तर प्रशिक्षक जल जीवन मिशन उत्तर प्रदेश विपिन प्रकाश जायसवाल,मंगला प्रसाद द्वारा उपस्थित महिलाओं को दूषित पेयजल से होने वाले बीमारियां जैसे पीलिया,कालरा,कैंसर,दस्त बुखार,हड्डी रोग,कुपोषण,चर्म रोग आदि, पाइप लाइन शुद्ध पेयजल आपूर्ति,जल दोहन करने से पानी के संकट,पानी में रसायन आयरन,फ्लोराइड,क्लोरिन आदि की जल जांच करने सम्बंधी विस्तृत जानकारी दी गई और अधिकाधिक महिलाओं से भी जल जांच कीट के माध्यम से पानी की जान कराई गई। इस अवसर पर रामेश्वर सिंह एडीओ आई एस बी, विवेक कुमार मिश्र ए डी ओ पंचायत,कमलेश यादव परियोजना प्रबंधक,प्रतीक यादव, विनोद कुमार सहित बडी संख्या में महिलाएं मौजूद रही।

संगीतमय श्रीमद भागवत कथा 30 मार्च से, कथा व्यास पर आचार्य विकास महाराज सुनाएंगे कथा

शंकरगढ़। नगर पंचायत शंकरगढ़ के आर्य राम वाटिका,पुरानी बाजार (प्राइमरी स्कूल के सामने) श्रीमद भागवत कथा का आयोजन आगामी तीस मार्च से किया जा रहा है। कथा का समापन छह अप्रैल को हवन पूजन और प्रसाद वितरण के साथ किया जाएगा। यह जानकारी देते हुए आचार्य जी महाराज ने बताया कि भागवत कथा के शुभारंभ के पूर्व 30 मार्च को भव्य कलश यात्रा नगर में निकाली जाएगी। इसके पश्चात पूरे विधि-विधान से भागवत कथा का शुभारंभ किया जाएगा। बताया कि प्रातः सात बजे से 11 बजे तक वेदी पूजन एवं वारायण होगा। जबकि दूसरे पहर तीन बजे से शाम सात बजे तक भागवत कथा का वाचन किया जाएगा। भागवत कथा का वर्णन कथाव्यास आचार्य विकास महाराज करेंगे। कस्बे के समस्त व्यापारियों संग समस्त क्षेत्रवासियों से आयोजन में शामिल होने, कथा का रसपान करने का आह्वान किया गया है। इस आयोजन की मुख्य यजमान शकुंतला देवी पत्नी स्व. राधेश्याम केसरवानी और निर्मला देवी पत्नी स्व. जगदीश प्रसाद केसरवानी हैं।

बकाया पैसा दिलाने के लिए व्यापारियों ने आईजी व डीएम से की शिकायत

रत्योरा। कल्याणी इंडस्ट्रीज फर्म नैनी प्रयागराज के मालिक सुधीर केसरवानी पुत्र रमेश चंद्र केसरवानी, सुनील केसरवानी पुत्र रमेश चंद्र केसरवानी, नीरज जायसवाल उर्फ सल्लु पुत्र राजकिशोर जायसवाल पर कई व्यापारियों के द्वारा डीएम व आईजी प्रयागराज से शिकायत कर बकाए पैसे का भुगतान कराए जाने की मांग की गई है। व्यापारियों में श्याम नारायण पांडेय, गोविंद प्रसाद, विजय कुमार जायसवाल, भूपेश जयसवाल कमलेश त्रिलोकी व लालचन्द केशरी आदि लोगों ने फर्म मालिकों पर आरोप लगाया है कि उक्त फर्म के मालिकों के हाथ धान व चावल की बिक्री किया था। फर्म मालिक के द्वारा कुछ पैसा दे दिया गया था, शेष पैसा मांगने पर यह कहा गया कि हम लोगों का रुपया

2 वर्ष से लाखों रुपए भुगतान के लिए व्यापारी काट रहे चक्कर

सरकार के यहां बकाया है। सरकार द्वारा पैसा मिलने पर भुगतान दे दिया जाएगा। फर्म मालिक सुधीर केसरवानी व उनके पार्टनर द्वारा पैसा देने को लेकर हिल्ला हवाली व झूठा आश्वासन दिया जा रहा है। व्यापारियों की बात पर गौर करें तो बताया कि दो साल बीत जाने के बावजूद हम लोगों का भुगतान नहीं किया जा रहा है। हम लोगों को किसानों का भुगतान कैसे करे कुछ समझ मे नही आ रहा है।बीते 14 मार्च को भी रुपया देने के लिए शिकायत कताओं को फर्म मालिक के द्वारा बुलाया गया था, किंतु फर्म मालिकों के ऑफिस पहुंचने पर तरह तरह की धमकियां देते हुए पैसा न देने की बात कहते हुए वापस कर दिया। जिसके बाद व्यापारियों ने डीएम प्रयागराज व आईजी से शिकायत कर बकाए पैसे का भुगतान कराए जाने की मांग की है। ज्ञातव्य हो कि 2019 वर्ष 2020 तथा 21 में दिए गए धान व चावल के पैसे का उपरोक्त व्यापारियों के द्वारा भुगतान नहीं दिया जा रहा है। जिससे स्थानीय छोटे व्यापारी आक्रोशित हैं। व्यापारियों की बातों पर गौर करें तो कई लाख रुपए उपरोक्त फर्म मालिकों के यहां बकाया है। जिससे जिन किसानों से धान व चावल व्यापारियों द्वारा खरीदा है वह किसान भी व्यापारियों का जीना मुहाल कर दिये है, किंतु फर्म मालिकों के द्वारा पैसा न दिए जाने से जहां किसान प्रभावित हो रहे हैं, वही व्यापारी भी काफी परेशान है।

खबर संक्षेप

पत्रकार के घर पर दबंगों ने किया हमला पुलिस से शिकायत

प्रयागराज। मामूली कहासुनी पर पत्रकार के घर पर पड़ोसी दबंगों ने किया हमला. परिजनों को आई चोट पुलिस से शिकायत मऊआइमा रामफल इनारी चौकी क्षेत्र के गाढचंपा ग्राम सभा के पत्रकार शहजाद खान के घर पर मामूली कहासुनी को लेकर पड़ोस में रहने वाले दबंगों ने हमला बोल दिया घर के कुछ सदस्य चोटिल भी हुए हैं। शहजाद खान के पिता आबाद अली ने आरोप लगाया है कि सुबह लगभग 9:00 बजे उनके घर पर दबंगों ने कट्टा तमंचा लेकर हमला बोल दिया जब पीड़ित ने घर का दरवाजा बंद कर लिया तो दबंगों ने ईट पत्थर फेंकना शुरू कर दिया और भद्दी भद्दी गालियां देते हुए जान से मारने की धमकी देकर चले गए जिसके चलते मऊआइमा थाने में शिकायत कर रईस उद्दीन पुत्र मोइनुद्दीन तबरेज पुत्र रईसुद्दीन आफताब पुत्र जामिद अली अलाउद्दीन पुत्र नजम अली वा मोहम्मद अजमेर अब्बास अली अज्ञात के खिलाफ मऊआइमा थाने में लिखित शिकायत कर कार्रवाई की मांग की है।

मंडलायुक्त की अध्यक्षता में कृषक उत्पादक संगठनों की गांधी सभागार में समीक्षा बैठक संपन्न

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। मंडलायुक्त संजय गोयल की अध्यक्षता में कृषक उत्पादक संगठनों (एपीओ) संबंधित समीक्षा बैठक शुक्रवार को गांधी सभागार में संपन्न हुई जिसमें संगठनों द्वारा किए गए कार्यों की बिंदुवार समीक्षा की गई। बैठक में सर्वप्रथम विभिन्न जनपदों के किन ब्लॉकों में एपीओ कार्यरत नहीं है उसकी जानकारी लेते हुए मंडलायुक्त ने हर ब्लॉक में एक एपीओ को सक्रिय करने हेतु आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। इसके दृष्टिगत जिला स्तर पर एक समन्वय बैठक कर जनपदों के किन ब्लॉकों में एपीओ कार्यरत नहीं है इसकी सूची बनाकर उनके समक्ष प्रस्तुत करने को भी कहा गया है जिससे कि मंडलायुक्त के स्तर से आवश्यक सहायता हेतु शासन को लिखा जा सके। इसके अतिरिक्त जिन ब्लॉकों में एपीओ सक्रिय हैं उन ब्लॉकों में उनके द्वारा कैसा कार्य किया जा रहा है तथा कार्य के निष्पादन में किस तरह की समस्याएं आ रही हैं उस पर भी चर्चा की गई। मंडलायुक्त ने समस्याओं के बेहतर एवं समय बद्ध तरीके से निस्तारण हेतु संबंधित अधिकारियों को ब्लॉक स्तर पर पियर लर्निंग पर और जोर देने एवं वर्कशॉप्स का आयोजन कराने का सुझाव दिया है। उन्होंने कहा की पियर लर्निंग से कृषक एक दूसरे से ही बहुत सारी चीजें सीख सकते हैं जो उनकी समस्याओं के निस्तारण में प्रभावी हो सकती है। वर्कशॉप्स आयोजित करने के सुझाव पर उन्होंने स्पष्ट किया कि इससे उत्पाद को कैसे बेहतर बनाया जा सकता है इस बारे में कृषकों को बहुत कुछ सीखने को मिल सकता है। मंडलायुक्त ने कृषकों को एपीओ के माध्यम से ऑर्गेनिक फार्मिंग कराने हेतु और जागरूक बनाने पर भी जोर देने को कहा है जिससे कि सभी की आय बढ़ सके। इस संबंध में उन्होंने विभिन्न विभागों को किस तरह का जागरूकता अभियान चलाने की आवश्यकता है इसका आंकलन करने को भी कहा है। साथ ही कृषकों को कृषि हेतु ऋण उपलब्धता में किसी तरह की समस्या ना आए यह भी सुनिश्चित करने को कहा है।

गांधी सभागार में बैठक करते मंडलायुक्त

आग लगने से, तीन मोटरसाइकिल समेत गृहस्थी का सामान जलकर खाक

अखंड भारत संदेश

नैनी। गुरुवार को सायं लगभग छः बजे घूरपुर थाना क्षेत्र के देवरी गांव में भागीरथी पाल के घर में आग लग गई। उस समय घर का कोई सदस्य घर पर मौजूद नहीं थे। सभी खेत में काम करने गए थे। घर से आग की ऊंची लपटें निकलती देख गांव के लोग आग बुझाने दौड़े, लेकिन आग की विकरालता देखकर असहाय दिखे । बाद में भीड़ जुटने पर लोगों ने दो घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। आग में झुलसने से घर के अंदर रखी तीन मोटरसाइकिलें और गृहस्थी का सारा सामान जलकर खाक हो गया ।आग की चपेट में आने से घर के पास बधीं एक बकरी की मौत हो गई। जबकि एक गाय झुलस गई। भुक्तभोगी के अनुसार आग लगने से लगभग पांच लाख का नुकसान हुआ है।

केशव प्रसाद मौर्य के उप मुख्यमंत्री बनने पर ढोल नगाड़ों के साथ बांटी गई मिठाई

क्षेत्रीय नेता को माला फूल पहनाकर बधाई देते हैं लोग

अखंड भारत संदेश

सांसद प्रतिनिधि सुधीर कुमार साहू बबुआ को माला पहनाकर क्षेत्रीय जनता ने दी बधाई

प्रयागराज। प्रदेश भाजपा सरकार में केशव प्रसाद मौर्य जी को दुबारा उपमुख्यमंत्री बनने पर सांसद प्रतिनिधि सुधीर कुमार साहू बउआ ने दी बधाई शुक्रवार को सांसद प्रतिनिधि प्रतापगढ़ सुधीर कुमार साहू बउआ ने योगी सरकार 2.0 में केशव प्रसाद मौर्य को दुबारा उपमुख्यमंत्री बनने पर अपने सभी चाहने वालों के साथ ढोल नगाड़ों के साथ मिठाई खिलाकर शुभकामनाएं बधाई दिए।केशव प्रसाद मौर्या के शपथ लेने के साथ ही सुधीर कुमार साहू बउआ को क्षेत्रीय लोगों द्वारा मिठाई और फूल माला पहनाकर बधाई देने वालों में शिवबाबू अग्रहरि उर्फ पप्पू,बजरंग बहादुर सिंह,कमलेश मिश्रा गड़ैया, रंजीत गुप्ता प्रधान,नन्द कुमार त्रिपाठी, सुबोध कुमार साहू, अशरफूला, विपिन गुप्ता, मंगला केशरवानी, राजीव साहू, सुभाष, गोलू, फुलउ केशरवानी, संजय साहू,अनिल साहू, राजा, सूरज, देवा, आदिवासी, माणिक आदिवासी, दुखी आदिवासी, राजकुमार आदि प्रमुख रूप से लोगों ने बधाई दी।

दौना प्रकरण को एडीजी ने लिया संज्ञान, यमुनापार एसपी करेंगे जांच

पीड़ितों का बयान आज,दोबारा लिखी जाएगी एफआईआर

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। पिछले एक सप्ताह से शोसल मीडिया व प्रिंट मीडिया में चल रही घूरपुर थानांतर्गत के दौना गांव में 1994 में दौना कांड की पीड़ित परिवार को फिर से उत्पीड़न करने की खबर ने जिला प्रशासन व पुलिस प्रशासन के कान खड़े कर दिए। प्रयागराज जोन के अपर पुलिस महानिदेशक ने प्रकरण को संज्ञान में लेते ही पुलिस विभाग हरकत में आ गया है। आज यमुनापार के एसपी स्वयं पीड़ित परिवार का बयान लेंगे तथा पूर्व में दिए गए प्रार्थना पत्र के अनुसार फिर से एफआईआर दर्ज होगी। मिली जानकारी के अनुसार पीड़ित परिवार के पट्टे की जमीन पर बोई हुई सरसो की फसल को दौना कांड के आरोपियों ने जबरन काट लिया और जमीन पर कब्जा भी कर लिया है। जब पीड़ित परिवार ने विरोध किया तो जतीय आधार पर अपमानित करते हुए 1994 में हुए दौना कांड के पुनरावृत्ति की धमकी से पीड़ित परिवार सहमा हुआ है। पीड़ित परिवार का आरोप है कि स्थानीय पुलिस ने एफआईआर दिए गए प्रार्थना पत्र के अनुसार नही लिखी गयी है तथा दौना ग्राम से सम्बंधित राजस्व निरीक्षक की भूमिका पीड़ित परिवार के अनुकूल नही है।

तहसील में निरीक्षण करते हैं जिलाधकारी प्रयागराज

जिलाधिकारी ने सदर तहसील का किया औचक निरीक्षण

अखंड भारत संदेश

निरीक्षण में साफ-सफाई तथा समय से जनता की सुनवायी सुनिश्चित करें : जिलाधिकारी

प्रयागराज। जिलाधिकारी संजय कुमार खत्री ने सदर तहसील का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने लम्बित प्रकरणों तथा चल रही जन सुनवाई का जायजा लिया। तहसील में साफ-सफाई ठीक न मिलने पर कड़ी नाराजगी व्यक्त की तथा तहसील के चारों तरफ भ्रमण कर जायजा लिया तथा निर्देशित किया कि समय से तहसील में उपस्थित रहकर जनता की सुनवायी सुनिश्चित करें तथा जो भी लम्बित प्रकरण है, उसे गुणवत्ता पूर्ण ढंग से निस्तारण की कार्यवाही करें तथा फाइलों के रख-रखाव को भी व्यवस्थित रखने के निर्देश दिये है। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी प्रशासन श्री हर्षदेव पाण्डेय, एसडीएम सदर सौरभ भट्ट सहित सम्बंधित अधिकारीगण एवं कर्मचारी गण उपस्थित रहे।

नगर निगम के संविदा कर्मी ने फांसी लगाकर दी जान

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। नगर निगम के संविदाकर्मी ने फांसी लगाकर जान दे दी। दरअसल वह नशे का आदी था, इसी बात को लेकर पत्नी-पत्नी ने में हर दिन विवाद होता था। बीते एक साल से पत्नी मायके में ही बच्चों के साथ रह रही थी, वह ससुराल आने के लिए तैयार नहीं थी। इधर संविदाकर्मी लगातार नशे का आदी होता गया। शुक्रवार सुबह उसके कमरे का दरवाजा काफी देर तक नहीं खुला। जिसके बाद भाई ने खिड़की से देखा तो उसका शव पंखे से लटका था। जिसके बाद परिजनों ने घटना की सूचना करेली पुलिस को दी। सूचना पाकर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है।

पत्नी चली गई थी मायक

करैलाबाग निवासी उमेश भारतीय (35) ने फंदे से लटककर जान दे दी। घटनास्थल पर पहुंची पुलिस ने जांच पड़ताल की, लेकिन कोई सुसाइड नोट नहीं मिला। उमेश नगर निगम में संविदाकर्मी था। बताया जा रहा है कि वह अकेलेपन से परेशान था। करेलाबाग में रहने वाले उमेश भारतीया के मां-बाप की पहले ही मौत हो चुकी है। मकान के ऊपरी मंजिल पर उसके भाई का परिवार रहता है। नीचे वह अपनी पत्नी और बच्चे के साथ रहता था। शराब पीने के आदी उमेश का उसकी पत्नी से अक्सर विवाद होता था। लगभग एक साल पहले उसकी पत्नी अपने बच्चे को लेकर मायके चले गई। इधर वह अकेले ही घर में था। करेली पुलिस का कहना है कि जांच पड़ताल में जानकारी मिली है कि उमेश की पत्नी करीब एक वर्ष पूर्व किसी बात से नाराज होकर अपने मायके चली गई थी। इधर बीच वह शराब भी खूब पीने लगा था। आशंका है कि इसी वजह से उसने खुदकुशी की है। फिलहाल मामले की जांच की जा रही है।

आठ दिन में सिर्फ 2542 नौनिहालों को ही लगया जा सका टीका

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। बड़े-बुजुर्गों के बाद बच्चों को कोरोना संक्रमण से बचाने के लिए जीवन रक्षक मंगल टीका लगाने की शुरूआत भले तो हो गई, लेकिन अभियान की सुस्त चाल ने चिंता बढ़ा दी है। अब तक अभियान शुरू होने के आठ दिन बाद भी जिले में सिर्फ 2542 बच्चों को ही टीका लग सका है। जबकि, 12 से 14 साल के 2,53,711 के टीकाकरण का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। कहा जा रहा है कि यही हाल रहा तो बच्चों को सुरक्षित करने का लक्ष्य हासिल करने में लंबा समय लग सकता है। एक अप्रैल से शुरू हो रहे नए सत्र को देखते हुए 12 से 14 साल के बच्चों को कोरोना से बचाव के लिए शुरू हुए टीकाकरण में निर्धारित लक्ष्य पूरा करने पर सबसे ज्यादा जोर दिया जा रहा है। शहर में टीकाकरण के लिए 10 और ग्रामीण क्षेत्र में बच्चों के टीकाकरण के लिए 20 सीएचसी पर केंद्र बनाए गए हैं। बच्चों के टीकाकरण को लेकर शुरू हुए अभियान को लेकर केंद्रों के बारे में भी अभिभावकों को जागरूक किया जा रहा है। टीकाकरण को लेकर अभिभावक भी पूरे निश्चिंत है।हालांकि, केंद्रों पर पहुंच रहे कुछ अभिभावकों में से जब बात की गई, तब उनका कहना था कि जब सरकार और टीका तैयार करने वाले विशेषज्ञों ने उसे हर कसौटी पर परखा है, तो ऐसे में वह चिंता क्यों करें। लेकिन, अभियान की सुस्त चाल से जाहिर है कि अभी जिस रफ्तार से लोगों को बच्चों को सुरक्षित कराने के लिए बूथों पर आना चाहिए, नहीं आ रहे हैं।हालांकि इसके बीच ऐसे भी लोग हैं जिनमें बच्चों को टीका लगवाने के प्रति उत्साह देखा जा रहा है। वो अपनी बारी की प्रतीक्षा कर रहे हैं। मोती लाल नेहरू मेडिकल कॉलेज में टीकाकरण के नोडल अधिकारी डॉ. उत्सव सिंह के मुताबिक सेंटर पर प्रतिदिन 12 से 14 साल के 50 से 55 बच्चों का टीकाकरण हो रहा है। दूसरे केंद्रों पर भी इसी तरह टीकाकरण की रफ्तार है।हालांकि स्वास्थ्य महकमा जोर दे रहा है कि नए सत्र की शुरूआत में बच्चों के स्कूल जाने से पहले उन्हें कोरोना से बचाव के लिए कम से कम टीके की एक डोज अवश्य दे दी जाए। ताकि, उनको सुरक्षित रखा जा सके। स्कूल प्रबंधन और प्रशासन का भी कहना है कि इसके लिए वह बच्चों के अभिभावकों को भी संदेश भेजकर उन्हें टीकाकरण कराने के लिए प्रोत्सहित कर रहे हैं। ताकि, नए सत्र में पहले जैसे कक्षाओं का संचालन हो सके।

प्रिज्म जॉनसन लिमिटेड द्वारा आयोजित किया गया सपने मेसन मेला

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। कटरा के श्री राम वाटिका ,रामलीला मैदान में प्रिज्म जॉनसन लिमिटिड द्वारा किया गया सपने मेसन मेला जिसमे पूरे प्रयागराज मंडल से 300 से ज्यादा ठेकेदार एंव राजमिस्त्री भाइयो ने हिस्सा लिया और अपनी पसंद के गिफ्ट कंपनी द्वारा प्राप्त किये।इस पूरे आयोजन में उनके मनोरंजन के लिए भारत के महान जादूगर राम राठी सिंह द्वारा उनको मनोरंजित किया गया ।कंपनी के रीजनल हेड गोविंद चतुवेर्दी एंव रीजनल टेक्निकल हेड रोहित कपूर ने सभी का स्वागत एंव साथ ही सभी राजमिस्त्री भाइयो को निर्माण सम्बन्धी जानकारी सझा करते हुए चैंपियन प्लस एंव प्रिज्म चैंपियन ड्यूरतेक सीमेंट के बारे में जानकारी दी गई और सपने स्कीम के बारे में अवगत कराया ।प्रयागराज के ब्रांच हेड किशोर कुमार त्रिपाठी एंव ब्रांच टेकनिकल हेड नीरज शुक्ल और सेल्स प्रोमोटर महेश अग्रवाल , सुधीर गुप्ता टेक्निकल इंजीनियर शिवांश तिवारी, इंदूकान्त द्विवेदी, विमल मिश्रा, मुन्ना दिक्सित,पुलकित गुप्ता, धर्मेंद्र कुमार पासवान सेल्स ऑफिसर अनामित्रा सैकिया,अमित उपाध्याय ने सब का धन्यवाद किया।

आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित लोग

आजादी के अमृत महोत्सव अंतर्गत जागरूकता कार्यक्रम संपन्न

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। भारत सरकार सूक्ष्म लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय सूक्ष्म लघु एवं मध्यम उद्यम विकास संस्थान प्रयागराज तथा आयोजित एवं विकास इकाई नीति आयोग अर्थशास्त्र विभाग विश्वविद्यालय इलाहाबाद के संयुक्त तत्वाधान में आजादी का अमृत महोत्सव के अंतर्गत प्रचार एवं प्रसार हेतु जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन शुक्रवार को अर्थशास्त्र विभाग इलाहाबाद में विश्वविद्यालय में आयोजित किया गया ' कार्यक्रम के मुख्य अतिथि बादल चटर्जी आईएएस द्वारा एमएसएमई को देश की अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण योगदान देने हेतु कहा तो था ज्यादा से ज्यादा एमएसएमई इकाइयों की समस्याओं का जिक्र किया ' कार्यक्रम के प्रारंभ में एल बी एस यादव संयुक्त निदेशक शाखा एम एस एम ई विकास संस्थान वाराणसी ने सभी आगंतुकों एवं अतिथियों का स्वागत किया और भारत सरकार एमएसएमई मंत्रालय द्वारा चलाई जा रही सभी योजनाओं की जानकारी दी। अमित कुमार आईटीएस निदेशक डीजीएफटी कानपुर द्वारा एक्सपोर्ट के बारे में सभी उद्यमियों को जानकारी दी तथा उन्होंने एक्सपोर्ट से संबंधित सभी समस्याओं के निवारण हेतु आश्वासन दिया ' सुधांशु तिवारी ज्वाइंट कमिश्नर इंडस्ट्रीज प्रयागराज द्वारा राज्य सरकार द्वारा संचालित सभी योजनाओं के बारे में बताया तथा कार्यक्रम में अर्थशास्त्र विभाग के प्रोफेसर मनमोहन कृष्णा प्रोफेसर किरण सिंह तथा प्रोफेसर पीके घोष इलाहाबाद विश्वविद्यालय भी मौजूद रहे ' तथा कई गणमान्य व्यक्तियों ने कार्यक्रम में शिरकत करते हुए जागरूक किए इस कार्यक्रम में इलाहाबाद विश्वविद्यालय के लगभग 400 छात्र-छात्राओं ने भाग लिया तथा कार्यक्रम के अंत में वैभव खरे सहायक निदेशक एमएसएमई विकास संस्थान इलाहाबाद में सभी अतिथियों को धन्यवाद ज्ञापित किया तथा कार्यक्रम का संचालन डॉक्टर संदीपा विश्वास ने किया।

कार्यक्रम में उपस्थित छात्र-छात्राएं

कार्यक्रम के दौरान मंच पर बैठे मुख्य अतिथि व अन्य

कार्यालय ग्राम पंचायत करमा विकास खण्ड कौंधियारा, प्रयागराज

निविदा सूचना

वित्तीय वर्ष 2021–22 में ग्राम पंचायत करमा, विकास खण्ड–कौंधियारा में कराये जाने वाले कार्यों मनरेगा, राज्य वित्त, 15वां वित्त, हैण्डपम्प मरम्मत व रीवोर, नाली, खडंजा निर्माण व मरम्मत शौचालय निर्माण प्रयुक्त होने वाली सामग्री के लिए निविदा आमंत्रित की जाती है। विकास खण्ड की पंजीकृत फर्में 13–03–2022 से 18–03–2022 तक आवेदन कर सकती है। निविदा दिनांक 20–03–2022 को 12 बजे दिन को ग्राम पंचायत में खोली जायेगी।

क्र0	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (लाख में) सामग्री अंश	सामग्री अंश आपूर्ति की अवधि
1.	विजय बहादुर के घर से पशुचिकित्सालय तक इण्टरलाकिंग मरम्मत एवं नाली मरम्मत कार्य (दोना तरफ 100 मीटर	3.50 लाख	2 माह
2.	नशीम के घर से अवधेश के घर तक इण्टरलाकिंग कार्य (70 मीटर)	3.50 लाख	2 माह
3.	त्रिलोकी चौरसिया के घर के बगल से मुन्ना साहू के मन्दिर तक इण्टरलाकिंग कार्य (50 मीटर) एवं मुन्ना साहू घर के सामने चबूतरा निर्माण	2.00 लाख	2 माह
4.	बदरू के घर से कल्लू मुर्गा के घर तक इण्टरलाकिंग कार्य 60 मीटर	2.00 लाख	2 माह

मिथलेश जायसवाल
(ग्राम प्रधान)
ग्राम पंचायत करमा
वि. ख. कौंधियारा, प्रयागराज।

नीलकृष्ण प्रजापति
(ग्राम विकास अधिकारी)
ग्राम पंचायत करमा
वि. ख. कौंधियारा, प्रयागराज।

पत्रांकः मेमो/ग्राम पंचायत / टेण्डर/कोटेशन/2021–22/दिनांक

डेढ़ लाख की रेल संपत्ति के साथ गैंग सरगना समेत छह गिरफ्तार

37 बैटरी 19 रेलवे लाइन काफी संख्या में फिश प्लेट और क्लिप बरामद

रेलवे सुरक्षा बल लखनऊ की सीआईबी टीम को मिली बड़ी सफलता

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। रेलवे सुरक्षा बल लखनऊ क्राइम ब्रांच की टीम को शुक्रवार को बड़ी सफलता मिली हैं। टीम ने कोतवाली नगर के मीरा भवन और काशीराम कालोनी में दबिश देकर रेलवे संपत्ति की चोरी करने वाले एक गिरोह का भंडाफोड़ किया है। जिसमें गिरोह के सरगना समेत छह सदस्यों को गिरफ्तार किया गया है। जिसमें एक कबाड़ी भी शामिल है।

निशानदेही पर पुलिस टीम ने चोरी की गई रेलवे संपत्तियों का जखीरा बरामद किया है, जिसमें 37 बैटरी और 19 रेलवे लाइन के टुकड़े, काफी मात्रा में फिश प्लेट, पिंडाल्फक्लिफ समेत और कई सारी चीजें शामिल हैं। गैंग के दो साथी फरार हैं। उनकी तलाश जारी है। पकड़े गये सभी आरोपियों को जेल भेजने की तैयारी की जा रही है।

रेल सम्पत्ति के साथ गिरफ्तार अभियुक्तगण।

इस खुलासे के बारे में आरपीएफ का कोई भी अधिकारी बोलने को तैयार नहीं हैं।

सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार 24 मार्च को कर्षण वितरण (टीआरडी) एसएसई उपकेंद्र का ताला तोड़कर करीब 37 बैटरी चोरी की गई थी। एसएसई अवदेश ने तत्काल इसकी सूचना आरपीएफ को दी। घटना से हड़कंप मच गया। घटना बड़ी थी। खुलासे का जिम्मा आरपीएफ के अधिकारियों ने क्राइम ब्रान्च लखनऊ के तेज तर्रार इंस्पेक्टर यशवंत सिंह को सौंपा। अधिकारियों के निर्देश पर टीम लेकर यशवंत प्रतापगढ़ पहुंचे। मुखबिर की सटीक सूचना पर उन्होंने इंस्पेक्टर सीपी मिश्रा के साथ शुक्रवार को मीरा भवन के निकट राजाराम पांडेय के घर के सामने कबाड़ी की दुकान पर छापा मारा। यहां से चोरी की दो बैटरी मिली। कबाड़ी वीरेंद्र कुमार को हिरासत में ले लिया।

उसकी निशानदेही पर टीम ने काशीराम मुर्गी फार्म में छापा डाला और अरविंद कुमार के क्वार्टर में रखी चोरी की करीब 35 बैटरी के साथ चोरी की गई अन्य रेलवे संपत्ति का जखीरा पुलिस को मिला। जिसे देखकर आरपीएफ हैरान रह गई। उसी कमरे में गैंग का तीसरा साथी उदयराज सरोज चोरी के सामान को टेम्पो से ढोने वाला चालक चैथा चोर पिंटू रानीगंज और फेरी करने वाले पांचवे सुभाष और छठे चोर रमेश को भी पकड़ लिया गया। बताया जाता है कि भंगवा गांव का उदयराज सरोज गैंग का सरगना है। इसकी गैंग में गांव के लालजी और गन्ने भी शामिल हैं।जिनको पुलिस तलाश रही है। कबाड़ी वीरेंद्र सहोदरपुर का रहने वाला है। पकड़े गये आरोपियों ने पुलिस के सामने अपना गुनाह कबूल लिया है। खास बात यह है कि बैटरी के अलावा बरामद रेलवे संपत्तियां 15 से 20 दिन में चोरी हुई हैं। रखवालों को चोरों की आहट तक नहीं लग पाई है। मजे की बात यह है कि पुलिस ने 24 घंटे के भीतर ही घटना का खुलासा किया। माल समेत आरोपियों की गिरफ्तारी भी हो गई। कार्यवाई में क्राइम ब्रांच के इंस्पेक्टर यशवंत सिंह, इंस्पेक्टर सीपी मिश्रा, उपनिरीक्षक मंजीत डबास, सिपाही उमेश समेत कई पुलिस कर्मी शामिल थे।

एमएलसी गोपाल को कोर्ट से मिली राहत पाँचवी बार लडेंगें चुनाव

एक बार सांसद व चार बार बन चुके है एमएलसी

1997 से शुरू किया था अजेय राजनैतिक सफर

अखंड भारत संदेश

लालगंज, प्रतापगढ़। ढाई दशक से राजनीति में अजेय योद्धा के रूप एमएलसी के राजनैतिक सफर पर लगी रोक पर कोर्ट से राहत मिल गई है। अब हो पाँचवी बार विधान परिषद का चुनाव लडेंगें। उन्हें फर्जी पते पर शस्त्र लाइसेंस लेने की पुष्टि पर एमपी-एमएलए कोर्ट से सजा होने के बाद उनके चुनाव लड़ने पर ग्रहण लग गया था।

अक्षय प्रताप सिंह गोपाल।

सुल्तानपुर जिले के जामों राजघराने के कुँवर अक्षय प्रताप सिहं गोपाल कुंडा के विधायक राजा भईया के बेहद करीबी है। गोपाल ने राजा भईया के सहयोग से 1997 में एमएलसी का पहला चुनाव लडा और जीत हासिल कर जिले की राजनीति में एंट्री की। उसके बाद उन्होनें पीछे मुड़कर नही देखा।वह ढाई दशक से लगातार किसी न किसी पद पर बने रहे है। उन्होने 2003 में पुनः एमएलसी बन कर जीत को बरकरार रखा। 2004 में हुए लोकसभा चुनाव में गोपाल जी ने राजकुमारी रत्ना सिहं को पराजित करके सपा से सांसद बने थे। उसके बाद एमएलसी सीट खाली हो गई। इस पर हुए उपचुनाव में राजा भईया ने अपने करीबी राजघराने के आनंद भूषण सिहं बब्बू राजा को निर्विरोध एमएलसी बना कर इतिहास रचा था। 2010 में बसपा शासन काल में गोपाल जी ने सपा से एमएलसी चुनाव लड़कर जीत की हैट्रिक लगा कर एक नया कीर्तिमान बनाया था। पुनः 2016 में हुए एमएलसी चुनाव में बादशाहत कायम रखते हुए निर्विरोध जीत का चैका लगा कर सीट को बरकरार रखा। इस तरह देखा जाए तो गोपाल जी का राजनैतिक सफर अब तक एक अजेय योद्धा के रूप में रहा है, लेकिन फर्जी पते पर शस्त्र लाइसेंस के मामले में सजा होने के कारण जीत की कड़ी टूटती नजर आने लगी थी लेकिन कोर्ट ने जमानत के साथ ही सजा पर स्टे देकर चुनाव लड़ने का रास्ता साफ कर दिया।

स्कार्पियो में सवार लोगों ने युवक का 80 हजार उड़ाया, पुलिस को दी गई तहरीर

अखंड भारत संदेश

परियावां, प्रतापगढ़। प्रयागराज लखनऊ नेशनल हाइवे पर गुरुवार की सुबह लगभग सवा नौ बजे संग्रामगढ़ थाना क्षेत्र के सूर्य नारायण द्विवेदी पुत्र दूधनाथ द्विवेदी पनिगौ पूरे ककरेहा लोकइयापुर निवासी रायबरेली जाने के लिए नवाबगज थाना क्षेत्र के आलापुर चैराहे पर यादव पान की दुकान पर गाड़ी के इंतजार मे खडे थे।

भुक्तभोगी के मुताबिक कि एक अज्ञात स्कार्पियो गाड़ी जिस पर ड्राइबर सहित चार लोग सवार थे रायबरेली चलने के लिए गाड़ी पर बैठा लिया। एक ब्यक्ति गाड़ी से उतर कर पान लाने चला गया जो वापस आकर मेरे बगल में बैठ गया। आलापुर चैराहे से लगभग 500 मीटर पर हिनाहू गाव के मोड़पर मुझे उतार दिया कहा कि अभी और सवारी लेकर आ रहा हूँ। मैं उतर गया जब मैंने अपना पैसा देखा तो 80 हजार रुपया गायब था। मैं अवाक रह गया कुछ समझ मे नही आ रहा था कैसे क्या हो गया। मुझे उतारने के बाद गाड़ी ऊँचाहार की तरफ चली गयी। घटना की जानकारी मिलते ही आस पास के लोगो मे हड़कम्प मच गया। मौजूद लोगों ने सीसीटीवी फुटेज निकाल कर देखा तो स्कार्पियो गाड़ी से उतरने वाला ब्यक्ति पान खरीदकर वापस गाड़ी में बैठकर चला जाता है। गाड़ी जाने के बाद एक और युवक पैंट शर्ट पहने हुए आकर खड़ा हो जाता है जो कुछ देख रहा है। पीड़ित सूर्यनारायण द्विवेदी ने घटना की तहरीर नवाबगंज थाना प्रभारी रुकुमपाल सिंह को दिया है।

टैबलेट पाकर खिले छात्र-छात्राओं के चेहरे

महाविद्यालय पट्टी के एमए तृतीय सेमेस्टर के छात्र-छात्राओं को दिया गया टैबलेट

पट्टी, प्रतापगढ़। शुक्रवार को पट्टी नगर स्थित स्नातकोत्तर महाविद्यालय में छात्र छात्राओं को टेबलेट वितरित किया गया। टेबलेट पाकर छात्र छात्राओं के चेहरे पर मुस्कान देखी गई सभी ने सरकार के प्रति धन्यवाद आभार प्रकट किया।

स्नातकोत्तर महाविद्यालय पट्टी एमए तृतीय वर्ष के छात्र-छात्राओं को टेबलेट स्मार्टफोन वितरण कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्राचार्य सोनेलाल पटेल स्वशासी चिकित्सा महाविद्यालय प्रतापगढ़ के आर्य देशदीपक रहे। वही नोडल अधिकारी के रूप में राम भजन अग्रहरि तथा प्राचार्य अखिलेश कुमार पांडे के कुशल निर्देशन में छात्र-छात्राओं स्मार्टफोन वितरित किया गया। प्राचार्य अखिलेश पांडे ने बताया कि स्नातकोत्तर महाविद्यालय में तृतीय वर्ष के कुल 216 छात्र छात्राओं को टेबलेट वितरित किए जाना है। यह प्रथम चरण के अंतर्गत वितरित किया जा रहा है जो छात्र छात्रा अभी टैबलेट नहीं पाए हैं, उन्हें घबराने की जरूरत नहीं है। सभी को अवसर आने पर टैबलेट और स्मार्टफोन वितरित किया जाएगा। टैबलेट पाने वाली छात्राओं में मुख्य रूप से अंकिता सिंह, आरती पाल, खुशबू, सोनम पांडे, श्वेता गुप्ता, प्रिया सिंह, प्रगति सिंह, लक्ष्मी, अभिषेक शुक्ला, देवी प्रसाद शुक्ला, स्नेहा शुक्ला, साक्षी त्रिपाठी, आशीष पटेल सहित कई छात्र छात्राओं ने टेबलेट पाने के बाद उनके चेहरे पर खुशी देखी गई। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ अखिलेश कुमार पांडे ने इस दौरान कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा वितरित किए जा रहे टैबलेट कार्यक्रम योजना से जहां छात्र छात्राओं को तकनीकी शिक्षा से रूबरू होने का एक बड़ा अवसर प्राप्त होगा, वहीं देश दुनिया की गतिविधियों और शिक्षा के क्षेत्र में एक बड़ा कदम माना जा रहा है सभी छात्र छात्राओं ने उत्तर प्रदेश सरकार के प्रति अपना आभार प्रकट किया। कार्यक्रम का संचालन शिव शेखर पांडे ने किया।

प्रताप बहादुर स्नातकोत्तर महाविद्यालय में संचालित हुआ राष्ट्रीय सेवा योजना शिविर

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। प्रताप बहादुर स्नातकोत्तर महाविद्यालय प्रतापगढ़ सिटी द्वारा संचालित राष्ट्रीय सेवा योजना शिविर में पर्यावरण से संबंधित कार्यक्रम पर प्राचार्य डॉ भानु सिंह की अध्यक्षता में संपन्न हुआ जिसमें मुख्य अतिथि के रुप में पर्यावरण सेना प्रमुख अजय क्रांतिकारी रहे मुख्य अतिथि के रूप में अजय क्रांतिकारी ने पर्यावरण के विषय में समस्त छात्र छात्राओं को पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करते हुए कहा कि पर्यावरण बचाने से ही धरती बचेगी समय की जरूरत है कि हम सभी अपने प्रति पुत्र होने के दायित्व का निर्वहन करें अपने हर खुशी के मौके पर एक एक पेड़ लगाकर उसकी सुरक्षा करें साथ ही पीढ़ियों के लिए बूंद बूंद पानी बचाकर धरती को हरा भरा बनाने में अपना सहयोग दें उन्होंने कहा कि जीवन बार-बार मिलेगा परंतु राष्ट्रीय सेवा योजना शिविर के 7 दिन आपको फिर कभी वापस नहीं मिलेंगे इन 7 दिनों में आप सबको अपने आप में परिवर्तन लाना होगा हम बदलेंगे युग बदलेगा इस कहावत को चरितार्थ करना होगा इस देश का 100 करोड़ आदमी यदि अपने जन्मदिन पर 11 वृक्षों का रोपण करें तो हम इस संपूर्ण धरा को महाविनाश से बचा सकते हैं महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ भानु सिंह ने कहा कि पर्यावरण हमारा जीवन है यदि पर्यावरण नहीं रहेगा तो हमारा जीवन भी नहीं रहेगा भाई पेड़ ही हमारे जीवन के उद्भव हैं और हम सबको अनिवार्य रूप से वृक्ष लगाना चाहिए राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी डॉ धर्मेंद्र प्रताप सिंह ने समस्त छात्र छात्राओं को सिंगल यूज प्लास्टिक को अपने जीवन में कभी भी प्रयोग में ना लाने हेतु संकल्प एवं शपथ दिलाई कार्यक्रम का संचालन डॉक्टर नीरज त्रिपाठी ने किया इस , अवसर पर डॉ प्रणव डॉ कुलदीप सलोनी शुक्ला साक्षी सिंह रिया सिंह आंचल मिश्रा शिवांश पवन कुमार सिंह आदि लोग उपस्थित रहे

राष्ट्रीय सेवा योजना शिविर में भाग लेती छात्राएं।

निशुल्क योग कैंप हुआ शुरू

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। आज प्रातः 9.,30 से 11.30 तक पी. बी. डिग्री कॉलेज(एन एस एस कैंप) प्रतापगढ़ उत्तर प्रदेश में जिला पतञ्जलि योग समिति की तरफ से निःशुल्क योग कैम्प लगभग 200 युवाओं के साथ प्राचार्य डाक्टर बृजभान सिंह एवं डाक्टर धर्मेंद्र सिंह एवं अन्य गुरुजनों के देखरेख में सम्पन्न हुआ। जिसमें तहसील सदर के प्रभारी योगाचार्य यजुवेंद्र जी का आयुर्वेद और जड़ीबूटी पर विशेष व्याख्यान हुआ। अष्टांग योग पर चर्चा, युवाओं के कठिन आसन, दैनिक दिनचर्या के साथ साथ प्रश्नोत्तरी का सेसन भी योग पर चला। दुर्गेश योगी - प्रांतीय सह प्रभारी (भारत स्वाभिमान न्यास)पूर्वी उत्तर प्रदेश।

परीक्षार्थियों की मदद को आगे आया पेन बैंक

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। परिषदीय स्कूलों के साथ-साथ बोर्ड परीक्षार्थियों की मदद के लिए बच्चा बैंक फ्रेंड्स ग्रुप बीबीएफजी का पेन बैंक आगे आया है। उसकी तरफ से ऐसे परीक्षार्थियों को निशुल्क पेन पेंसिल और रबर का वितरण किया है। जो जरूरतमंद थे शुक्रवार को भंगवा, जोगापुर किना का पुरवा समेत कई गांव के पढ़ने वाले छात्र-छात्राओं को पेन और पेंसिल का वितरण निशुल्क किया गया। जिसमें परिषदीय स्कूलों के बच्चों के अलावा तिलक कॉलेज, राजकीय बालिका इंटर कॉलेज की छात्र-छात्राएं भी शामिल थे। पेंन वितरण करते समय संयोजक सनी सरोज ने छात्रों से कहा कि जो भी जरूरतमंद परीक्षार्थी हैं। उनको बैंक की तरफ से ये चीजें फ्री में वितरण की जायेंगी। उन्होंने बताया की करीब 58 परीक्षार्थियों को पेंन बांटा गया। पेंन पाकर खुशी, नैंसी, अंश, नितेश, रागिनी समेत परीक्षार्थी काफी खुश नजर आए।

छात्र पर पड़ोसी के रिश्तेदार ने किया जानलेवा हमला, पुलिस को दी गई तहरीर

अखंड भारत संदेश

पट्टी, प्रतापगढ़। शादी समारोह में मामूली कहासुनी के दो दिन बाद स्कूल से परीक्षा देकर वापस लौट रहे छात्र पर पड़ोसी के रिश्तेदार ने रास्ते में घात लगाकर बैठे आरोपी ने जानलेवा हमला कर दिया पीड़ित को परिजनों ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया दूसरे दिन युवक ने पट्टी कोतवाली पहुंचकर आरोपी के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। पट्टी कोतवाली क्षेत्र के मरियमपुर गांव का रहने वाला अमरजीत का बीते 21 मार्च को शादी समारोह में पड़ोसी के रिश्तेदार से कहासुनी हो गई थी, जिसमें उसने पीड़ित को जान से मारने की धमकी दिया था। पीड़ित का आरोप है कि इसी रंजिश में गुरुवार की शाम सात बजे जब वह पट्टी नगर स्थित राम राज इंटर कॉलेज से परीक्षा देकर वापस लौट रहा था तो आरोपी और उसके एक साथी ने उसके ऊपर धारदार हथियार तथा लाठी-डंडों से हमला कर दिया। शोर-शराबा करने और चिल्लाने पर आसपास के लोग दौड़े तो जान से मारने की धमकी देते हुए आरोपी वहां से भाग निकले। आसपास के लोग डायल 108 एंबुलेंस को फोन करके बुलाया और युवक को पट्टी नगर स्थित सेठ पन्नालाल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया। जहां पर इलाज किया गया दूसरे दिन में इस संबंध में कोतवाली में आरोपी के खिलाफ पर देकर कार्रवाई की मांग की है।

तेरहवीं में शामिल होने गए युवक की बाइक चोरी

अखंड भारत संदेश

पट्टी, प्रतापगढ़। अपने रिश्तेदार के तेरहवी में शामिल होने गए युवक की बाइक चोरी हो गई। युवक ने इस संबंध में चैकी में तहरीर देकर आवश्यक कार्रवाई की मांग की है। कंधई थाना क्षेत्र के रतनमई गांव के रहने वाले संतोष कुमार यादव पुत्र बुधराम यादव रसोईया गांव में अपने रिश्तेदार के तेरहवीं कार्यक्रम में शामिल होने के लिए गया हुआ था दिलीपपुर चैकी में तहरीर देकर उसने बताया कि उसने कार्यक्रम स्थल के समीप ही अपनी बाइक खड़ी की और खाना खाने चला गया, तभी इसी बीच किसी अराजक तत्व उसकी बाइक उठा ले गया। पीड़ित ने आसपास देखा लेकिन कुछ नहीं पता चला तो उसने दिलीपपुर चैकी में तहरीर देकर गाड़ी ढूंढने में मदद करने की अपील की है।

27 को सवालों का जवाब देंगी गुरमीत कौर

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। आओ बनिये गुरसिख प्यारा टीवी क्विज शो में प्रतापगढ़ की गुरमीत कौर 27 मार्च को सुबह साढे.दस बजे इस प्रोग्राम में प्रश्नों के उत्तर देंगी। बता दें कि गुरमीत कौर सरदार रवीन्द्र सिंह और सरदारनी सतनाम कौर की बेटी हैं। गुरमीत कौर को गुरुद्वारा कमेटी के सौजन्य से कोआर्डिनेटर सरदार मंजीत सिंह गोविन्द और सरोज कौर ने प्रतापगढ़, प्रयागराज, सुल्तानपुर, बस्ती, गोरखपुर, गोण्डा, करनैलगंज आदि शहरों से भी प्रतिभागियों का चयन कर उन्हें टीवी शो में आने का मौका प्रदान कराया। यह जानकारी सेलेक्शन टीम के कोआर्डिनेटर सरदार मंजीत सिंह गोविन्द ने दी।

नगर पालिका के सभागार में दिखाया गया मुख्यमंत्री का शपथ ग्रहण समारोह

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। नगर पालिका परिसर में प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का शपथ ग्रहण दिखाए जाने की व्यवस्था की गई थी। नगर पालिका के सभागार में लगे बड़ी स्क्रीन पर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मंत्रिमंडल का शपथ ग्रहण समारोह पालिका के सभी कर्मचारियों व अधिकारियों ने देखा।

नगर पालिका के अधिशाषी अधिकारी मुदित सिंह ने बताया कि मुख्यमंत्री का लखनऊ में हुए भव्य शपथ ग्रहण समारोह को हम सभी को देखने का मौका मिला। नगर पालिका के सफाई निरीक्षक संतोष कुमार सिंह ने कहा कि अपरान्ह चार बजे जैसे ही मुख्यमंत्री का शपथ ग्रहण समारोह शुरू हुआ, यह अद्भुत दृश्य यहां स्क्रीन पर दिखाई देने लगा था। सभी ने खुशियां मनाई और मिठाई बांटी।

इसके अलावा उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री के शपथ ग्रहण समारोह को लकर आज कई घरों से विद्युत झालरों से सजाया गया था। भाजपाईयों ने आतिशबाजी कर खुशी का इजहार किया।

भाजपाइयों ने आतिशबाजी कर किया खुशी का इजहार

नगर पालिका में शपथ ग्रहण समारोह देखते अधिकारी व कर्मचारी।

अरविन्द शर्मा के मंत्री बनने पर शुभचिंतकों ने मनाया जश्न

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। जैसे ही राजधानी लखनऊ में उत्तर प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री के रूप में शुक्रवार को पूर्व आईएएस अधिकारी अरविंद शर्मा ने मंत्री पद की शपथ ली, बेल्हा में जश्न का माहौल बन गया। जगह जगह श्री शर्मा के मंत्री बनते ही लोगों ने एक दूसरे को मिठाई खिलाकर शुभकामना दी। जिला कचहरी में अक्षरा पांडेय एडवोकेट के नेतृत्व में दिवाकर सिंह एडवोकेट, पूर्व महामंत्री जूनियर बार एसोसिएशन दिनेश पांडेय एडवोकेट, प्रदीप पांडेय एडवोकेट, दिनेश तिवारी एडवोकेट, पूर्व महामंत्री अजय त्रिपाठी एडवोकेट सहित सैकड़ों अधिवक्ताओं ने खुशियां जताई। इसी तरह मुनीश्वर दत्त स्नातकोत्तर महाविद्यालय के अध्यक्ष अध्यक्ष प्रमन मिश्र ,मंत्री आनंद पांडेय, प्राचार्य प्रोफेसर मनोज मिश्र सहित शिक्षक शिक्षिकाओं ने योग्य एवं कुशल प्रशासक एके शर्मा को मंत्री बनाए जाने पर खुशियां साझा की। इसी तरह नगर के सुरेश चंद्र मिश्रा महाविद्यालय में प्राचार्य डॉ अरविंद तिवारी के साथ में प्रबंधक प्रमन मिश्रा, राजेंद्र पांडेय, राकेश सिंह, सुभाष चंद्र पांडेय, उमेश पांडेय सहित अनेकों शिक्षक शिक्षिकाओं ने मिठाई बांटकर श्री शर्मा के मंत्री बनने पर प्रसन्नता जताई।

शिविर से बच्चों के अंदर आती है सेवा भावना: प्रो0 मिश्र

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। एमडीपीजी कॉलेज प्रतापगढ़ में राष्ट्रीय सेवा योजना की महिला एवं पुरुष इकाई के तत्वावधान में आयोजित सात दिवसीय विशेष शिविर का संयुक्त उद्घाटन जोगापुर स्थित वाणिज्य संकाय में हुआ। कार्यक्रम का उद्घाटन महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. मनोज मिश्र ने द्वीप प्रज्ज्वलन तथा सरस्वती एवं विवेकानंद की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर किया।

इस दौरान कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्राचार्य प्रो मनोज मिश्र ने विवेकानंद जी के कर्मयोग के सिद्धांत को बताते हुए बच्चों को सेवा भावना के प्रति प्रेरित किया। कार्यक्रमाधिकारी (पुरुष) डॉ. शैलेश कुमार पाण्डेय द्वारा राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों से अतिथियों को परिचय कराते हुए उनका स्वागत किया गया तथा राष्ट्रीय सेवा योजना की पृष्ठभूमि ,महत्व एवं मुख्य उद्देश्य से बिंदुवार छात्रों को अवगत कराया। महिला इकाई की कार्यक्रमाधिकारी डॉ. अमिता मिश्रा के द्वारा इस सात दिवसीय विशेष शिविर की रूपरेखा बताते हुए इसके महत्व को उध्दघाटित किया गया। राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों द्वारा विभिन्न कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। वनस्पति विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ.अरविंद मिश्र ने राष्ट्र के प्रति समर्पण, कर्तव्य बोध एवं दायित्व बोध से विद्यार्थियों को अवगत कराया। जन्तु विज्ञान विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ.अभिषेक सिंह ने छात्रों को स्वदेश प्रेम एवं मातृ प्रेम के महत्व से छात्रों का ज्ञानवर्द्धन किया। कार्यक्रम को डॉ राधाकृष्ण दुबे, डॉ संजय कुमार दुबे आदि ने संबोधित किया।

एमडीपीजी कालेज में सात दिवसीय एनएसएस शिविर सम्पन्न

मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण करते प्राचार्य प्रो0 मनोज मिश्र।

व्यापार मण्डल ने फिल्म देखकर जताया दर्द का एहसास

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। उ0प्र0 उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल के जिलाध्यक्ष श्री राजेंद्र कुमार केसरवानी एवं जिला महामंत्री श्री संजय सोनी के साथ व्यापार मंडल के विशेष सहयोग से अनेक पदाधिकारियों, व्यापारियों और जनपद के अन्य प्रबुद्ध बुद्धिजीवी सम्मवर्गों एवं डॉक्टर्स ने दि कश्मीर फाइल्स फिल्म देखकर सभी ने कश्मीर के दर्दनाक दर्द को एहसास किया। कश्मीर वासियों के दुखों का दर्द जानने हेतु प्रमुख रूप से अध्यक्ष श्री केसरवानी एवं महामंत्री संजय सोनी के साथ श्री कृष्णमोहन केसरवानी, डॉ उदय भान सिंह, डॉ पीयूष कांत शर्मा, डॉ ए के शर्मा, डॉ आर पी सिंह, सदाफल देव मंदिर के संस्थापक श्रीवास्तव जी, राजेंद्र कुमार शर्मा, डॉ बरनवाल, राय साहब, गोविंद खंडेलवाल, आदि से अन्य अनेक व्यापारी अपने परिवार सहित डी डी प्लेक्स आए।

खबर संक्षेप

दूसरी बार डिप्टी सीएम बनाए जाने पर अधिवक्ताओं ने दी बधाई

कौशांबी। उत्तर प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी की फिर दूसरी बार सरकार में योगी आदित्यनाथ मुख्यमंत्री के साथ उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने दूसरी बार डिप्टी सीएम के पद पर शपथ ली है केशव प्रसाद मौर्य को दूसरी बार डिप्टी सीएम बनाए जाने पर जिले के अधिवक्ताओं ने खुशी का इजहार किया है मॉडल बार डिस्ट्रिक्ट एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष नर नारायण मिश्र की अध्यक्षता में एक बैठक का आयोजन अधिवक्ताओं ने किया और दूसरी बार केशव प्रसाद मौर्या को डिप्टी सीएम बनाए जाने पर बधाई दी डिप्टी सीएम को बधाई के साथ साथ योगी आदित्यनाथ और नरेंद्र मोदी प्रधानमंत्री को बधाई दी है इस मौके पर नर नारायण मिश्रा ने कहा कि केशव प्रसाद मौर्य के डिप्टी सीएम बनाए जाने के बाद जहां पूरे प्रदेश को विकास में गति मिलेगी वहीं कौशांबी का विकास तेजी से होगा उन्होंने कहा कि केशव प्रसाद मौर्य को डिप्टी सीएम बनाए जाने के बाद पूरे कौशांबी जिले की जनता में जश्न का माहौल है इस मौके पर अध्यक्ष मनु देव त्रिपाठी अशोक कुमार मिश्र भोला अभिमन्यु मिश्रा देव मूर्ति मिश्रा राकेश पाण्डेय अवनीश त्रिपाठी सहित तमाम अधिवक्ताओं ने डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य को बधाई दी है।

सीएम डिप्टी सीएम के शपथ ग्रहण को देखने सुनने को उमड़ी जनता

मुख्यमंत्री के शपथ ग्रहण कार्यक्रम के सजीव प्रसारण देखने की व्यवस्था प्रशासनिक अधिकारियों ने की थी

मुख्यमंत्री का शपथ ग्रहण का सजीव प्रसारण देखते जिलाधिकारी के साथ वरिष्ठ अधिकारी

मुख्यमंत्री का शपथ ग्रहण देखती सुनती जनता

मुख्यमंत्री का शपथ ग्रहण देखती सुनती जनता

अखंड भारत संदेश

कौशाम्बी। जिला मुख्यालय मंझनपुर ब्लॉक मुख्यालयों एवं नगर पंचायतों में श्री योगी आदित्यनाथ द्वारा मुख्यमंत्री पद तथा श्री केशव प्रसाद मौर्य व श्री ब्रजेश पाठक द्वारा उप मुख्यमंत्री पद की शपथ ग्रहण का सजीव प्रसारण जिले के विभिन्न स्थानों में किया गया भाजपा की उत्तर प्रदेश में दूसरी बार योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में सरकार बनने में शपथ ग्रहण का सजीव प्रसारण देखने को जनता उमड़ पड़ी जिसकी व्यवस्था प्रशासनिक अधिकारियों ने की थी। भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी अन्तर्राष्ट्रीय इकाना क्रिकेट स्टेडियम, लखनऊ में आयोजित शपथ ग्रहण समारोह में योगी आदित्यनाथ के मुख्यमंत्री पद तथा केशव प्रसाद मौर्य एवं ब्रजेश पाठक द्वारा उप मुख्यमंत्री पद सहित अन्य मन्त्रीगणों की शपथ ग्रहण का सजीव प्रसारण जनपद मुख्यालय स्तर पर सम्राट उदयन सभागार सहित जनपद के सभी ब्लॉक मुख्यालयों, नगर पंचायतों में किया गया। सम्राट उदयन सभागार में आयोजित सजीव प्रसारण कार्यक्रम मे जिलाधिकारी सुजीत कुमार, पुलिस अधीक्षक हेमराज मीना, मुख्य विकास अधिकारी शशिकान्त त्रिपाठी सहित अन्य अधिकारीगण एवं गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहें।

सीएम केशव प्रसाद मौर्य के दूसरी बार शपथ लेने पर जश्न मनाते नगर वासी

डीजे गाजा बाजा के साथ समर्थकों ने मनाया जश्न

केशव मौर्य के दोबारा उपमुख्यमंत्री बनाये जाने पर आम जनमानस ने जमकर दागे पटाखे

अझुवा कौशाम्बी। योगी कैबिनेट-2 में केशव प्रसाद मौर्य के दोबारा उपमुख्यमंत्री बनाये जाने पर प्रदेश सहित कौशाम्बी जिले में जमकर जश्न मनाया गया है उस कड़ी में नगर पंचायत अझुवा के वरिष्ठ समाजसेवी ओमप्रकाश कुशवाहा के नेतृत्व में डीजे गाजा बाजा डांस के साथ नगर पंचायत क्षेत्र में जश्न मनाया है उत्साहित समर्थकों ने केशव मौर्य के जोरदार नारे लगाकर एक दूसरे को मिठाई खिलाकर मुंह मीठा कराया है इस दौरान मोनी कुशवाहा उदय केशरवानी बबलू मौर्य ननका स्वर्णकार बबलू वर्मा बड़ेलाल केशरवानी राजुमौर्य राजू केशरवानी सहित सैकड़ों भाजपा कार्यकर्ता पदाधिकारी मौजूद रहे।

जिम्मेदारों की मिलभगत से हरियाली को नेस्तनाबूत कर रहे लकडकट्टे

अखंड भारत संदेश

कैमरे की जद से दूर भागते लकड कट्टे

रात के अंधेरे में पेड़ों को काट कर ले जाता वाहन चालक

अझुवा कौशाम्बी। कोविड 19 महामारी में ऑक्सीजन की कमी से आम जनता तड़प रही थी लेकिन उसके बाद भी हरे भरे पेड़ को काटकर धरा शाही करने में लकड़हारे का साथ वन अधिकारी और उनके सहयोगी दे रहे हैं इससे एक बार फिर यदि ऑक्सीजन की समस्या हुई तो उसका क्या विकल्प होगा इसलिए हरे बड़े पेड़ों को कटान पर पूरी रोक लगाए जाने की जरूरत है वरना धरती पर ऑक्सीजन की कमी के चलते जीना मुश्किल हो जाएगा जिले में प्रति वर्ष लाखों पौधरोपण कराए जाते हैं उत्तर प्रदेश सरकार मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर्यावरण वृक्षारोपण अभियान को तेजी से बढ़ावा दे रहे हैं और पेड़ों को लगाने का आदेश समस्त प्रदेश के अधिकारी गणों को दे रहे है मगर सैनी कोतवाली क्षेत्र के अंतर्गत वन अधिकारी पेड़ों को लगाने की जगह हरे भरे पेड़ों को नष्ट करवाने में जुटे हुए हैं क्षेत्र में लकड़ी माफियाओं का बोलबाला है वन विभाग और क्षेत्रीय पुलिस की मिलीभगत से खुलेआम दिन के उजाले में हरे भरे पेड़ों को नष्ट किया जा रहा है कैमरे की नजर न पड़ने पाए उसके लिए रात में लकड़ी लदान किया जाता है।

कार्यकताओं के साथ अभद्रता करने वाले लोगों की तैयार हो रही सूची

चुनाव प्रचार के दौरान डिप्टी सीएम के समर्थकों के साथ अभद्रता करने वालों के उड़े होश

कौशांबी। उत्तर प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी की योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में दूसरी बार सरकार बन गई है भाजपा की सरकार में केशव प्रसाद मौर्य दूसरी बार डिप्टी सीएम बनाए गए हैं डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य सिराथू विधानसभा से भाजपा के प्रत्याशी थे जिस पर विरोधी खेमे के लोगों ने उनके समर्थकों के चुनाव प्रचार के दौरान अभद्रता करने का बार-बार प्रयास किया था चुनाव प्रचार के दौरान डिप्टी सीएम ने बड़ी शालीनता का परिचय देते हुए कार्यकताओं को शांत रहने की नसीहत देते रहे लेकिन जैसे ही उत्तर प्रदेश सरकार में दूसरी बार केशव प्रसाद मौर्य ने डिप्टी सीएम के पद पर शपथ ली है भाजपा कार्यकताओं में जोश भर गया है और प्रचार के दौरान भाजपा कार्यकताओं के साथ अभद्रता करने का प्रयास करने वाले लोगों की सूची तैयार हो रही है और जल्द ही अभद्रता करने वाले लोगों पर कठोर कार्रवाई हो सकती है जिससे अभद्रता करने वाले लोगों में बेचैनी बढ़ती दिख रही है।

जनपद के सम्पूर्ण सीमा क्षेत्र में 13 अप्रैल तक धारा-144 लागू

अखंड भारत संदेश

कौशाम्बी। जिला मजिस्ट्रेट सुजीत कुमार ने कहां की शान्ति-व्यवस्था की दृष्टि से जिला अत्यन्त संवेदनशील है वर्तमान समय में कोविड-19 के नये वेरियन्ट (ओमिक्रोन) के संक्रमण की रोकथाम एवं बचाव के दृष्टिगत गृह मंत्रालय भारत सरकार एवं राज्य सरकार द्वारा जारी गाइडलाइन्स का पालन कराते हुए 24 मार्च 2022 से 12 अप्रैल 2022 तक आयोजित होने वाली वर्ष-2022 की हाईस्कूल एवं इण्टरमीडिएट तथा प्राविधिक शिक्षा परिषद उत्तर प्रदेश आदि परीक्षाओं को सकुशल, नकलविहीन एवं सुचितापूर्ण वातावरण में सम्पन्न कराया जाना है ऐसी स्थिति में जनपद के समस्त सीमा क्षेत्र में विधि व्यवस्था एवं लोक परिशान्ति सहित लोक व्यवस्था, जनसुरक्षा कायम करने के उद्देश्य से द0प्र0सं0 1973 की धारा-144 के अधीन कार्यवाही करने के लियें पर्याप्त एवं समुचित विधिक आधार विद्यमान है तथा विधि व्यवस्था एवं परिशान्ति तथा लोक व्यवस्था एवं जन सुरक्षा को कायम करने के लिए जनहित में उक्त परिस्थितियों का तत्काल विधिक निवारण वांछनीय एवं अपरिहार्य हो गया है। यह आदेश जनहित में तत्काल पारित किया जाना आवश्यक है और समय की कमी के कारण सभी पक्षों को सुना जाना अथवा सभी व्यक्तियों पर व्यक्तिगत तामीला सम्भव नहीं है। यह आदेश एक पक्षीय रूप में पारित किया जा रहा है जिला मजिस्ट्रेट ने दण्ड प्रक्रिया संहिता-1973 की धारा-144 के अन्तर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए जन जीवन एवं लोक सम्पत्ति की हानि, हिंसा, बल्बा आदि के नियंत्रण निवारण एवं जनपद के सम्पूर्ण सीमा क्षेत्र में विधि व्यवस्था एवं लोक परिशान्ति सहित लोक व्यवस्था व जन सुरक्षा कायम करने तथा कोविड-19 (कोरोना वायरस) के नये वेरियन्ट (ओमिक्रोन) संक्रमण के फैलने से रोकने एवं बचाव के उद्देश्य से निषेधाज्ञा जारी किया है। जिला मजिस्ट्रेट ने बताया कि सामान्य परिस्थितियों को छोड़कर जनपद के सीमा क्षेत्र में किसी भी स्थल पर 05 या 05 से अधिक व्यक्ति व्यक्तियों का समूह जिनके क्रिया-कलापों से लोक/शान्ति व्यवस्था एवं जन सुरक्षा प्रभावित हो, एकत्रित नहीं होंगे परन्तु यह प्रतिबन्ध शव-यात्रा, बारात या विवाह आदि समारोह पर लागू नहीं होगा। कोई भी व्यक्ति अपने पास लाठी, डण्डा, बॉस बल्लम या किसी प्रकार का अस्त्र-शस्त्र तथा आग्नेयास्त्र (फायर आर्म्स) धारदार हथियार या कुंद वस्तुएं, जिन्हें फेंककर प्रहार किया जा सकता है, को लेकर न चलेगा और न ही एकत्रित करेगा। यह प्रतिबन्ध ड्यूटी पर तैनात पुलिस, पी0ए0सी0, पी0आर0डी0 एवं होमगार्डस तथा सरकारी कर्मचारियों, रोगियों, अपंग व्यक्तियों पर जो सहारें के लिए लाठी, डण्डा का प्रयोग करते हैं, लागू नहीं होगा। किसी भी व्यक्ति समुदाय या संगठन द्वारा जन समुदाय को एकट्ठा करने का प्रयास नहीं किया जायेगा। जनपद में किसी भी व्यक्ति/संस्था/संगठन द्वारा प्रेसवार्ता या अन्य किसी कार्यक्रम के माध्यम से साम्प्रदायिक सद्भाव व सामाजिक सामंजस्य को बिगाड़ने का प्रयास नहीं किया जायेगा। किसी भी सार्वजनिक स्थान पर कोई भी व्यक्ति ऐसे व्यक्तियों के समूह के साथ सम्मिलित नहीं होगा, जिसका उद्देश्य किसी विधि विरूद्ध गतिविधि में भाग लेना हो। कोई भी व्यक्ति या व्यक्तियों का समूह किसी को न तो जबरिया दबाव डालकर दुकान, कार्यालय, व्यवसाय-स्थल, परिवहन, रेल यातायात बन्द कराने के लिए बाध्य करेगा और न स्वयं बन्द कराने का प्रयास करेगा। कोई भी व्यक्ति या व्यक्तियों का समूह जिले में मौखिक अथवा सोशल मीडिया के माध्यम से कोई अफवाह नहीं फैलायेगा और न ही कोई मिथ्या प्रचार करेगा और न किसी प्रकार की उत्तेजनात्मक पर्चे, हैण्डबिल, पम्पलेट मुद्रित करायेगा और न ही उसका वितरण करायेगा या करेगा।

डीएम एसपी और अदालत का आदेश ठेंगे पर चौकी इंचार्ज ने बनाया अपना कानून

अखंड भारत संदेश

मुकदमा वादी की हो चुकी हत्या 8 वर्ष बाद भी कोखराज पुलिस नहीं कर सकी हत्यारों को गिरफ्तार, अदालत से मुकदमा हारने वालों के समर्थन में पार्टी बंदी करके खुल कर खड़े हैं टेडीमोड चौकी इंचार्ज, चौकी इंचार्ज के तानाशाही को डीएम एसपी संज्ञान लेकर चौकी इंचार्ज को निलंबित करते हुए क्या अदालत के आदेश

कौशांबी। योगी सरकार में कानून व्यवस्था पूरी तरह से पटरी पर उतर कर चुकी है थाना पुलिस चौकी पुलिस के जवान कानून नियम का पालन करने के बजाय अपने तानाशाही के कानून पर पूरी व्यवस्था चलाना चाहते हैं जिससे आम जनता परेशान और प्रताड़ित हो रही है पीड़ितों द्वारा बार-बार आला अधिकारियों से शिकायत के बाद भी थाना पुलिस के कारनामों में परिवर्तन होता नहीं दिख रहा है आखिर कब तक थाना चौकी पुलिस अपने काले कानून पर निर्दोष आम जनता का उत्पीड़न करती रहेगी यह पुलिस व्यवस्था पर बड़ा सवाल है ताजा मामला कोखराज थाना क्षेत्र के टेढ़ी मोड़ चौकी इंचार्ज के कारनामे का है।

जानकारी के मुताबिक टेडी मोड़ पुलिस चौकी अंतर्गत शहजाद पुर निवासी रामबाबू वर्मा की भूमि पर कुछ दबंगों ने अपना बताकर विवाद खड़ा किया था मामला अदालत की चौखट पर पहुंचा न्यायालय अपर सिविल जज कनिष्ठ श्रेणी इलाहाबाद में मुकदमे की सुनवाई करते हुए मूल वाद संख्या 1477 सन 1993 के फैसले में रामबाबू की भूमि मानते हुए रामबाबू के पक्ष में अदालत ने 24 अप्रैल 2011 को फैसला सुनाते हुए रामबाबू को जमीन का मालिक माना दूसरे पक्ष के अच्छे अहमद मुन्नू अहमद इमरान अहमद ईसान उर्फ शहजादे अहमद आदि को रामबाबू की संपत्ति से बेदखल करने का निर्देश अदालत ने दिया इस मुकदमे के विरुद्ध जनपद न्यायाधीश की अदालत में मुकदमा वाद संख्या सिविल अपील 99 सन 2011 अच्छे अहमद बनाम रामबाबू वर्मा दाखिल की गई।

जमीन का मुकदमा अदालत में विचाराधीन था इसी बीच रामबाबू की हत्या कर दी गई जिसका मुकदमा भी कोखराज थाने में दर्ज है रामबाबू की हत्या के मुकदमे में 8 वर्ष बाद भी हत्यारों तक कोखराज थाना पुलिस के हाथ नहीं पहुंच सके हैं रामबाबू की हत्या के बाद इस जमीन पर उनके बेटे रमेश चंद्र वर्मा ने अदालत से मुकदमा में जीत दर्ज की मुकदमे में जीत दर्ज किए जाने के बाद रामबाबू के बेटे अपनी जमीन पर निर्माण करा रहे हैं जिस पर टेडीमोड चौकी इंचार्ज ने व्यवधान डालना शुरू कर दिया टेढ़ी मोड़ चौकी इंचार्ज का कहना है कि रामबाबू ने मुकदमा जीता है लेकिन अदालत से निर्माण का आदेश नहीं है बेवजह रमेश चंद्र को चौकी पुलिस कई दिनों से परेशान कर रही है आरोप है कि जमीन पर विवाद उत्पन्न करने वाले लोगों को अदालत से हार मिलने के बाद चौकी इंचार्ज ने उन्हें शरण देने का बड़ा ठेका ले लिया है करोड़ों की इस जमीन पर जिन्हें अदालत ने बेदखल कर दिया है अब चौकी इंचार्ज टेडीमोड उन्हें कब्जा कराने की जिम्मेदारी ले रहे हैं जिससे रमेश चंद्र वर्मा अपनी जमीन पर निर्माण करने में परेशान हैं 3 दिन से लगातार चौकी इंचार्ज और उनके सिपाही मौके पर पहुंचकर रमेश चंद्र वर्मा से अभद्रता गाली गलौज कर निर्माण रोकने का हुक्म दे रहे हैं अब सवाल उठता है कि क्या चौकी इंचार्ज अदालत के फैसले से ऊपर हैं भारतीय संविधान के अनुच्छेद के मुताबिक अदालत के फैसले का पालन कराने की जिम्मेदारी जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक की है लेकिन अदालत के आदेश का पालन अभी तक नहीं हो रहा है बल्कि अदालत के स्पष्ट आदेश के बाद भी चौकी इंचार्ज टेडीमोड व्यवधान डालने में सफल हो रहे हैं मामले को लेकर पीड़ित परिजनों ने जिला अधिकारी से भी शिकायत की है लेकिन फिर भी चौकी इंचार्ज की तानाशाही कम नहीं हुई है क्या चौकी इंचार्ज के इस तानाशाही में डीएम एसपी संज्ञान लेकर चौकी इंचार्ज को निलंबित करते हुए अदालत के आदेश का पालन कराएंगे या कौशांबी जनपद में सब कुछ पुलिसिया तानाशाही चलता रहेगा और आम जनता प्रताड़ित होती रहेगी इस बात का उत्तर आम जनता योगी सरकार से चाहती है।

हत्यारों को लाभ देने के लिए पुलिस ने मृतक परिजनों पर दर्ज कर लिया मुकदमा

अखंड भारत संदेश

18 मार्च को सैनी कोतवाली क्षेत्र के त्रिलोकपुर में युवक पर प्राणघातक हमला के बाद मौत के मामले में पुलिस ने नहीं दर्ज किया मुकदमा

कौशाम्बी। योगी की पुलिस का भी खेल निराला है अपराधियों को संरक्षण देना और निदोर्षों पर उत्पीड़न करना पुलिस की दिनचर्या बनती जा रही है आला अधिकारी भी मूकदर्शक बनकर निदेर्शों के उत्पीड़न में मौन स्वीकृति थाना पुलिस को दे रहे हैं जिससे थाना पुलिस बेलगाम है सराय अकिल थाना क्षेत्र के भखन्दा गांव में युवक के हत्यारों का संरक्षण देने का मामला अभी ठंडा नहीं पड़ा कि सैनी कोतवाली पुलिस के हत्यारों को संरक्षण देने का मामला तूल पकड़ता जा रहा है लेकिन घटना को 7 दिन बीत जाने के बाद भी हत्यारों के संरक्षण देने वाले सैनी पुलिस पर आला अधिकारियों ने कार्यवाही नहीं की है जिससे आला अधिकारियों की मंशा पर भी सवाल उठना लाजमी है। घटनाक्रम में बताते चलें कि सैनी कोतवाली क्षेत्र के त्रिलोकपुर गांव निवासी राकेश कुमार पुत्र सोहनलाल पर 18 मार्च को लाठी डंडे से बेरहमी से हमला किया था घायल राकेश को इलाज के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया राकेश की गंभीर हालत देखते हुए डाक्टरों ने उसे इलाहाबाद रेफर कर दिया इलाज के दौरान राकेश कुमार की मौत हो गई हत्या की घटना को 7 दिन बीत जाने के बाद भी राकेश कुमार की हत्या करने वालों पर पुलिस को मुकदमा दर्ज करने की फुर्सत नहीं मिली है राकेश पर हमला करने वालों की गिरफ्तारी करने का प्रयास भी पुलिस ने नहीं किया है बल्कि मृतक राकेश कुमार के परिजनों पर ही हमलावरों की तहरीर पर पुलिस ने गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है जिससे राकेश पर हमला करने वाले लोगों को अदालत से लाभ मिलेगा पुलिस ने हमलावरों को बचाने की पूरी रणनीति बना ली है आखिर कब तक अपराधियों को थाना पुलिस संरक्षण देती रहेगी यह पुलिसिया व्यवस्था पर बड़ा सवाल है मामले को लेकर मृतक के पिता सोहन लाल पुत्र हनुमान प्रसाद पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचे हैं और शिकायती पत्र देकर सैनी कोतवाल की करतूत को बताते हुए सैनी कोतवाल को निलंबित किए जाने की मांग के साथ-साथ फर्जी मुकदमे को समाप्त करने और हत्यारों पर मुकदमा दर्ज करने की मांग की है।

संविदा कर्मी के सह पर लग रही है बिधुत कटिया

अखंड भारत संदेश

सरकार को लाखों का हो रहा है नुकसान विद्युत अधिकारी बेखबर

कौशाम्बी। विजली विभाग में विद्युत चोरी का खेल धड़ल्ले से हो रहा है उच्च अधिकारी एक्शन नहीं ले रहे हैं जिसके कारण सरकार को महीने का लाखों का नुकसान हो रहा है संविदा कर्मी द्वारा तरीके से विद्युत चोरी कराए जाने के मामले में शिकायत के बाद भी विद्युत अधिकारियों द्वारा एक्शन न लिए जाने से विद्युत अधिकारियों की भी संलिप्तता से इंकार नहीं किया जा सकता है ताजा मामला चायल तहसील के पेरवा पावर हाउस का है। चायल तहसील के पेरवा पावर हाउस में काफी दिनों से कार्यरत एक संविदा कर्मी कि विभाग में जड़े मजबूत हो गई हैं लंबे समय से तैनात यह संविदा कर्मी विद्युत चोरों से गलबहियां डाले घूमता है विद्युत चोरी में लिप्त लोगों से अवैध वसूली में यह कर्मी मशगूल है जिसके सह पर बेखौफ तरीके से कटिया मारी हो रही है इसकी शिकायत उच्च अधिकारियों से कनेक्शन धारकों ने कई बार किया है लेकिन संविदा कर्मी काफी दिनों से पावर हाउस में तैनात है जिसके कारण उच्च अधिकारी भी ऐक्शन नही ले रहे है अवैध कटिया के सहारे विद्युत चोरी की शिकायत अधिकारियों से किए जाने के बाद संविदा कर्मी कनेक्शन धारकों से भी अभद्र भाषा मे पेश आता है अवैध तरीके से विद्युत चोरी करने वालों पर विभाग के अधिकारी मेहरबानी बनाए हैं और शिकायतकर्ताओ के ऊपर झूठे मुकदमे दर्ज करा कर विद्युत अधिकारी वाहवाही लूट रहे हैं भ्रष्ट विद्युत अधिकारियों पर भी कठोर कार्यवाही किए जाने की अब जरूरत महसूस हो रही है।

धारूपुर पंचायत भवन में टाइल्स लगाने की रकम डकार गए पंचायत सचिव

अखंड भारत संदेश

कौशांबी। नेवादा विकासखंड के बरोलहा ग्राम पंचायत में पंचायत सचिव के सरकारी रकम में धांधली किए जाने के बाद उनका निलंबन और मुकदमा दर्ज कराए जाने का मामला अभी ठंडा नहीं पड़ा है कि इसी विकासखंड नेवादा में धारूपुर ग्राम पंचायत के पंचायत भवन के सौंदर्यीकरण के नाम पर टाइल्स लगाए जाने के नाम पर सरकारी खजाने से रकम निकालकर गवन किए जाने की चर्चा तेजी से होने लगी है ग्रामीणों का कहना है कि धारूपुर पंचायत सचिव ने टाइल्स लगाने के नाम पर निकाली गई रकम सहित विभिन्न योजनाओं में सरकारी रकम निकालकर बड़ी धांधली और गबन कर ली है लेकिन धारूपुर ग्राम पंचायत में टाइल्स नहीं लगाया जा सका है मामले की पूर्व में कई बार शिकायतें भी हो चुके हैं लेकिन उपरोक्त पंचायत सचिव डीपीआरओ कार्यालय का चहेता बताया जाता है जिससे चहेते पंचायत सचिव के भ्रष्टाचार और गबन पर कार्यवाही होती नहीं दिख रही है मुख्य विकास अधिकारी और जिला पंचायत राज अधिकारी ने बरोलहा ग्राम पंचायत के सरकारी रकम में धांधली गबन के आरोप में मुकदमा लिखा कर बेहतर कार्य करने का संदेश दिया है अब क्या इसी नेवादा विकासखंड के धारूपुर ग्राम पंचायत में धांधली के मामले को गंभीरता से लेकर पंचायत सचिव पर मुकदमा दर्ज कराते हुए उसे निलंबित करेंगे या फिर अन्य चहेते पंचायत सचिव के भ्रष्टाचार फलते फूलते रहेंगे यह योगी सरकार की व्यवस्था पर बड़ा सवाल है।

न्यूज झरोखा

लेखपाल कानूनगो के कारनामे से परेशान पीड़िता ने लगाई डीएम से गुहार

कौशाम्बी। जहाँ एक ओर उत्तर प्रदेश सरकार के मुखिया भूमि को लेकर तरह तरह के कानून बना रहे है ताकि उनकी जनता को किसी प्रकार की कोई दिक्कत न हो सके वही दूसरी ओर खुद उनके ही कर्मचारी भ्रस्टाचार को बढ़ावा देने में कोई कसर नही छोड़ रहे है।जिससे किसान मजदूर बेवजह परेशान हो रहे है। मामला करारी थाना क्षेत्र के ग्राम फरीदपुर सवरो का है।जहाँ मंकु पत्नी सुनील कुमार ने जिलाधिकारी को शिकायती पत्र देते हुए आरोप लगाया कि उसने आराजी संख्या 585 रकबा 0.160 है0 में से 24/77 फिट जमीन को जरिये बैनामा क्रय किया है।जिसपर लगभग आधा मकान बन चुका है।विपक्षी जबरन ब्यवधान उत्पन्न कर रही है मंकु देवी ने उपजिलाधिकारी मंझनपुर में हदबन्दी के लिये मुकदमा दाखिल किया ।दस माह बीतने के बाद भी जिम्मेदारों द्वारा कोई कार्यवाही नही किया गया उक्त प्रकरण में हल्का लेखपाल व कानूनगो द्वारा विपक्षी से साठ गाठ कर रिपोर्ट लगा दिया गया कि हदबन्दी कर ली गई है।खेल खेलते हुए दोनों ने 585 के स्थान पर आराजी संख्या 586 का रिपोर्ट लगाकर अधिकारियों को गुमराह किया प्रकरण को संज्ञान में लेते हुए जिलाधिकारी ने तहसीलदार मंझनपुर को जाँच के आदेश दिया है।

पंचायत सचिव अखिलेश कुमार पर सरकारी रकम गवन करने का मुकदमा दर्ज

कौशाम्बी। नेवादा विकास खण्ड के ग्राम पंचायत सचिव बरौलहा अखिलेश सोनी के भ्रष्टाचार की जांच के बाद सरकारी रकम में गबन पाए जाने पर सहायक ग्राम विकास अधिकारी नेवादा ने चरवा थाने में गबन की धाराओं में मुकदमा दर्ज करा दिया है पंचायत सचिव अखिलेश सोनी के ऊपर चरवा थाने में मुकदमा दर्ज होते ही पंचायत विभाग में हड़कंप मच गया है ग्राम पंचायत सचिव को 2 दिन पहले ही जिला पंचायत राज अधिकारी ने निलंबित किए जाने का आदेश जारी कर दिया है ग्राम पंचायत सचिव पर जनरेटर खरीद सहित विभिन्न योजनाओं में सरकारी रकम निकालकर गबन किए जाने के आरोप की पुष्टि जांच अधिकारी ने की है।

मौरंग के साथ अभियुक्त गिरफ्तार

कौशाम्बी। थाना पिपरी पुलिस बल द्वारा अभियुक्त अतुल सिंह पुत्र अतू सिंह पुत्र वकील सिंह निवासी उमरवल थाना पिपरी को चोरी की बालू/मौरंग को ट्रैक्टर-ट्राली पर ले जाते हुये उमरवल घाट से गिरफ्तार कर गिरफ्तारी व बरामदगी के सम्बन्ध थाना स्थानीय पर उत्तर प्रदेश खनिज परिहार नियमावली 1963 व 4/21 खान एवं खनिज अधिनियम 1957 पंजीकृत कर विधिक कार्यवाही के पश्चात अभियुक्त को न्यायालय भेज दिया है।

कोरोना के दृष्टिगत की गई कार्यवाही

कौशाम्बी। जनपद मे लाकडाउन के दृष्टिगत सरकार द्वारा निर्गत निदेर्शों के अनुपालन के क्रम में पुलिस अधीक्षक के निदेर्शानुसार जनपद स्तर पर विभिन्न थानों द्वारा अनावश्यक रूप से बाहर घूमने मास्क न लगाने एवं सोशल डिस्टेसिंग का पालन न करने वालों के विरुद्ध सघन चेकिंग की गई एंव चेकिंग के दौरान दो पहिया व चार पहिया वाहनों को चेक किया गया, जिनमें 90 वाहनों का ई चालान किया गया एवं 02 वाहनों का चालान कर 1500 रुपए सम्मन शुल्क वसूला गया साथ ही बिना मास्क लगाये घूमने एव सरकार द्वारा जारी गाइड लाइन का उल्लंघन करने वालो के विरुद्ध कार्यवाही करते हुये 01 व्यक्ति से 100 रुपये जुमार्ना वसूला गया।

वांछित अभियुक्त गिरफ्तार

कौशाम्बी। थाना सैनी पुलिस बल द्वारा वांछित अभियुक्त सजय कुमार पुत्र दिनई निवासी चक सैनी थाना सैनी को सैनी बस स्टैण्ड से चोरी की एक जोड़ी पायल व एक जोड़ी बिछिया के साथ गिरफ्तार कर विधिक कार्यवाही के पश्चात अभियुक्त को न्यायालय भेज दिया है।

वारटी अभियुक्त गिरफ्तार

कौशाम्बी। थाना सराय अकील बल द्वारा वारण्टी अभियुक्त राम आसरे पुत्र भुग्गा निवासी इच्छना थाना सराय अकिल को गिरफ्तार कर विधिक कार्यवाही के पश्चात अभियुक्त को न्यायालय भेज दिया है।

संपादकीय

भारत के समक्ष नई चुनौतियां

भारत की विदेश नीति से सीधा संबंध रखने वाली कई घटनाएं इधर एक साथ हो गई हैं और हो रही हैं। चीन के विदेश मंत्री वांग यी भारत पहुंच चुके हैं। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में रूस ने यूक्रेन की मदद के लिए जो प्रस्ताव रखा है, उसका समर्थन सिर्फ चीन ने किया है। भारत उसमें भी तटस्थ रहा है। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन यूरोप पहुंच चुके हैं। यूरोपीय राष्ट्रों के नई दिल्ली स्थित राजदूतों ने रूस के विरोध में एक संयुक्त लेख छपवाया है। यह काम वे पहले ही इस्लामाबाद में भी कर चुके हैं। जी-7 देशों के समूह ने रूस पर कुछ नए प्रतिबंध थोप दिए हैं। हमारे विदेश मंत्री जयशंकर ने संसद में भारत की यूक्रेन-नीति की व्याख्या करते हुए कई तर्क पेश किए हैं। यूक्रेनी राष्ट्रपति झेलेंस्की ने नाटो की सदस्यता की बात तो छोड़ दी है लेकिन यूरोपीय संघ की सदस्यता की मांग जोरों से की है। एक माह-बीत गया लेकिन रूस-यूक्रेन युद्ध रुकने का नाम नहीं ले रहा है। यूक्रेनी लोग बड़ी बहादुरी से लड़ रहे हैं। यूक्रेन के कई शहर ध्वस्त हो गए हैं और लगभग 80 लाख लोग देश छोड़कर बाहर भाग गए हैं। उधर, रूस के भी 15-20 हजार सैनिकों के मारे जाने और हवाई जहाजों के नष्ट होने की खबरें हैं। परमाणु-युद्ध की धमकियां भी यूरोप पर मंडरा रही हैं लेकिन झेलेंस्की के निवेदन के बावजूद व्लादिमीर पुतिन बात करने को तैयार नहीं हैं। इस समय यह समझना मुश्किल हो रहा है कि यह युद्ध कैसे खत्म होगा? यह भी थोड़ा आश्चर्यजनक है कि झेलेंस्की अभी तक सुरक्षित कैसे हैं? हो सकता है कि पुतिन उन्हें जिंदा ही पकड़ना चाहते हों। वरना, रूस के पास ऐसे फौजी शस्त्रास्त्र पर्याप्त मात्रा में है, जिनसे वे झेलेंस्की के ठिकाने पर हमला बोल सकें। रूस ने सुरक्षा परिषद में यूक्रेन को सहायता पहुंचाने का जो प्रस्ताव रखा है, उससे बड़ा क्रूर मजाक क्या हो सकता है? यदि रूस हमला नहीं करता या अब भी उसे बंद कर दे तो यह अपने आप में उसकी बड़ी कृपा होगी। रूस ने यूक्रेन को इतना गहरा धक्का पहुंचाया है, जितना उसे द्वितीय महायुद्ध में भी नहीं पहुंचा था। रूस ने सारी दुनिया में जबर्दस्त बदनामी मोल ले ली है। भारत को अब सोचना पड़ेगा कि वह रूस का समर्थन कब तक करता रहेगा? चीन ने रूसी मदद के ताजा प्रस्ताव का समर्थन करके रूस के इस्पाती मित्र और संरक्षक का दर्जा तो हासिल कर लिया है लेकिन यूक्रेन के सवाल पर उसने सिद्ध कर दिया है कि वह भारत की तरह तटस्थ और निष्पक्ष नहीं है। यूक्रेन के सवाल पर भारत और चीन के रवैयों में तो फर्क साफ दिखाई पड़ ही रहा है, लेकिन इस्लामाबाद में वांग यी ने कश्मीर पर पाकिस्तान-समर्थक बयान देकर अपनी भारत-यात्रा को बेस्वाद कर दिया है। उनका और रूसी प्रतिनिधि का अचानक काबुल जाना यह बताता है कि वे अब अफगानिस्तान को भी पाकिस्तान की तरह अपना मोहरा बनाना चाहते हैं। ये सब घटनाएं भारतीय विदेश मंत्रालय को अपनी अब तक नीतियों पर पुनर्विचार के लिए मजबूर करेंगी।

आर्थिक मॉडल विकसित करने पर संघ का बल

ललित गर्ग

> "जहां तक हो सके अपने आप अपना काम करने और अपनी मौलिक आवश्यकताओं की पूर्ति करने का प्रयास करने से शरीर को सुख मिलता है, मन को प्रसन्नता होती है और आत्मा को स्वावलम्ब का अमृत रसास्वादन के लिए मिलता है। स्वावलम्ब के बल पर जीने वाला सबसे सुखी होता है। उसके लिए दूसरों पर निर्भर रहना नहीं पड़ता है। इसी बात को राष्ट्र कवि मैथिलीशरण गुप्त ने बड़े सरल शब्दों में कहा था-स्वावलंब की एक झलक पर, न्यौछावर कुबेर का कोष। यदि सुखमय जीवन के इस सहज मार्ग को सब लोग अपनाते हैं तो सामाजिक जनजीवन स्नेह, सौहार्द और समरसता से चल पाता है, अन्यथा बिना प्रयास, श्रम और साधना के अनर्जित सुख प्राप्त करने की या दूसरों की कमाई पर जीने या दूसरों की संपत्ति हड़प कर आसुरी आनंद पाने की प्रवत्ति बढ़ जाती है"

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सर संघचालक श्री मोहन भागवत ने कर्णावती के अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा की 11-13 मार्च 2022 की बैठक में देश में एक ऐसा आर्थिक मॉडल विकसित करने हेतु आग्रह किया है जिसके अंतर्गत मजबूत ग्रामीण अर्थव्यवस्था के साथ-साथ रोजगार के अधिक अवसर निर्मित हो सके। जिससे कुटीर एवं लघु उद्योगों का ग्रामीण इलाकों में विस्तार किया जा सके। संघ के ये स्वावलम्बी एवं आत्मनिर्भर अर्थतंत्र के ये विचार, दर्शन, कार्यक्रम एवं इतिहास प्रारंभ से ही सशक्त एवं सुदृढ़ राष्ट्र-निर्माण का आधार रहे हैं। संघ का भारत की आजादी एवं इसके नवनिर्माण में अभूतपूर्व योगदान रहा है और अब भारत को समग्र दृष्टि से विकसित करने के लिये संघ प्रयासरत है, जो एक सुखद आश्चर्य का विषय है, जिस पर समग्र राष्ट्र को बिना किसी आग्रह, पूर्वाग्रह एवं दुराग्रह के आगे बढ़ना चाहिए। संघ का स्पष्ट मतव्य है कि मानव केंद्रित, पर्यावरण के अनुकूल, श्रम प्रधान तथा विकेंद्रीकरण एवं लाभांश का न्यायसंगत वितरण करने वाले भारतीय आर्थिक मॉडल को विकसित किया जाना चाहिए, ताकि ग्रामीण अर्थव्यवस्था, सूक्ष्म उद्योग, लघु उद्योग और कृषि आधारित उद्योगों को विकसित करते हुए भारत की अर्थव्यवस्था को आत्मनिर्भर एवं स्वावलम्बी बनाया जा सके। ग्रामीण रोजगार, असंगठित क्षेत्र एवं महिलाओं के रोजगार और अर्थव्यवस्था में उनकी समग्र भागीदारी जैसे क्षेत्रों को बढ़ावा देना संघ के इस आर्थिक सोच का उद्देश्य है। संघ चाहता है कि देश की सामाजिक परिस्थितियों के अनुरूप नई तकनीकी तथा कौशल विकास को अंगीकार करके आर्थिक क्षेत्र में नये उजाले किये जाए। संघ का नया आर्थिक मॉडल माध्यम है एक सशक्त भारत के निर्माण को प्रभावी प्रस्तुति देने का। यह एक दस्तक है, एक आह्वान है जिससे न केवल सशक्त भारत का निर्माण होगा, बल्कि इस अनूठे काम में लगे संघ और उसके आर्थिक मॉडल से भारत के असंख्य युवाओं की आर्थिक समस्याओं एवं बेरोजगारी की समस्या से मुक्ति मिल सकेगी। बदलती आर्थिक तथा तकनीकी परिदृश्य की वैश्विक चुनौतियों का सामना करने के लिए भी हम सभी को मिलकर सामाजिक स्तर पर नवोन्मेषी पद्धतियां ढूंढने की आवश्यकता है। उभरती डिजिटल अर्थव्यवस्था एवं निर्यात की संभावनाओं से उत्पन्न रोजगार और उद्यमिता के अवसरों का गहन अन्वेषण भी किया जाना चाहिए। इन्हीं सब जरूरतों को ध्यान में रखते हुए संघ ने नये आर्थिक मॉडल पर गहन चिन्तन-मंथन किया है।

भारत को सशक्त राष्ट्र बनाने, भारतीय संस्कृति को समृद्ध एवं शक्तिशाली बनाने के लक्ष्य के साथ 27 सितंबर 1925 को विजयदशमी के दिन संघ की स्थापना की गई थी। 2025 में यह संगठन 100 साल का हो जाएगा। नागपुर के अखाड़ों से तैयार हुआ संघ मौजूदा समय में विराट रूप ले चुका है। इसके इसी विराट स्वरूप का एक चरण है उसका स्वतंत्र आर्थिक चिन्तन एवं मॉडल। इसमें राष्ट्रीयता एवं भारतीयता की शुभता की आहट सुनाई देती है। संघ के प्रति लोगों की सोच बदलनी चाहिए क्योंकि इसकी सच्चाइयों एवं वास्तविकताओं को अब तक बिना जाने-समझे एवं तथाकथित पूर्वाग्रहों-दुराग्रहों के चलते एक खास खांचे में फिट करके देखते रहे हैं। एक सामाजिक-सांस्कृतिक-राष्ट्रीय संगठन के रूप में संघ देश और शायद दुनिया का सबसे विशाल संगठन है। जिसने हमेशा नई लकीरें खींची हैं, एक नई सुबह का अहसास कराया हैं। संघ शोषण और स्वार्थ रहित समाज चाहता है। संघ ऐसा समाज चाहता है जिसमें सभी लोग समान हों। समाज में कोई भेदभाव न हो। दूसरों के अस्तित्व के प्रति संवेदनशीलता आदर्श जीवनशैली का आधार तत्व है और संघ इसे प्रश्रय देता है। इसके बिना अखण्ड राष्ट्रीयता एवं समतामूलक समाज की स्थापना संभव ही नहीं है। जब तक व्यक्ति अपने अस्तित्व की तरह दूसरे के अस्तित्व को अपनी सहमति नहीं देगा, तब तक वह उसके प्रति संवेदनशील नहीं बन पाएगा। जिस देश और संस्कृति में संवेदनशीलता का स्त्रोत सूख जाता है, वहाँ मानवीय रिश्तों में लिजलिजापन आने लगता है।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ एक विचारधारा है, एक संस्कृति है, एक आन्दोलन है, एक मिशन है, इसलिये उसके बेरोजगारी दूर करने एवं स्वावलम्बन के नवीन उद्घोष का राष्ट्र निर्माण में अपूर्व योगदान हो सकता है। बात केवल आजादी में योगदान की ही नहीं है, बल्कि भारत को सशक्त एवं स्वावलम्बन बनाने की भी है। 1925 से 1940 तक स्वतंत्रता आंदोलन का सहयोग करते हुए डॉ. हेडगेवार ने स्वयंसेवक बनाने पर ध्यान दिया, उनका मानना था कि स्वयंसेवक आजादी के सिपाही के रूप में खड़े होंगे और वे हुए भी। 1940 तक संघ का सांगठनिक आधार देश भर में काफी व्यापक हो चुका था, जिसे उनके बाद गुरुजी गोलवलकर ने वैचारिक सुदृढ़ता प्रदान की। अब संघ को विस्तार देते हुए एवं उसकी ताकत को लगातार बढ़ाते हुए मोहन भागवत आर्थिक मजबूती एवं स्वावलम्बन पर सार्थक चिन्तन कर रहे हैं।

संघ को राष्ट्र की चिंता है, उसके अनुरूप उसकी मानसिकता को दशार्ने वाले इस नवीन स्वावलम्बन उद्घोष से निश्चित ही भारत के भविष्य की दिशाएं तय होगी। संघ की दिलचस्पी राजनीति में कम और राष्ट्रनीति में अधिक है। उन्होंने समाज निर्माण को अपना एक मात्र लक्ष्य बताया। संघ का हिंदुत्व सब को जोड़ता है, स्वावलम्बी एवं आत्मनिर्भर बनाता है। संघ एक पद्धति है जो व्यक्ति एवं समाज में आर्थिक संतुलन का निर्माण करती है। प्रत्येक गांव और गली में ऐसे स्वयंसेवक खड़े करना संघ का काम है, जो सबको समान नजर से देखता हो, जो स्वयं आत्मनिर्भर एवं स्वावलम्बी होकर दूसरों को स्वावलम्बी बनाये।

संघ ने अपने प्रस्ताव में भारतीय अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करते हुए समग्र विकास के लक्ष्य को प्राप्त करने हेतु नागरिकों से रोजगार सृजन के भारत केंद्रित मॉडल पर काम करने का आह्वान भी किया है। साथ ही समाज के सभी घटकों का भी आह्वान किया है कि विविध प्रकार के कार्य के अवसरों को बढ़ाते हुए हमारे शाश्वत मूल्यों पर आधारित एक स्वस्थ कार्य-संस्कृति को प्रस्थापित करें, जिससे भारत वैश्विक आर्थिक परिदृश्य पर पुनः अपना उचित स्थान अंकित कर सके। कोरोना महामारी में संघ सहित विभिन्न स्वयंसेवी, समाजसेवी, धार्मिक, औद्योगिक एवं आर्थिक संगठनों ने समाज के गरीब एवं जरूरतमंद वर्ग की मदद करने में आपस में मिलकर कार्य किया था उसी प्रकार अब भारत को स्वावलंबी बनाने के लिए भी इन सभी संगठनों को आगे आकर रोजगार के नये-नये अवसर उपलब्ध कराने की अपेक्षा संघ द्वारा की जा रही है। देश में रोजगार सृजन के अनेक सफल उदाहरण उपलब्ध हैं। इन प्रयासों में स्थानीय विशेषताओं, व्यवसायियों, सूक्ष्म वित्त संस्थानों, स्वयं सहायता समूहों और स्वैच्छिक संगठनों ने मूल्यवर्धित उत्पादों, सहकारिता, स्थानीय उत्पादों के प्रत्यक्ष विपणन और कौशल विकास आदि के क्षेत्रों में प्रयास प्रारंभ किये हैं। इन प्रयासों ने हस्तशिल्प, खाद्य प्रसंस्करण, घरेलू उत्पादों तथा पारिवारिक उद्यमों जैसे व्यवसायों को बढ़ावा दिया है। उन सभी अनुभवों को परस्पर साझा करते हुए जहां आवश्यकता है, वहां उन्हें दोहराने के बारे में विचार किया जा सकता है। इससे समाज में स्वदेशी और स्वावलम्बन की भावना उत्पन्न करने के प्रयासों से उपर्युक्त पहलों को प्रोत्साहन मिलेगा। देखने के लिए आंखें, सुनने के लिए कान, सोचने के लिए मन और काम करने के लिए हाथ-पैर भगवान ने सोच-समझकर बनाए हैं। साथ में भूख, प्यास और भोग-लालसा भी है। इन साधनों का सही और सार्थक प्रयोग करने से प्राणी अपने प्राणों का पालन-पोषण आराम से कर सकता है और दूसरों की सहायता भी कर सकता है, इसी दृष्टि से संघ ने नवीन आर्थिक परिदृश्यों को विकसित करने की आवश्यकता व्यक्त की है।

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत की नीति

संजीव ठाकुर

ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री स्कॉट मॉरीसन और जापान के प्रधानमंत्री फ़्यूमिओ किशिदा ने कहा यूक्रेन के मामले में हर राष्ट्र अपना स्वार्थ देख रहा है तो यदि भारत अपना स्वार्थ देखता है और अपने परंपरागत मित्र का मौन समर्थन कर रहा है तो क्या गलत कर रहा है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कई देश भारत की भूमिका पर तल्ख जरूर हुए हैं और उन्होंने कहा कि जैसा रूस यूक्रेन पर हमला कर अशांति फैला रहा है वैसा ही चीन ताइवान पर हमला करके वैश्विक शांति को खतरा पैदा कर सकता है। चीन पर पहले ही अंतरराष्ट्रीय स्तर पर यह आरोप लगाया जा रहा है कि वह चीनी दक्षिण सागर और जापान के टापू पर अपना अवैध वर्चस्व जमाए हुए है। नरेंद्र मोदी जी के साथ इन दोनों नेताओं ने एक सुर में कहा सभी देशों के स्वतंत्रता और संप्रभुता की रक्षा की जानी चाहिए और हमले की बजाए संवाद के माध्यम से हल निकाला जाना चाहिए। यह निश्चित है कि दोनों देशों के नेताओं ने अन्य देशों के साथ भारत को रूस यूक्रेन युद्ध के दलदल में घसीटना चाहा है पर भारत अपनी विदेश नीति पर अधिक एवं दृढ़ प्रतिज्ञ है। अंतरराष्ट्रीय मंचों पर रूस के खिलाफ अनेक देशों ने प्रतिबंध लगाए हैं पर भारत ने अमेरिका के साथ यूरोप के देशों के इशारे पर रूस के विरुद्ध समर्थन देने से इनकार कर दिया है। भारत को भ्रमित करने के लिए इनकी हरकतों का ढोल भी पीटा गया पर चीन द्वारा गलवान घाटी पर हमले का किसी भी देश में जरा भी जिक्र नहीं किया।। इसका सीधा-सीधा अर्थ यह है कि हर राष्ट्र रूस यूक्रेन युद्ध में अपनी रोटी ही सेक रहा है, साथ ही अपना स्वार्थ ही मद्दे नजर रख अपनी नीति बना रहा है। अमेरिका की आक्रामक नीति एशियन देशों के लिए भारी नुकसानदेह हो सकती है। रूस यूक्रेन युद्ध की पृष्ठभूमि में जाकर देखने पर यह समझ में आता है कि अमेरिका पोषित राज्य यूक्रेन को अमेरिका रूस के विरुद्ध लगातार उसे उकसाता रहा है। रूसी यूक्रेन युद्ध का कोई तात्कालिक कारण नहीं है रूस के मन में युद्ध की खिचड़ी बहुत सालों से पक रही थी, यूक्रेन पूरी तरह अमेरिकी नियंत्रण में संचालित हो रहा है और यूक्रेन पूरी तरह चाहता है कि वह नेटो देश का सदस्य बन जाए और अब तो उसने यूरोपियन यूनियन की सदस्यता के लिए भी बड़ी मजबूत अपील की है। यूक्रेन कि अमेरिका से नजदीकियां रूस को हमेशा खटकती रही, यूक्रेन ने अपने सब परमाणु हथियार अमेरिका तथा सहयोगी देशों के कहने पर नष्ट कर दिए कि वक्त आने पर यही देश उसकी दूसरे देशों से सुरक्षा करेंगे पर अमेरिका सहित नैटो और यूरोपीय देशों ने रूस के विरुद्ध यूक्रेन युद्ध के समय हाथ खड़े कर दिए हैं,केवल धन तथा सामरिक अस्त्र शस्त्र देने पर राजी हुए हैं, रूस, यूक्रेन युद्ध में यदि विश्व युद्ध होता है तो भारत की महावैचारिक दुविधा यह होगी कि इस युद्ध में रूस का साथ दें या अमेरिका समर्थित यूक्रेन का। भारत ने संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा प्रस्तावित रूस को प्रतिबंधित करने के प्रस्ताव की वोटिंग में हिस्सा नहीं लिया। रूस ने इसे अपना समर्थन मानकर भारत की तारीफ भी की थी। भारत ने इस युद्ध में रूस के यूक्रेन पर हमले की आक्रामक निंदा से अपने को बचा कर रखा है।

और यूक्रेन के राजदूत की अपील पर भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से लगभग 40 मिनट विस्तृत चर्चा की जिसमें यूक्रेन में फंसे 20हजारभारतीय छात्रों की देश वापसी एवं युद्ध का शांतिपूर्वक कूटनीतिक बीच का रास्ता निकालने की अपील भी शामिल थी। भारत के संबंध पिछले एक दशक से अमेरिका से बड़े अच्छे तथा व्यवसायिक हो गए हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति बराक ओबामा सरकार के साथ-साथ अब तक डोनाल्ड ट्रंप तथा वर्तमान राष्ट्रपति जो बाइडेन भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के संबंध बड़े दोस्ताना एवं विदेश नीति अत्यंत व्यवसायिक हो गई है। अमेरिका का पुराना ट्रैक रिकॉर्ड भारत के विरुद्ध कभी भी सकारात्मक नहीं रहा है वह पाकिस्तान को सदैव भारत के विरुद्ध भड़काता रहा है और पाकिस्तान को परमाणु शक्ति संपन्न हुई बना दिया है जिसके दम पर पाकिस्तान भारत को समय समय पर आकर दिखाने से नहीं चूकता । दूसरी तरफ हमारे परंपरागत मित्र रूस ने स्वतंत्रता के बाद से ही भारत में भारी निवेश के साथ युद्ध में भी खुलकर समर्थन दिया है। चाहे वह पाकिस्तान के साथ लड़ाई हो या चीन के साथ। रूस ने सामरिक महत्व के अस्त्र-शस्त्र लेने के साथ-साथ भारत का सदैव एक सच्चे मित्र की तरह मनोबल ऊंचा रखा है। ऐसे में भारत किन्हीं भी परिस्थितियों में रूस का साथ छोड़ने की स्थिति में नहीं होगा।अमेरिका वर्तमान में भी यूक्रेन को हमेशा रूस के विरुद्ध युद्ध करने के लिए भड़काता रहा और एन वक्त में उसने अपने हाथ खड़े करके यूक्रेन को अकेला युद्ध में लड़ने के लिए छोड़ दिया है। इसके पूर्व अफगानिस्तान के साथ भी अमेरिका ने कुछ ऐसा ही व्यवहार किया था और तालिबानियों तथा पाकिस्तान की युति के साथ अमेरिकी सैनिक मुंह की खा कर लौटे थे। भारत रूस पर तो भरोसा कर सकता है पर अमेरिका चीन और पाकिस्तान पर किसी भी हालत में भरोसा करने की स्थिति में नहीं है। इसके भौगोलिक कारण भी है भारत रूस के नजदीक एशिया देश का एक प्रमुख स्तंभ है।

विचार

तीर्थंकर का अर्थ होता है-जो तीर्थ की रचना करें

ललित शर्मा

भगवान ऋषभदेव जैन धर्म एवं वर्तमान अवसर्पिणी काल के प्रथम तीर्थंकर हैं। तीर्थंकर का अर्थ होता है-जो तीर्थ की रचना करें। जो संसार सागर यानी जन्म मरण के चक्र से मुक्ति दिलाकर मोक्ष प्रदत्त करें। ऋषभदेव को आदिनाथ भी कहा जाता है। वे भगवान विष्णु के अवतार थे। जन-जन की आस्था के केन्द्र तीर्थंकर प्रभु ऋषभदेव का जन्म चैत्र कृष्ण नवमी को अयोध्या में हुआ। उन्होंने मनुष्य जाति को नया जीवन दर्शन दिया। जीने की शैली सिखलाई। वे जानते थे कि नहीं जानना बुरा नहीं मगर गलत जानना, गलत आचरण करना बुरा है। इसलिए उन्होंने सही और गलत को देखने, समझने, परखने की विवेकी आंख दी जिसे सम्यक दृष्टि कहा जा सकता है। महाराज नाभि के यहां ऋषभ रूपी दिव्य बालक का जन्म हुआ। उसके चरणों में वज्र, अंकुश आदि के चिन्ह जन्म के समय ही दिखाई दिये। बालक के अनुपम सौन्दर्य को जिसने भी देखा वह मोहित हो गया। बालक के जन्म के साथ महाराज नाभि के राज्य में सम्पूर्ण ऐश्वर्य, सुख-शांति एवं वैभवता परिव्याप्त हो गयी। नाभि के राज्य में अतुल ऐश्वर्य को देखकर इन्द्र को ईर्ष्या हुई। उन्होंने इनके राज्य में वर्षा बंद कर दी। भगवान ऋषभदेव ने अपनी योगमाया के प्रभाव से इन्द्र के प्रयत्न को निष्फल कर दिया। इन्द्र ने अपनी भूल के लिए क्षमा माँगी। ऋषभ को विद्या अध्ययन के लिए गुरु ग्रह में भेजा गया। वह थोड़े ही काल में विद्या ग्रहण कर लोट आए। इनका विवाह इन्द्र की कन्या जयंती से हुआ। पुत्र को हर प्रकार से योग्य समझकर महाराज नाभि ने ऋषभ को राज्यसिंहासन पर बैठाकर तपस्या के लिए बदरिकाश्रम चले गये। जयन्ती के द्वारा ऋषभ के सौ पुत्र हुए। उनमें सबसे बड़े पुत्र का नाम भरत था। उसी के नाम पर हमारे देश का नाम भारतवर्ष प्रसिद्ध हुआ। उन्होंने अपने जीवन काल में सौ अश्वमेघ यज्ञ किये। उनके राज्य में सभी फल की आशा त्यागकर केवल भगवान की प्रसन्नता एवं पवित्र जीवन के लिये ही कर्म करते थे। ऋषभ ने पुत्रों को मोक्षधर्म का अति सुंदर उपदेश दिया। कहा तुम लोग निष्कपट बुद्धि से अपने बड़े भाई की सेवा करो। इससे मेरी ही सेवा होगी। तदनन्तर ऋषभ अपने बड़े पुत्र भरत को राज्यभार सौंपकर दिगम्बर वेष में वन को चले गये। संसार को परम हंसों के आचरण की शिक्षा देते हुए उन्होंने कालान्तर में अपने शरीर को दावाग्नि में भस्म करके अपनी लौकिक लीला का संवरण किया। यही ऋषभ जैनियों के आदि तीर्थंकर माने जाते हैं। ऋषभ शासक बने, अनूठा थी उनकी शासन-व्यवस्था। क्योंकि उनके लिये सत्ता से ऊंचा समाज एवं मानवता का हित सर्वोपरि था। उन्होंने कानून कायदे बनाए। सुरक्षा की व्यवस्था की। संविधान निर्मित किए। नियमों का अतिक्रमण करने वालों के लिए दण्ड संहिता भी तैयार की। सचमुच वह भी कैसा युग था। न लोग बुरे थे, न विचार बुरे थे और न कर्म बुरे थे। राजा और प्रजा के बीच विश्वास जुड़ा था। बाद में जब कभी बदलते परिवेश, पर्यावरण, परिस्थिति और वैयक्तिक विकास के कारण व्यवस्था में रुकावट आई, कहीं कुछ गलत हुआ, मनुष्य का मन बदला तो उस गलत कर्म के लिए इतना कह देना ही बड़ा दण्ड माना जाता कि हाय! तूने यह क्या किया? ऐसा आगे मत करना, धिक्कार है तूने ऐसा किया। ये हाकार, माकार और धिक्कार नीतियां अपराधों का नियमन करती रहीं। आज की तरह उस समय ऐसा नहीं था कि अपराधों के सच्चे गवाह और सच्चे सबूत मिल जाने के बाद भी अदालत उसे कटघरे में खड़ा कर अपराधी सिद्ध न कर सके। निर्दोष व्यक्ति न्याय पाने के लिए दर-दर भटके और अपराधी धड़ल्ले से शान-शौकत के साथ ऐशो आराम करे। सत्ता के नाम पर युद्ध तो सदियों में होते रहे हैं मगर ऋषभ के राज वैभव छोड़कर संन्यस्त बन जाने के बाद सिंहासन के लिए भाई-भाई भरत बाहुबली में जो संघर्ष हुआ वह ऐतिहासिक प्रसंग भी आज के संदर्भ में एक सीख है। आज भी सत्ता और स्वार्थ का संघर्ष चलता है। सब लड़ते हैं पर देश के हित में कम, अपने हित में ज्यादा। लेकिन न तो आज ऋषभ के 98 पुत्रों की तरह समस्या के समाधान पाने की जिज्ञासा है कि हम किसको मुख्य मानकर उनसे अंतिम समाधान मांगे और न ही कोई ऐसा ऋषभ है जो अंतहीन समस्याओं के बीच सबको सामयिक संबोध दे। राज्य प्राप्ति के प्रश्न पर जब भरत बाहुबली के बीच अहं और आकांक्षा आ खड़ी हुई तो ऋषभ ने शस्त्र युद्ध को नकारा और आत्मयुद्ध की प्रेरणा दी। क्योंकि स्वयं को जीत लेना ही

तोताराम जी गंजे हैं, इसलिए आज बात भी गंजों पर ही चल पड़ी

सुनील महला

तोताराम जी हमारे खासमखास मित्र हैं। होली के बाद हमसे मिलने चले आए। चूंकि तोताराम जी गंजे हैं, इसलिए आज बात भी गंजों पर ही चल पड़ी। तोताराम जी बोले लेखक भैय्या ! गर्मियां आ गई हैं, गर्मियों में हम जैसे गंजों के मौज है। सिर से टपकता ओज है। एक दूसरे को देख देखकर हम सभी गंजे खिलखिलाते रोज है, हंसी का हमारे पास बूस्टर डोज है। हमने की खोज पर खोज है, इसमें न ही कोई लॉस है, बस जोश ही जोश है। हम यह बात आपको कह रहे हैं, यूं ही नहीं बक रहे हमे होशम-होश है। गंजे ही आजकल बॉस हैं। गंजा आजकल खास है, आया गंजापन सबको रास है। अजी ! गर्मियों का ये सीजन है, चेहरों पर क्यों है हंसी, गंजापन इसका रीजन है। बदल गई गंजों की टोन है, हमको लोग समझते बनी बनाई घोन(बकरी)हैं, लेकिन भैया जी हम जमाने के जोन हैं। इसीलिए आज आपके सामने ऑन हैं। नहीं बचे हैं बाल साल, अब बची है खाल ही खाल। नहीं अब बाल का जाल, समझते लोग इसे फाल ही फाल। बालों की है घालमघाल, गंजों ने मचाया धमाल ही धमाल। आज नहीं फोन सोन हैं। भैय्या जी आप क्यों मौन हैं ? आपका भी लेखन में जोन है। अजी ! गंजों का रोल है, गंजे ही ट्रोल हैं। गंजे ही मोल-तौल हैं। गंजों का ही झोल है। हम राज रहे खोल हैं, तभी गंजों के रहे बार बार बोल हैं। यही ढ़ोलम ढ़ोल हैं, बाकी पोलम पोल है। सिर में होल ही होल हैं। गंजे गोल मटोल हैं, करते नहीं टाल मटोल हैं। वातावरण में गंजों का ही घोल है। गंजा होल सोल है। आ रही गंजों को कॉल पर कॉल है। अजी ! दुनिया भी गोल-मटोल है। आप तो बस गंजा कहानी सुनिए, और कुछ मत करिए, हामी गंजों संग भरिए और भवसागर सा तरिए, बस हमारे जरिए। गंजा कहानी कर रहे हम अर्पित हैं, लेखक भैया आपको ये गंजापन और गंजा कहानी समर्पित है, बन गई जो हर कहीं आजकल चर्चित है। लोग तो गंजापन पर भ्रमित हैं। अजी ! तरह तरह के साबुन -शैंपू, तरह तरह के खुशबूदार तैल-वैल, जैल शैल रगड़ रगड़ कर, भरे तनाव से गंजों की आज खड़ी हो गई फौज है। हमने की बेमिसाल ये खोज की खोज है। वैसे मस्ती में सभी गंजे चूर है।

गंजे होने के कारण गर्मी हो गई दूर है। गंजेपन में आनंद भरपूर है। सपना बालों का हुआ चकनाचूर है तो क्या हम भी गंजेपन के लिए मशहूर हैं। जमाने के हम गंजे हूर है, तभी मशहूर हैं, नहीं मजबूर हैं, अजी हम ही जमाने में असली शूर हैं। लेखक भैया गंजा कथा सुनकर आप हमें क्यों रहे घूर हैं ? क्या सपने आपके हुए चकनाचूर हैं, तभी लगता है आप गंजों के प्रति क्रूर हैं। लेखक भैया माना कि बाल हमारे झड़ गये,लेकिन हमारा नाम भी तोताराम है, हम गंजेपन के लिए अड़ गए और बालों से भिड़ गए। कसम से लेखक भैया आपको एक बताऊँ आप लेखन को छोड़ दोगे, मुखड़ा गंजो और गंजेपन की ओर मोड़ देंगे। आजकल हम मुंह धोते हैं तो पता भी नहीं चलता है कि कहाँ तक मुंह धोना है, मुंह धोने के चक्कर में हम अपना सिर भी धो डालते हैं, नहाने की जरूरत भी नहीं पड़ती।गंजों को ये फायदा है, मुंह संग सिर धोने का भी कायदा है। चिकने घड़े भी हमें देख शमार्ते हैं जब हम कुम्हार के घर जाते हैं। लेखक भैया हम गंजों की खास बात यह है कि हमारे ऊपर किसी की किसी भी बात का असर नहीं पड़ता है, क्योंकि हमारा सिद्धांत जड़ता का है। रूस आज यूक्रेन पर दन-दनादन, फन फनाफन गोले पर गोले बरसा रहा है लेकिन वह भी गंजों से डरता है। गंजों से वह नहीं कभी लड़ता है, क्योंकि वह अच्छी तरह से यह जानता है, पहचानता है कि गंजों का बाल भी बांका नहीं किया जा सकता है। लेखक भैया हम तो कहते हैं कि आप भी हमारी तरह गंजपन की प्रजाति को ज्वाइन कर लीजिए।

ठंडा-ठंडा - कूल-कूल

डॉ. सुरेश कुमार

अलग-अलग राज्यों में चुनावी गर्मी तेजी पकड़ रही थी। सब अपने-अपने ढंग से वोटर महाशय को रिझा रहे थे। यही वह सीजन होता है जब वोटरों को तन-मन-धन से पूजा जाता है। बिना माँगे मुरादे पूरी हो जाती हैं। या यूँ कहिए कि नेता सुनील दत्त बनकर जनता रूपी नूतन को पटाने के लिए ह्यतुम्हीं मेरे मंदिर तुम्ही मेरी पूजा तुम्ही देवता होह्ल गाते हुए नजर आते हैं। हाँ यह अलग बात है कि चुनाव होने के बाद ह्यकौन हो, तुम कौन होह्ल गाते हुए दिखाई देते हैं। चुनावी गाड़ी जब स्टेशन पर रुकती है तो नेता फेरीवालों की आवाजों में तरह-तरह की चीजें बेचते हुए दिखाई देते हैं। जनता रूपी यात्रीगण गाड़ी में बैठे-बैठे खिड़की से झांकते हुए फेरीवालों की चीजों को ललचायी नजरों से देखते हैं। एक बार एक नेता रूपी फेरीवाला चुनावी गर्मी का सीजन देख वादों का तरबूज बेचने लगा। कहता झ्र रोजगार का तरबूब ले लो तरबूज! पेंशन का मीठा-मीठा तरबूज! बेरोजगार भत्ता वाला लाल-लाल तरबूज! ऐसा तरबूज कहीं नहीं मिलेगा। हमारे तरबूज में भक्ति का लाइकोपिन पाया जाता है जो आपकी त्वचा में आध्यात्मिकता की चमक बढ़ाएगा। यह महंगाई के मारे दिल की बीमारियों से मरने वालों को बचाता है। उन्हें कोलेस्ट्राल की ठंडक देगा। इसमें स्मार्ट शहरों का विटामिन प्रचुर मात्रा में भरा पड़ा है। एक बार खाओगे तो दुख झेलने, सहने और लड़ने की क्षमता में अद्भुत वृद्धि होगी। यह आँखों के लिए इतना अच्छा है कि हम जो भी करेंगे आपको विकास ही विकास दिखाई देगा। तरबूज खाने से दिमाग शांत रहता है और गुस्सा कम आता है। यह आपको आंदोलन, विद्रोह, झगड़े-फसाद करने से बचाता है। समय की बचत कराता है। इसके मेनिफेस्टो बीज बहुत काम के हैं। इन्हें पीसकर चेहरे पर लगाने से मेनिफेस्टो का निखार खिलखिला उठेगा।

भारत की झोली में आए दो पदक, मनिका-साथियान को मिला रजत तो शरत को कांस्य से करना पड़ा संतोष

नई दिल्ली। भारत को दोहा में आयोजित डब्ल्यूटीटी कंटेंडर 2022 चैम्पियनशिप में दो पदक मिले। मनिका बत्रा और जी साथियान की शीर्ष भारतीय जोड़ी को मिश्रित युगल में रजत तो वहीं अचंता शरत कमल को पुरुषों के एकल में कांस्य पदक मिला।

मनिका बत्रा और जी साथियान की भारतीय जोड़ी को चैम्पियनशिप के मिश्रित युगल के फाइनल में लिन युन जू और चेंग आई चिंग की चीनी ताइपे की शीर्ष वरीय जोड़ी के हाथों 4-11, 5-11, 3-11 से हार झेलनी पड़ी। भारत की सातवें नंबर की मिश्रित जोड़ी को चीनी ताइपे की जोड़ी के खिलाफ शुरू से ही परेशानी हो रही थी। साथियान और मनिका बाएं-दाएं हाथ की जोड़ी की चुनौती के सामने विफल रहे और खिताब जीतने से चूक गए।शरत कमल को डब्ल्यूटीटी कंटेंडर टेबल टेनिस टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में हार का सामना करना पड़ा। विश्व रैंकिंग में 41वें स्थान पर काबिज शरत को चीन के युआन लिसेन के हाथों शिकस्त मिली और उन्हें कांस्य से संतोष करना पड़ा। छठे गेम में फायदे की स्थिति के बावजूद शरत पुरूष एकल सेमीफाइनल में चीन के युआन लिसेन से 3-4 (5-11, 11-8, 6-11, 11-7, 11-5, 10-12, 9-11) से हार गए। दो साल में यह शरत का पहला पदक है। इस अनुभवी भारतीय ने 2020 में ओमान ओपन में स्वर्ण पदक जीता था।

महिला नेटबाल प्रतियोगिता : आखिरी लीग मुकाबले में कुरुक्षेत्र को हराकर पंजाब विवि ने जीता खिताब

धर्मशाला। अखिल भारतीय अंतर केंद्रीय विश्वविद्यालय महिला नेटबाल स्पर्धा पंजाब विश्वविद्यालय चंडीगढ़ ने जीत ली है। पंजाब विश्वविद्यालय चंडीगढ़ की टीम ने अपने आखिरी लीग मैच में कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय की टीम को कड़े मुकाबले में 29-28 से जीत हासिल कर विजेता का खिताब हासिल किया। कालीकट विवि ने बंगलूरू सिटी विवि को 40-17 से हराकर सिल्वर मेडल जीता। प्रतियोगिता में कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय की टीम तीसरे स्थान पर रही। प्रतियोगिता के क्वार्टर फाइनल के मुकाबलों में विजेता कुल 4 टीमें लीग स्टेज में पहुंची थी। इनमें लीग मैचों के आधार पर पहले, दूसरे और तीसरे स्थान के लिए मुकाबले खेले गए। समापन समारोह में खेल मंत्री राकेश पठानिया ने बतौर मुख्य अतिथि शिरकत करते हुए विजेता टीमों को सम्मानित किया।

विवि के अंतरराष्ट्रीय खेल स्टेडियम को नहीं आएंगी धन की कमी

समापन समारोह में वन मंत्री राकेश पठानिया ने कहा कि हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय में अंतरराष्ट्रीय खेल स्टेडियम की स्थापना की जाएगी । इसके निर्माण में धन की कमी नहीं आएगी। इस तरह की प्रतियोगिताओं से युवाओं को खेल के प्रति प्रेरणा मिलती है। विधायक विशाल नैहरिया ने कहा कि धर्मशाला स्मार्ट सिटी के साथ-साथ जल्द ही प्रदेश के खेल सिटी के रूप में भी जाना जाएगा।

पीवी सिंधू दूसरे दौर में पहुंचीं, अश्विनी-सिक्की की जोड़ी भी जीती, श्रीकांत और कश्यप भी आगे बढ़ें

नई दिल्ली। ओलंपिक में दो बार की पदक विजेता पीवी सिंधू ने डेनमार्क की लाइन होमार्क केजेर्सफेल्ट को सीधे गेम में हराकर स्विस ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट के महिला एकल के दूसरे दौर में प्रवेश किया। पूर्व विश्व चैंपियन ने रात खेले गए अपने पहले दौर के मैच में 21-14, 21-12 से आसान जीत दर्ज की। सिंधू का सामना दूसरे दौर में चीन की नेस्लीहान यिगित से होगा। वर्ल्ड चैंपियनशिप में रजत पदक जीतने वाले किदांबी श्रीकांत और पी कश्यप क्वार्टरफाइनल में पहुंच गए हैं। विश्व के 12वें नंबर के खिलाफ श्रीकांत ने फ्रांस के क्रिस्टो पोपोव को 13-21. 25-23, 21-11 से हराया। दूसरी ओर, कश्यप को शीर्ष वरीयता प्राप्त विक्टर एक्सेलसन के खिलाफ वॉकओवर मिला। सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की जोड़ी को इंडोनेशियाई जोड़ी प्रमुद्या कुसुमावर्दना और येरेमिया इरिच योचे याकूब रमबितान की जोड़ी के खिलाफ 19-21, 20-22 से हार का सामना करना पड़ा।

सीएसके ने 14 साल में पहली बार टीम का कप्तान बदला

40 के धोनी ने कप्तानी छोड़ी: आईपीएल से पहले सीएसके की कमान जडेजा को सौंपी

मुंबई। आईपीएल 2022 के शुरू होने में एक दिन का समय बाकी है लेकिन उससे पहले महेंद्र सिंह धोनी ने एक बार फिर से चौंकाने वाला फैसला किया है। उन्होंने टीम के ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा को चेन्नई सुपर किंग्स की कप्तानी सौंप दी है। धोनी ने खुद से कप्तानी छोड़ने का फैसला किया है। वे आईपीएल के 15वें सीजन में बतौर खिलाड़ी खेलते नजर आएंगे।

गत चैंपियन चेन्नई को 26 मार्च को कोलकाता के साथ वानखेड़े स्टेडियम में पहला मुकाबला खेलना है लेकिन उससे पहले चार बार की चैंपियन सीएसके में यह एक बड़ा बदलाव हुआ है। सीएसके की तरफ से जारी आधिकारिक बयान में कहा गया, 'महेंद्र सिंह धोनी ने चेन्नई सुपर किंग्स की कप्तानी छोड़ दी है और रवींद्र जडेजा को टीम की कमान सौंपने का फैसला किया है। जडेजा जो 2012 से टीम का अहम हिस्सा हैं, वह सीएसके के सिर्फ तीसरे कप्तान हैं। धोनी इस सीजन और इसके आगे भी चेन्नई का हिस्सा बने रहेंगे।' सीएसके ने इस बार आईपीएल नीलामी से पहले धोनी-जडेजा समेत चार खिलाड़ियों को रिटेन किया था। जडेजा को फ्रेंचाइजी ने 16 करोड़ रुपए में सबसे अधिक पैसे के साथ रिटेन किया था। लेकिन धोनी को इस सीजन के लिए 12 करोड़ रुपए में ही रिटेन किया गया। इससे बाद से ही इस बात की अटकलें लगाई जा रही थी कि जडेजा को कप्तान बनाया जा सकता है।धोनी आईपीएल इतिहास के दूसरे सफल कप्तान हैं। उनके नेतृत्व में सीएसके ने 2010, 2011, 2018 और 2021 में चार बार खिताब जीता। धोनी की अगुआई में चेन्नई ने 121 मैच जीते। धोनी आईपीएल में अब तक सिर्फ स्टीव स्मिथ की कप्तानी में खेले हैं। यह दूसरा मौका होगा जब धोनी किसी दूसरे खिलाड़ी की कप्तानी में खेलेंगे। जडेजा आखिरी कप्तान हो सकते हैं, जिनके नेतृत्व में धोनी आईपीएल मैच खेलेंगे। यह धोनी का आखिरी आईपीएल सीजन हो सकता है।

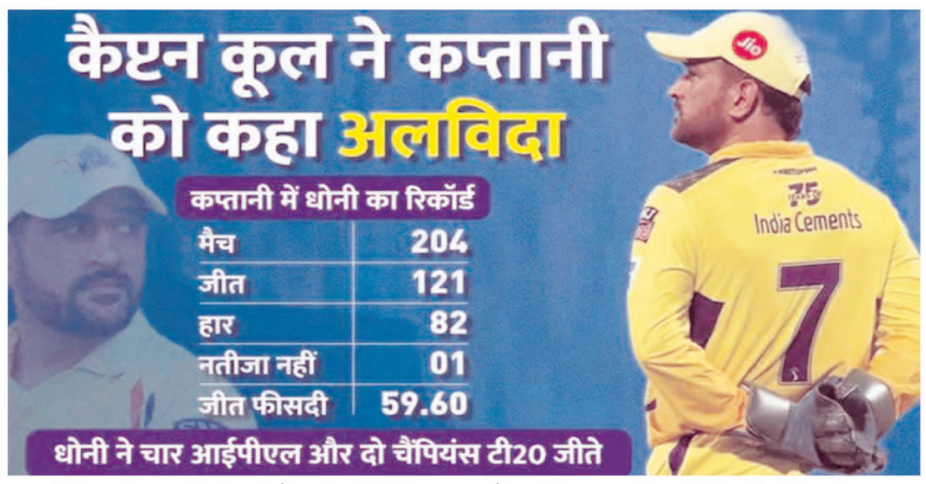

जडेजा चेन्नई के नए बॉस

महेंद्र सिंह धोनी के कप्तानी छोड़ने पर विराट कोहली ने किया पोस्ट, लिखा- आपके कार्यकाल को फैंस नहीं भूलेंगे

मुंबई। पूर्व भारतीय कप्तान महेंद्र सिंह धोनी ने आईपीएल टीम चेन्नई सुपरकिंग्स की कप्तानी भी छोड़ दी है। धोनी अब विकेटकीपर बल्लेबाज के रूप में अपनी सेवाएं देंगे। उनकी जगह रवींद्र जडेजा को टीम का नया कप्तान बनाया गया है। साल 2008 में आईपीएल की शुरुआत के साथ ही धोनी चेन्नई के कप्तान बने थे और लगातार 14 साल तक इस टीम की कमान संभाली। इस दौरान 12 सीजन में उन्होंने अपनी टीम को नौ बार फाइनल में पहुंचाया और चार बार खिताब भी जिताया। धोनी आईपीएल इतिहास के दूसरे सबसे सफल कप्तान हैं। उनके कप्तानी छोड़ने पर पूर्व भारतीय कप्तान विराट कोहली ने भी उन्हें शुभकामनाएं दी हैं। विराट भी लंबे समय तक आरसीबी की कप्तानी करने के बाद इस पद से इस्तीफा दे चुके हैं और इस सीजन वो फाफ डुप्लेसिस की कप्तानी में खेलते नजर आएंगे। हालांकि, अपनी टीम को कभी चैंपियन नहीं बना पाए।

विराट ने किया भावुक पोस्ट

धोनी के कप्तानी छोड़ने पर विराट ने उनके साथ एक तस्वीर शेयर की, जिसमें वो उनके गले लगे हुए हैं। इसके साथ ही उन्होंने लिखा कि पीली जर्सी में बतौर कप्तान आपका कार्यकाल शानदार रहा। एक अध्याय जिसे फैंस कभी नहीं भूलेंगे। आपके लिए हमेशा इज्जत रहेगी। आईपीएल में विराट और धोनी भले ही हमेशा एक दूसरे के खिलाफ खेले हों, लेकिन अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में दोनों ने साथ में भारत को कई मैच जिताए हैं। धोनी की कप्तानी में अपने अंतरराष्ट्रीय करियर की शुरुआत करने वाले विराट ने कप्तानी के गुर भी धोनी से ही सीखे। 2017 में धोनी ने सभी फॉर्मेट की कप्तानी छोड़ दी थी और विराट तीनों फॉर्मेट में भारत के कप्तान बने थे। इसके बाद 2021 तक विराट ने हर फॉर्मेट में भारत की कप्तानी की। 2021 टी-20 विश्व कप के बाद उन्होंने टी-20 की कप्तानी छोड़ी और अगले तीन महीने के अंदर उन्होंने सभी फॉर्मेट की कप्तानी छोड़ दी। अब विराट बतौर बल्लेबाज भारत के लिए खेलते हैं और रोहित हर फॉर्मेट में टीम इंडिया की कमान संभाल रहे हैं।

बायजू बना फीफा विश्व कप 2022 का आधिकारिक स्पॉन्सर, ऐसा करने वाली पहली भारतीय कंपनी

नई दिल्ली। भारतीय मूल की कंपनी बायजू ने फीफा विश्व कप 2022 की स्पानसरशिप हासिल कर ली है। कतर में होने वाले विश्व कप के लिए बायजू को आधिकारिक तौर पर स्पॉन्शर चुन लिया गया है। शिक्षा से जुड़ी यह कंपनी विश्व कप के दौरान दुनियाभर के फुटबॉल फैंस के बीच खास तरीके से अपना प्रचार करेगी। अपने बहुमुखी प्लान के तहत यह कंपनी कई शिक्षाप्रद मैसेज भी बनाएगी और लोगों के साथ साझा करेगी। बायजू पहली भारतीय कंपनी है, जिसे विश्व कप की स्पान्सरशिप मिली है।

फीफा के मुख्य व्यवसाय अधिकारी के मदाती ने कहा 'फीफा फुटबॉल की ताकत के जरिए सकारात्मक सामाजिक बदलाव लाने के लिए समर्पित है। हम बायजू जैसी कंपनी के साथ जुड़कर बेहद खुश हैं, जो समुदायों के साथ जुड़ रही है और युवा लोगों को सक्षम बना रही है, चाहे वो दुनिया के किसी भी कोने में हों। हम कतर में होने वाले फीफा विश्व कप 2022 में बायजू के शैक्षणिक मौकों का प्रचार करने के लिए देख रहे हैं।'

बारिश से प्रभावित मैच में ऑस्ट्रेलिया ने बांग्लादेश को पांच विकेट से हराया, बेथ मूनी 66 रन बनाकर नाबाद रहीं

वेलिंग्टन। आईसीसी महिला विश्व कप के 25वें मैच में ऑस्ट्रेलिया ने बांग्लादेश को पांच विकेट से हरा दिया है। बेथ मूनी की 66 रनों की नाबाद पारी के दम पर ऑस्ट्रेलिया ने बांग्लादेश के 136 रनों के लक्ष्य को 65 गेंदें शेष रहते हासिल कर लिया। इस जीत के साथ ही ऑस्ट्रेलियाई टीम लीग स्टेज में अजेय रही और अपने सातों मुकाबले जीतकर तालिका में शीर्ष पर रही। वेलिंग्टन में खेले गए इस मैच को बारिश की वजह से देरी से शुरू किया गया और 43 ओवर का रखा गया। इसके बाद बांग्लादेश ने लता मंडल के 33 रनों की पारी की बदौलत पहले बल्लेबाजी करते हुए छह विकेट खोकर 135 रन बनाए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी ऑस्ट्रेलियाई टीम की शुरूआत बेहद खराब हुई है। चार बार की चैंपियन ऑस्ट्रेलिया ने 70 के स्कोर पर ही अपने पांच प्रमुख खिलाड़ियों के विकेट गंवा दिए थे। लेकिन इसके बाद बेथ मूनी (66*) और एनाबेल सदरलैंड (26*) ने मिलकर छठे विकेट के लिए 66 रनों की अटूट साझेदारी की और मैच को ऑस्ट्रेलिया की झोली में डाल दिया।

बांग्लादेश ने बनाए 135 रन- सेमीफाइनल में पहले ही क्वालिफाई कर चुकी ऑस्ट्रेलियाई टीम ने यहां टॉस जीतकर बांग्लादेश को पहले बल्लेबाजी का न्योता दिया। बांग्लादेश ने भी सधी हुई शुरूआत की और पहले विकेट के लिए 33 रनों की साझेदारी की। लेकिन इसके बाद उसके विकेट गिरने का सिलसिला शुरू हुआ और देखते-देखते उसने 95 के स्कोर पर अपने पांच विकेट गंवा दिए। हालांकि, लता मोंडल (33) और सलमा खातून (15*) ने मिलकर 36 रनों की अहम साझेदारी की और टीम को एक सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचाया। ऑस्ट्रेलिया की तरफ से एश्ले गार्डनर और जेस जोनासन ने सर्वाधिक दो-दो विकेट लिए।

शरत कमल सेमीफाइनल में हारे, पुरुषों के एकल में भारतीय चुनौती समाप्त

नई दिल्ली भारत के अनुभवी अचंत शरत कमल को डब्ल्यूटीटी कंटेंडर टेबल टेनिस टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में हार का सामना करना पड़ा। विश्व रैंकिंग में 41वें स्थान पर काबिज शरत को चीन के युआन लिसेन के हाथों शिकस्त मिली। शरत की हार के साथ ही पुरुष एकल में भारत की चुनौती समाप्त हो गई है। सेमीफाइनल में शरत को 264वीं रैंक वाले युआन लिसेन से कड़ी टक्कर मिली और दोनों के बीच सात गेम का मुकाबला हुआ, लेकिन अंत में चीनी खिलाड़ी ने 11-5, 8-11, 11-6, 7-11, 5-11, 12-10, 11-9 बाजी मार ली।

इन 6 बदलावों के साथ खेला जाएगा आइपीएल का 15वां सीजन

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग का 15वां सीजन शुरू होने वाला है। इस बार एक साल बाद फिर से आइपीएल भारत में हो रहा है पिछली बार कोरोना के बढ़ते आंकड़ों के बीच आइपीएल के बचे हुए मैचों को यूएई में शिफ्ट कर दिया गया था। दनादन क्रिकेट का ये सीजन थोड़ा बदला-बदला नजर आने वाला है। आखिर इस बार के आइपीएल में नया और अलग क्या होगा, इसको लेकर सभी क्रिकेट फैंस उत्साहित हैं। आइए जानते हैं उन कारणों को जिससे ये सीजन अलग होगा।

1. नए टाइटल स्पांसर के साथ होगा आइपीएल- इस बार का आइपीएल नए टाइटल स्पांसर टाटा के साथ होगा। यानी वीवो आइपीएल अब टाटा आइपीएल बन गया है। टाटा ने यह स्पांसरशिप 2023 तक के लिए ली है। इसके लिए प्रति साल टाटा को 300 करोड़ रुपये देने होंगे।

2.पहली बार टीमों को दो वर्चुअल ग्रुप में बांटा गया है- आइपीएल के इस सीजन का फार्मेट थोड़ा अलग है। टीम को पहली बार दो वर्चुअल ग्रुप में बांटा गया है। 10 टीमों को दो ग्रुप ए और ग्रुप बी में बांटा गया है। मुंबई, कोलकाता, राजस्थान रायल्स, दिल्ली कैपिटल्स और लखनऊ सुपरजाइंट्स ग्रुप ए में जबकि चेन्नई सुपर किंग्स, सनराइजर्स हैदराबाद, रायल चैलेंजर्स बेंगलौर, पंजाब किंग्स और गुजरात टाइटंस को ग्रुप बी में रखा गया है। हर टीम 14 मैच खेलेगी। टीम अपने ग्रुप में सभी टीमों और अपने सामने वाली टीमों से 2-2 मैच जबकि बाकी टीमों से एक-एक मैच खेलेगी।

3. नए नियम के साथ आइपीएल- इस बार टीम के पास प्रति पारी एक की वजाए दो डीआरएस उपलब्ध होंगे। यानी अब मैच में एक टीम को 4 डीआरएस लेने का मौका मिलेगा। इसके अलावा एमसीसी द्वारा हाल ही में किए गए बदलावों में से कैच आउट वाले बदलवा को शामिल किया गया है। कैच आउट होने के बाद नए बल्लेबाज ही अगली गेंद का सामना करेंगे जबतक की वो ओवर का आखिरी गेंद न हो।

4. अधिक टीम तो मैचों का डोज ज्यादा- इस बार 10 टीमों के साथ आइपीएल होने जा रहा है। इसलिए इस सीजन में 70 लीग मैच खेले जाएंगे तो पहले की तुलना में अधिक हैं।

5. केवल महाराष्ट्र में होंगे मैच- आइपीएल का यह सीजन पूरी तरह से महाराष्ट्र में खेला जाएगा। कोरोना को देखते हुए और बायो-बबल के चलते टीम को ज्यादा ट्रेवल न करना पड़े इसके लिए सभी लीग मैच महाराष्ट्र में खेले जाएंगे।

6. सीएसके पहली बार धौनी की कप्तानी के बिना उतरेगी- सीएसके के लिए यह सीजन काफी खास होगा क्योंकि टीम द्वारा खेले गए 12 सीजनों में ऐसा पहली बार होगा जब धौनी कप्तानी नहीं कर रहे होंगे। उन्होंने गुरुवार को कप्तानी छोड़ने की घोषणा कर दी थी।इन बदलावों के बाद इस लीग में रोमांच का डोज और भी बढ़ जाएगा।

फैंस अगले दो महीनों तक क्रिकेट के इस उत्सव में भाग लेने के लिए उत्साहित हैं। इस बार का चैंपियन कोई नई टीम बनेगी या फिर मुंबई और चेन्नई जैसी टीम अपने कैबिनेट में एक और ट्राफी शामिल करने में कामयाब हो जाएगी। यही रोमांच क्रिकेट के फैंस को अगलें दो महीनों तक बांधे रखेगी।

टीम इंडिया में चल रही 'गलाकाट' प्रतियोगिता, आलराउंडर बोले- अपनी जगह बचाने के लिए कुछ भी करूंगा

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग की फ्रेंचाइजी टीम कोलकाता नाइट राइडर्स के लिए बतौर ओपनर विस्फोटक पारी खेलने वाले वेंकटेश अय्यर ने टीम इंडिया तक का सफर तय किया। धमाकेदार पारी खेलते हुए चयनकर्ताओं को प्रभावित कर भारतीय टीम में इस खिलाड़ी ने अपनी जगह बनाई।

टीम में उनको नीचले क्रम में बल्लेबाजी करने का मौका मिलता है जिसको लेकर वो खुश हैं। वेंकटेश ने साफ किया टीम में जगह मिलना मुश्किल है क्योंकि एक दो नहीं पीछे सैंकड़ो खिलाड़ी इंतजार में खड़े हैं।वेंकटेश बतौर आलराउंडर टीम इंडिया में जगह बनाने में कामयाब हुए हैं।

वह मध्यम गति से गेंदबाजी करते हैं और विस्फोटक अंदाज में बल्लेबाजी करते हैं। वेस्टइंडीज के खिलाफ खेली गई हालिया सीरीज में उन्होंने चयनकर्ताओं के भरोसे को सही साबित करते हुए कुछ उपयोगी पारी खेली। मुश्किल हालात में रन बनाए और टीम को जीत तक पहुंचाया।हार्दिक के तुलना पर वेंकटेश बोले, 'एक क्रिकेटर के तौर पर मेरे अंदर हार्दिक पांड्या के लिए जो उन्होंने भारतीय क्रिकेट के लिए किया है उसको लेकर बहुत ज्यादा सम्मान है। वह बहुत ही कमाल रहे हैं। मैं हार्दिक भाई का बहुत बड़ा प्रसंशक रहा हूं। ऐसी तुलना की जानी तो बहुत ही आम सी बात है, लेकिन मैं इन सब चीजों पर बिल्कुल भी ध्यान नहीं देता हूं।'

'मैं परिस्थिति के मुताबिक किसी भी जगह पर खेलने के लिए तैयार हूं। बतौर एक पेशेवर क्रिकेटर के तौर पर मैं हमेशा ही इस बात को लेकर चलता हूं कि मुझे कुछ भी करने को तैयार रहना चाहिए। हमें इस बात को समझना चाहिए कि हमने एक ऐसे टीम में जगह बनाई है जिसमें गला काट प्रतियोगिता है वो भी हर एक जगह और हर एक खिलाड़ी के लिए। आपकी जगह लेने के लिए सिर्फ एक दो खिलाड़ी ही तैयार नहीं बैठे हैं बल्कि सैंकड़ो हैं जो अपनी बारी के इंतजार में हैं।'

लाहौर टेस्ट के दौरान अंपायर से भिड़े वार्नर :स्टंप माइक में कैद हुई बातें, बोले- रूल बुक दिखाओ मुझे कैसे खेलना चाहिए

कराची। पाकिस्तान और ऑस्ट्रेलिया के बीच लाहौर के गद्दाफी स्टेडियम में खेले जा रहे तीसरे टेस्ट के चौथे दिन डेविड वार्नर अंपायर से भिड़ गए। दरअसल, अंपायर ने वार्नर को डेंजर एरिया में जाने के लिए वार्निंग दी थी। तो वहीं वार्नर ने भी अंपायर्स से रूल बुक दिखाने की बात कह डाली।

21वें ओवर में हुई भिड़ंत

ऑस्ट्रेलिया की दूसरी पारी के 21वें ओवर के दौरान मैदान पर मौजूद अंपायर अलीम डार और अहसान रजा वार्नर को डेंजर एरिया में भागने के लिए वार्निंग दी थी। इस पर वार्नर ने सफाई देते हुए कहा कि वह अपनी क्रीज से बाहर बैटिंग करने के हकदार हैं और इसके लिए उन्होंने पाक टीम के कप्तान बाबर आजम के साथ बातचीत भी की थी। ऑस्ट्रेलियाई ओपनर को स्टंप माइक पर कहते हुए सुना गया, 'आप चाहते हैं कि मैं अपना शॉट इस तरह से खेलूं।' इस दौरान उन्होंने विकेट की तरफ इशारा किया था। अंपायर रजा ने जवाब दिया- 'हां, आपको हिलना होगा।' इसके बाद वार्नर ने कहा, 'मुझे रूल बुक में

दिखाओ कि मुझे क्या करना है। मैं तब तक खेल शुरू नहीं करूंगा जब तक आप मुझे नहीं दिखाएंगे।'इस घटना के बाद कुछ देर खेल रुका रहा, लेकिन जल्द ही शुरू भी हो गया।

सोमालिया में हुआ भीषण आत्मघाती हमला, महिला सांसद समेत 48 लोग मारे गये, 108 अन्य घायल

मोगादिशु। सोमालिया के एक मतदान केंद्र में हुए आत्मघाती बम धमाके में एक महिला सांसद समेत कम से कम 48 लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। हमला बुधवार देर रात

सोमालिया की राजधानी मोगादिशु के हिरन क्षेत्र के बेलेडवेयेन कस्बे में हुआ। मृतकों में सरकार की मुखर आलोचक मानी जाने वाली विपक्षी सांसद अमीन मोहम्मद अब्दी भी शमिल हैं, जो नेशनल असेंबली की अपनी सीट पर हो रहे चुनाव के लिये प्रचार कर रही थीं।सोमालिया के हीरशाबेले प्रांत के गवर्नर अली गुदलावेने बताया कि हमले की जिम्मेदारी सोमालिया के विद्रोही समूह अल-शबाब ने ली है। हमले में कम से कम 48 लोगों की मौत हो गई, जिनमें ज्यादातर आम नागरिक हैं। उन्होंने बताया कि 108 अन्य घायल भी हुए हैं।

रूस के सहयोगी बेलारूस ने तीसरे विश्व युद्ध की चेतावनी दी

ल्वीव। बेलारूस के एक प्रमुख नेता ने आगाह किया है कि यूक्रेन में पश्चिमी शांतिरक्षक बलों को तैनात करने संबंधी पोलैंड का प्रस्ताव तीसरा विश्व युद्ध भड़का सकता है। बेलारूस के राष्ट्रपति अलेक्जेंडर लुकाशेंको ने पोलैंड के पिछले सप्ताह किए गए शांति मिशन की पेशकश की ओर इशारा करते हुए बृहस्पतिवार को कहा, ''इसका मतलब तीसरा विश्व युद्ध होगा।''बेलारूस रूस का सहयोगी है और उसने रूस को यूक्रेन पर आक्रमण करने के लिए अपने क्षेत्र का इस्तेमाल करने की अनुमति दी है उन्होंने कहा,''हालात बेहद गंभीर और तनावपूर्ण हैं।''

ल्वीवः उत्तरी शहर चेर्निहिव के एक स्थानीय सरकारी अधिकारी ने कहा है कि आबादी के लिए तबाही सामने है क्योंकि रूसी सैनिक जानबूझकर खाद्य भंडार को निशाना बना रहे हैं। इस हफ्ते एक हवाई हमले में देसना नदी पर बना पुल नष्ट हो गया, जो यूक्रेन-नियंत्रित क्षेत्र से दक्षिण में भोजन और अन्य सहायता लाने के लिए एक महत्वपूर्ण मार्ग था। शहर परिषद के सचिव ओलेक्जेंडर लोमाको ने कहा,''इस पुल के जरिए ही मानवीय मदद, दवाइयां और भोजन शहर में आए जाते थे। उन्होंने हालांकि दावा किया कि शहर पूरी तरह से यूक्रेनी सैनिकों के कब्जे में है।

अमेरिकाः हाइपरसोनिक प्रौद्योगिकी में भारत, चीन व रूस ने की काफी तरक्की

वाशिंगटन। अमेरिका के एक शीर्ष सांसद ने कहा है कि उन्नत प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में अब अमेरिका उतना प्रभावशाली नहीं रहा है। जबकि भारत, चीन और रूस ने 'हाइपरसोनिक' प्रौद्योगिकी में काफी तरक्की कर ली है।

> ***तो रीड ने कहा, हम विश्व के इतिहास में पहली बार त्रिपक्षीय परमाणु प्रतियोगिता का सामना करने वाले है। अब यह द्विपक्षीय नहीं है।***

अमेरिकी सीनेट की हथियार सेवा समिति के अध्यक्ष जैक रीड ने एक नामांकन की पुष्टि के लिए हो रही बहस में कहा कि अमेरिका ऐसी स्थिति में हैं जहां हम तकनीक संबंधी सुधार कर रहे हैं। जैक रीड ने कहा, कभी तकनीक के क्षेत्र में हमारा वर्चस्व हुआ करता था, लेकिन अब ऐसा नहीं है। 'हाइपरसोनिक' प्रौद्योगिकी में स्पष्ट रूप से भारत, चीन और रूस ने काफी विकास कर लिया है। इसके बाद, डॉ. विलियम लैपलेंट ने उनसे पूछा कि रक्षा अवर मंत्री बनने के बाद वह इन मुद्दों से कैसे निपटेंगे?

तो रीड ने कहा, हम विश्व के इतिहास में पहली बार त्रिपक्षीय परमाणु प्रतियोगिता का सामना करने वाले है। अब यह द्विपक्षीय नहीं है। मुकाबला अब सोवियत संघ और अमेरिका के बीच नहीं है, बल्कि चीन, रूस और अमेरिका के बीच है। लैपलेंट ने कहा, वह उम्मीद करते हैं कि हथियार प्रणालियों की मुख्यधारा में आने के लिए तेजी से काम किया जाएगा। उन्होंने कहा, जिन नई तकनीकों के बारे में आपने बात की, इस दिशा में पिछले कई वर्षों में हमने कई कदम उठाए हैं। मुझे लगता है कि यह बेहद अच्छा है।

रूस के हर कदम पर अमेरिका की नजरः पुतिन के केमिकल वॉर प्लान को लेकर अमेरिका चौकस, बाइडेन की सीक्रेट टाइगर टीम रख रही नजर

कीवः यूक्रेन पर हमले के एक माह बीत जाने के बाद भी रूस निर्णायक जीत हासिल नहीं कर पाया है।

रूसी राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन ने अब केमिकल हमले का प्लान बनाया है। अमेरिकी खुफिया एजेंसियों की रिपोर्ट के अनुसार पुतिन, यूक्रेन के कुछ शहरों में केमिकल हमले या फिर बायोलॉजिकल हथियारों के इस्तेमाल का आदेश दे सकते हैं। अमेरिका ने इस आशंका के चलते सीक्रेट टाइगर टीम का गठन किया है। इस टीम में अमेरिका के शीर्ष 20 सैन्य अफसरों को शामिल किया गया है। ये टीम हर सप्ताह में तीन बार बैठक करती है। यूक्रेन के पड़ोसी देश पोलैंड सहित अन्य नाटो देशों से ये टीम लगातार खुफिया इनपुट के आधार पर रूसी सेना की कार्रवाई पर नजर रख रही है।मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, रूसी सेनाओं की बेहद धीमी बढ़त, अब तक लगभग 7 हजार सैनिकों सहित 20 टॉप कमांडरों के मारे जाने के बाद पुतिन काफी

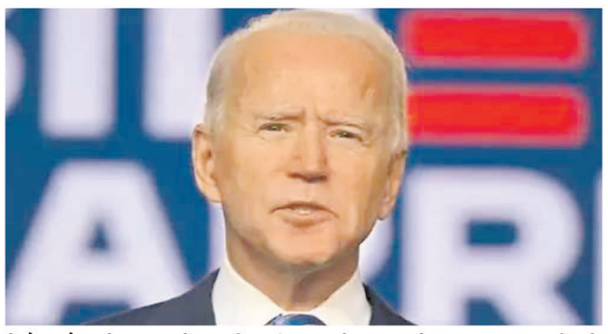

बेचैन हैं। ब्रेसल्स में नाटो की बैठक में फ्रांसीसी राष्ट्रपति मैक्रों ने भी आशंका जताई कि रूस, यूक्रेन पर केमिकल हथियारों से हमला कर सकता है।

हमारे हौसले बुलंद, रूस अपने मंसूबों में विफल होगा: जेलेंस्की

नाटो की बैठक में अपने वर्चुअल संबोधन में यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की ने कहा कि हमारे हौसले बुलंद हैं। रूसी मंसूबे नाकाम होंगे। इस बीच अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने ब्रसेल्स में नाटो की बैठक में ऐलान किया कि अमेरिका आने वाले दिनों में यूक्रेन के लगभग एक लाख शरणार्थियों अपने यहां जगह देगा।

पुतिन के सलाहकार अनातोली चुबैस का इस्तीफा, देश छोड़ा

पुतिन के प्रमुख सलाहकार अनातोली चुबैस ने बुधवार को यूक्रेन हमले के विरोध में इस्तीफा देकर देश छोड़ दिया। वे युद्ध की शुरुआत से ही इसके खिलाफ लिख रहे हैं। उन्होंने मारे गए राजनेता बोरिस नेमत्सोव और उदारवादी अर्थशास्त्री येगोर गेदर की तस्वीरें पोस्ट की। रूसी सुरक्षा परिषद के उपाध्यक्ष ड्वोरकोविच ने भी एक इंटरव्यू में युद्ध की निंदा की थी। इसके बाद उन्हें पद से हटा दिया गया था।

यूएनजीएः यूक्रेन के प्रस्ताव पर अनुपस्थित रहा भारत

कहा- जंग की समाप्ति और मानवीय सहायता पर होना चाहिए ध्यान

संयुक्त राष्ट्र : यूक्रेन और इसके सहयोगियों ने रूस के हमले के चलते देश में बनी मानवीय संकट की स्थिति को लेकर संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) में एक प्रस्ताव पेश किया। भारत यहां अनुपस्थित रहा। 193 सदस्यों वाली महासभा ने यूक्रेन पर अपने 11वें विशेष आपात सत्र के दौरान इस प्रस्ताव को अनुमति दे दी। प्रस्ताव के समर्थन में 140 और विरोध में पांच वोट पड़े। 38 सदस्य मतदान से दूर रहे। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि टीएस तिरुमूर्ति ने कहा कि भारत ने प्रस्ताव से परहेज किया क्योंकि अब हमें शत्रुता की समाप्ति और तत्काल मानवीय सहायता पर ध्यान केंद्रित करने की जरूरत है। तिरुमूर्ति ने

कहा कि महासभा में आज पेश किया गया मसौदा प्रस्ताव इन चुनौतियों पर हमारे अपेक्षित फोकस को पूरी तरह से प्रतिबिंबित नहीं करता है, इसलिए हम इस प्रस्ताव से दूर रहे।इससे पहले संयुक्त भारत समेत संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) के 12 सदस्य यूक्रेन में मानवीय संकट पर रूस की ओर से पेश किए गए एक प्रस्ताव से भी अनुपस्थित रहे थे। यह प्रस्ताव पारित नहीं हो पाया था क्योंकि इसे केवल दो वोट मिले थे जबकि पारित होने के लिए कम से कम नौ वोट की आवश्यकता थी। इस प्रस्ताव के पक्ष में केवल चीन और रूस ने मतदान किया था। पेश हुए मसौदा प्रस्ताव में यूक्रेन के खिलाफ रूस के हमले को तुरंत समाप्त करने की मांग की गई है। इसके अलावा नागरिकों के खिलाफ सभी हमलों को रोकने की अपील भी की गई है। संघर्ष वाले इलाकों में फंसे सभी नागरिकों को सुरक्षित निकालने की व्यवस्था के लिए भी कहा गया है। महासभा ने यूक्रेन में मानवीय संकट के लिए रूस को जिम्मेदार ठहराने वाला यह प्रस्ताव मंजूर किया।

रूस को जी-20 से बाहर करना चाहता हूंः बाइडन

ब्रसेल्स। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने कहा कि वह चाहते हैं कि रूस को जी (समूह) -20 से बाहर कर दिया जाए। यूक्रेन पर रूस के हमले को लेकर नाटो की आपात बैठकों के बाद ब्रसेल्स में बाइडन ने उक्त टिप्पणी की।जी-20, 19देशों और यूरोपीय संघ का अंतर सरकारी मंच है जो प्रमुख वैश्विक मुद्दों पर काम करता है। बाइडन ने कहा कि उन्होंने अन्य वैश्विक नेताओं के साथ मुद्दा उठाया है।उन्होंने कहा कि वह चाहेंगे कि समूह से रूस को बाहर किया जाए अगर इससे इंडोनेशिया और अन्य असहमत होंगे तो वह कहेंगे कि यूक्रेन के नेताओं को बातचीत में शामिल होने की अनुमति दी जाए। बाइडन और पश्चिमी सहयोगियों ने बृहस्पतिवार को रूस पर नए प्रतिबंध लगाने और यूक्रेन को मानवीय सहायता देने का नया संकल्प लिया।

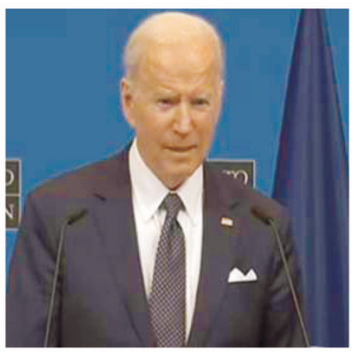

दक्षिण कोरिया में डरा रहा कोरोना वायरस! 24 घंटे में तीन लाख से ज्यादा मामले, 393 की मौत

सियोल। दक्षिण कोरिया में कोरोना संक्रमण की रफ्तार बेकाबू हो गई है। बीते 24 घंटे में यहां कोरोना के 3,39,514 नए मामले सामने आए हैं। स्वास्थ्य अधिकारियों ने बताया कि कोरोना के कुल मामले बढ़कर अब 11,16,2232 हो गए हैं। इसके साथ ही 24 घंटे में 393 मरीजों की मौत भी हुई है। मृतकों की संख्या अब बढ़कर 14,294 हो गई है।

राहत की बात है कि लगातार दो दिन तक कोरोना के मामले चार लाख से कम रहे। इससे पहले, कल कोरोना के 3,95,589 मरीजों को कोरोना हुआ था जबकिचार लाख से ज्यादा मामले मिले थे। कोरिया रोग नियंत्रण और रोकथाम एजेंसी ने ये जानकारी दी है।

ज्यादातर संक्रमित इंचियोन के रहने वाले

रिपोर्ट के मुताबिक, संक्रमितों में से 66,941 लोग सियोल के निवासी हैं। वहीं, ग्योंगगी प्रांत और पश्चिमी बंदरगाह शहर इंचियोन में रहने वाले नए संक्रमित लोगों की संख्या क्रमश 87,703 और 21,773 थी। चिंता की बात है कि गैर महानगरीय क्षेत्र में भी वायरस तेजी से फैल रहा है। गैर राजधानी क्षेत्रों में नए मामलों की

संख्या 1,63,068 या 48 प्रतिशत थी। नए मरीजों में 29 विदेशी हैं। विदेशी संक्रमितों की संख्या अब बढ़कर 30,848 हो गई है।

गंभीर स्थिति वाले मरीजों की संख्या में इजाफा

इसके अलावा गंभीर स्थिति वाले मरीजों की संख्या में इजाफा हुआ है। ऐसे चार और मरीज मिले हैं। इनकी कुल संख्या अब 1,085 हो गई है। मृत्यु दर अब 0.13 फीसद हो गई है।

करीब 87 फीसद लोगों का हुआ पूर्ण टीकाकरण

इसी बीच दक्षिण कोरिया में 86.7 फीसद लोगों का पूर्ण टीकाकरण किया जा चुका है। 4,44,67,812 लोगों का टीकाकरण हो चुका है। साथ ही कुल 44,938,697 लोगों को वैक्सीन की खुराक दी जा चुकी है। इसके अलावा 63.4 फीसद लोगों को बूस्टर डोज दी जा चुकी है।

पाकिस्तान-तालिबान के बीच बढ़ रहा है विवाद, तालिबान के सत्ता में आने के बाद पाक में आतंकी घटनाएं बढ़ीं

काबुल । पाकिस्तान और तालिबान के बीच संबंध खराब होते जा रहे हैं। अफगानिस्तान की तालिबान सरकार ने इस्लामाबाद में हाल ही में संपन्न इस्लामिक देशों के संगठन (ओआइसी) शिखर सम्मेलन में अपने कार्यवाहक विदेश मंत्री अमीर खान मुत्ताकी के बजाय विदेश मंत्रालय के एक अधिकारी को भेज दिया।

डूरंड रेखा पर बढ़ रहा है तनाव

यूरोपियन टाइम्स के अनुसार यह इस बात के संकेत हैं कि दोनों देशों के बीच संबंध अब पहले जैसे नहीं हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि हाल के दिनों में चमन और स्पिन बोल्डक जिलों में सीमा के साथ विभिन्न स्थानों पर तालिबान बलों और पाकिस्तानी सीमा प्रहरियों के बीच गोलीबारी हुई है। साथ ही डूरंड रेखा पर तनाव लगातार बढ़ रहा है।

डूरंड रेखा को आधिकारिक सीमा नहीं मानता अफगानिस्तान

तालिबान ब्रिटिश काल की डूरंड रेखा को अफगानिस्तान और पाकिस्तान के बीच आधिकारिक सीमा के रूप में मान्यता नहीं देता है। बिगड़ते संबंधों का एक अन्य कारण तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) को अफगान तालिबान का समर्थन

रहा है। रिपोर्ट में कहा गया है कि अभी कुछ दिन पहले खैबर पख्तूनख्वा जिले में सीमा पर टीटीपी के साथ झड़पों में दो पाकिस्तानी सैनिक मारे गए थे।

आतंकी घटनाओं में पिछले वर्ष की तुलना में 42 प्रतिशत की भारी वृद्धि

वहीं, पिछले साल अगस्त में तालिबान द्वारा काबुल पर कब्जा किए जाने के बाद से पाकिस्तान में आतंकी घटनाओं की संख्या में वृद्धि देखी गई है। इस्लामाबाद स्थित पाक इंस्टीट्यूट फार पीस स्टडीज के अनुसार, 2021 में आतंकी घटनाओं में पिछले वर्ष की तुलना में 42 प्रतिशत की भारी वृद्धि हुई, जिसमें अधिकांश आतंकी घटनाएं काबुल में तालिबान के फिर से सत्ता में आने के बाद हुई।

तालिबान के हमले में चार पाकिस्तानी सैनिक मारे गए

पेशावरः तड़के अफगानिस्तान से पाकिस्तान में घुसने की कोशिश कर रहे आतंकवादियों ने सैनिकों के साथ गोलीबारी शुरू कर दी जिसमें चार पाकिस्तानी सैनिक मारे गए। इस हमले की जिम्मेदारी पाकिस्तानी तालिबान ने ली है।

हथियारों की कमी का सामना कर रहे जेलेंस्की, अमेरिका से एक हजार मिसाइलें मांगी

कीव। रूस-यूक्रेन जंग का करीब एक महीना बीत जाने के बाद भी यूक्रेन हार मानने को तैयार नहीं है और न ही रूस पीछे हटने को। इस संकट पर नाटो की ब्रुसेल्स में आपात बैठक हुई। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने नाटो समिट को संबोधित किया।

बाइडेन ने कहा कि अगर रूसी राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन ने यूक्रेन के खिलाफ रसायनिक हथियार का इस्तेमाल किया तो नाटो उसका जवाब देगा। उन्होंने कहा कि रूस जिस तरह के हथियारों का इस्तेमाल करेगा, नाटो उसी तरह के हथियारों से उसे जवाब देगा। इस बीच यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की हथियारों की कमी की सामना कर रहे हैं और उन्हें रोजाना एक हजार मिसाइलों की जरूरत है। यूक्रेन ने अमेरिका को बताया कि उसे रूसी सेना का मुकाबला करने के लिए प्रति दिन 500 जेवलिन और 500 स्टिंगर्स की जरूरत है।

सीएनएन की रिपोर्ट के मुताबिक उसे उपलब्ध कराए एक दस्तावेज के अनुसार, यूक्रेन पिछले कई दिनों में अमेरिकी सरकार से अतिरिक्त सैन्य सहायता लेने के लिए अपनी सूची को अपडेट कर रहा है। जिसमें पहले अनुरोध किए गए सैन्य सहायता की तुलना में अधिक एंटी-एयरक्राफ्ट और एंटी-टैंक मिसाइलें मांगी हैं। साथ ही इस सूची में जेट, अटैक हेलीकॉप्टर और एस-300 जैसे विमान-रोधी सिस्टम भी शामिल है।

यूक्रेन ने पिछले हफ्ते यह सूची अमेरिका को दी है। हाल ही में अमेरिकी सांसदों को यह सूची सौंपी गई है। इस सूची में यूक्रेन ने अमेरिकी निर्मित स्टिंगर एंटी-एयरक्राफ्ट मिसाइलों और जेवलिन एंटी टैंक मिसाइलों की बढ़ती जरूरत पर जोर दिया है। यूक्रेन ने कहा कि उसे तत्काल इन हथियारों और उपकरणों की जरूरत है।

सांसदों की क्या प्रतिक्रिया है?

कांग्रेस के कुछ सांसदों का मानना है कि अमेरिका को यूक्रेन को वे हथियार तुरंत उपलब्ध कराने चाहिए जिनकी वे मांग कर रहे हैं। नेवादा के एक डेमोक्रेट सेन जैकी रोसेन ने पिछले सप्ताहांत पोलैंड और जर्मनी का दौरा किया और उन नागरिक समाज संगठनों से मुलाकात की थी जो उन देशों में पहुंचे यूक्रेनी शरणार्थियों की मदद कर रहे हैं और उन्हें औ मानवीय सहायता प्रदान कर रहे हैं।

रोसेन ने सीएनएन को बताया, 'उन्हें न केवल युद्ध में जीवित रहने के लिए, बल्कि युद्ध जीतने के लिए सभी हथियारों और उपकरणों की आवश्यकता है, इसलिए हम उन्हें हवा से जमीन पर मार करने वाली मिसाइल, ड्रोन और सभी सैन्य सहायता प्रदान करते हैं।'

यूक्रेन में हथियारों की कमी

यह नई सूची तब आई है, जब यूक्रेनी ने दावा किया है कि रूसी हमले के बीच वह हथियारों की कमी का सामना कर रहा है और अमेरिका और नाटो के अधिकारी इस बात पर जोर दे रहे हैं कि यूक्रेन को अतिरिक्त सैन्य सहायता पहले से ही दी जा रही है।

7 मार्च तक, अमेरिका और अन्य नाटो सदस्य यूक्रेन में लगभग 17,000 एंटी-टैंक मिसाइलें और 2,000 एंटी-एयरक्राफ्ट मिसाइलें भेज चुके हैं। यूक्रेन को यहां से लगातार सैन्य सहायता मिल रही है।

सीएनएन के मुताबिक एक वरिष्ठ रक्षा अधिकारी ने कहा कि फरवरी के अंत में 350 मिलियन अमेरिकी डॉलर की सुरक्षा सहायता यूक्रेन पहुंच चुका है। वहीं अगले दो पैकेज का कुल एक बिलियन डॉलर की सहायता पहुंचना शुरु हो गया है।

इस बीच, बुधवार को ब्रिटेन ने घोषणा की है कि वह यूक्रेन को टैंक-रोधी और उच्च विस्फोटक हथियारों सहित 6,000 और मिसाइलें भेजेगा। साथ ही यूक्रेनी सेना की वित्तीय सहायता के लिए लगभग 33 मिलियन डॉलर देगा।

अखंड भारत संदेश
स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक
211019 से प्रकाशित
स्वामी श्री योगी सत्यम एवम् योग सत्संग समिति द्वारा
विपिन इण्टरप्राइजेज
1/6C माधव कुंज
कटरा प्रयागराज
से मुद्रित एवम् क्रियायोग आश्रम अनुसंधान संस्थान
झूंसी, प्रयागराज उत्तर प्रदेश
से प्रकाशित।
Title UPHIN 29506

चीन विमान हादसाः क्षतिग्रस्त हालत में मिला दूसरा ब्लैक बॉक्स, लेकिन चार दिन बाद भी किसी के जिंदा बचने का निशान नहीं

कीव। चीन में इस सोमवार को दुर्घटनाग्रस्त हुए बोइंग 737 विमान का दूसरा ब्लैक बॉक्स मिल गया है। चाइना ईस्टर्न एयरलाइंस के विमान का पहला ब्लैक बॉक्स बुधवार को ही क्षतिग्रस्त हालत में बरामद कर लिया गया था। हालांकि, शुक्रवार तक चार दिन की खोज के बाद भी दुर्घटनाग्रस्त विमान में सवार 132 यात्रियों में से किसी के जिंदा बच निकलने खबर नहीं है। चीन की सरकार ने सभी यात्रियों को मृत मानकर उनके शव खोजने की कवायद जारी रखी है।

राहत-बचाव कार्यों में क्यों आ रही दिक्कतें?

चीन की मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो ग्वांगझू के पास गुआंक्सी शहर में जिस जगह विमान दुर्घटनाग्रस्त हुआ है, वह घना जंगल है और फिलहाल इस जगह पर मौसम बेहद खराब है। गुआंक्सी में बीते दिनों में एक भयानक तूफान भी आ चुका है, जिसके चलते राहत-बचाव कार्य में खासी दिक्कतें आई हैं। हालांकि, इस बीच भी बचावकर्मियों ने बुधवार को एक ब्लैक बॉक्स हासिल कर लिया था।

पहले ब्लैक बॉक्स के डेटा का विश्लेषण जारी

दुर्घटनाग्रस्त विमान का पहला ब्लैक बॉक्स बुधवार को ही बरामद कर लिया गया था। इसे डीकोड करने के लिए बीजिंग स्थित प्रयोगशाला में भेजा गया है और डेटा का विश्लेषण जारी है। चीन के नागरिक विमानन प्रशासन के विमानन सुरक्षा कार्यालय ने उम्मीद जताई है कि क्षतिग्रस्त ब्लैक बॉक्स से भी उन्हें हादसे को लेकर काफी जानकारी मिल सकती है, क्योंकि इस बॉक्स या कॉकपिट रिकॉर्डर में इंजन की आवाज, ऑडियो अलर्ट और बैकग्राउंड साउंड कैद हो जाते हैं। इसके मिलने से दुर्घटना का उचित कारण पता चल सकता है।

किसी के जिंदा बचने निकलने के सुराग नहीं

चीन के कुनमिंग शहर से गुआनझो जा रहा 'चाइना ईस्टर्न' का विमान बोईंग 737-

800 वुझोउ शहर के एक पर्वतीय क्षेत्र में सोमवार को दुर्घटनाग्रस्त हो गया था। विमान में 132 लोग सवार थे, जिनमें से अब तक किसी का पता नहीं चल पाया है। रुक-रुक कर हो रही बारिश के कारण लगातार दूसरे दिन तलाश अभियान बाधित हुआ। गुरुवार को घटनास्थल से इंजन के मलबे के कुछ हिस्से मिले। गुआंक्सी क्षेत्र के दमकल प्रमुख झेंग शी अबतक विमान के मलबे के 183 हिस्से, पीड़ितों के अवशेष और सामान मिला है जिसे जांचकर्ता टीम को सौंप दिया गया है। अभियान में जुटे कर्मी घने जंगलों तथा खड़ी ढलानों पर हाथ के औजारों, मेटल डिटेक्टर, ड्रोन और खोज कुत्तों का इस्तेमाल कर रहे हैं।